एनएसटीएफडीसी और अनुसूचित जनजाति की चैनेलाइजिंग एजेंसियों के मार्गदर्शन के लिए आदर्श परियोजना प्रोफाइल

नेशनल शेडचूल्ड ट्राइब्स फाइनांस एंड डवलपमेंट कारपोरेशन
एनबीसीसी टावर, 15 भीकाजी कामा प्लेस,
नई दिल्ली-110066

परियोजना प्रोफाइल

विषय-वस्तु

कृषि क्षेत्र : पृष्ठ संख्या

1. डेरी फार्म
2. मत्स्य पालन
3. बकरी पालन
4. मिश्रित सब्जियों की खेती
5. खुंभी (मशरूम) की खेती
6. औषधीय और सुगंधित पादप
7. सुअर पालन
8. मुर्गी पालन (लेयर फार्मिंग)
9. भेड़ पालन
10. रेशम उत्पादन
11. कृमि कंपोस्ट खाद

औद्योगिक क्षेत्र :

1. बांस और बेंत के फर्नीचर का विनिर्माण

2. ईंटों का विनिर्माण
3. सरसों का तेल निकालना
4. मसाले पीसना
5. छाता विनिर्माण

सेवा क्षेत्र :

1. आटो-रिक्शा
2. ब्यूटी पार्लर शॉप
3. साइकिल की बिक्री और मरम्मत की दुकान
4. फर्नीचर की दुकान
5. किराना की दुकान
6. कंक्रीट मिश्रक को किराए पर लेना
7. तैयार वस्त्र (रेडीमेड गारमेंट्स)
8. सड़क के किनारे ढाबा
9. दुपहिए की सर्विसिंग और मरम्मत
10. ट्रेक्स क्रूज़र

परियोजना प्रोफाइल

चित्र

कृषि क्षेत्र

1. डेरी फार्म

1. प्रस्तावना

भारत में अधिकांश खेती वर्षा पर निर्भर है, अत: पूरे वर्ष रोजगार मुहैया कराना और अतिरिक्त आय पैदा करना एक बाज़िव आवश्यकता है। छोटे किसानों और भूमिहीन कृषि मजदूरों के लिए डेरी उद्योग अतिरिक्त आय पैदा करने का एक महत्वपूर्ण स्रोत है। यह पर्यावरण अनुकूल भी है। पशुओं से प्राप्त होने वाली खाद मृदा की उर्वरकता में सुधार करने के लिए एके अच्छे जैविक पदार्थ का स्रोत है। इसका अलावा इसका उपयोग ईंधन के रूप में भी किया जा सकता है। अतिरिक्त चारे और कृषि के उप उत्पादों का उपयोग पशुओं को खिलाने के लिए सफलतापूर्वक किया जा सकता है।

2. बाजार की संभावना :

दूध एक महत्वपूर्ण घरेलू खाद्य है, जिसका उपयोग बच्चों और बुजुर्गों द्वारा किया जाता है। एनडीडी की भावी योजना 2010 के अनुसार तरल दूध की खरीद बाजार योग्य अतिरिक्त मात्रा के 33 प्रतिशत तक सहकारिता द्वारा बढ़ाई जाएगी और तरल दूध की बिक्री में 365 लाख किलोग्राम प्रतिदिन होगी अर्थात् यह महानगरों में बाजार शेयर के 60 प्रतिशत से अधिक होगा और कुल मिलाकर श्रेणी । नगरों में लगभग 50 प्रतिशत तक की आपूर्ति सहकारिता द्वारा की जाएगी। इस प्रकार दूध और दूध उत्पादों की बहुत बड़ी मांग है।

3. तकनीकी विवरण :

- शेड शुष्क तथा ऊंचे धरातल पर निर्मित किए जाएं और वे अच्छे हवादार होने चाहिए।
- प्रत्येक पशु के खड़े होने के लिए 2 X 1.05 मीटर स्थान आवश्यक है।
- स्वस्थ / नवजात बछड़ा / बछड़ी वाला ऐसा दुधारू पशु खरीदा जाए, जो दूसरे / तीसरे दुग्ध-काल में हो।
  यदि आवश्यक हो तो नए खरीदे गए पशु का रोग प्रतिरोधी टीकाकरण किया जाए।
- पशुओं को चरणबद्ध तरीके से खरीदा जाए। पशुओं की खरीद इस प्रकार की जाए कि बाद की खरीद उस समय की जाए, जब पहले खरीदे गए दो पशु दुग्ध-काल की अंतिम अवस्था में हों।
- खाने के लिए पशुओं को सर्वोत्तम आहार और चारा दिया जाए और पशु की दैनिक आहार की आवश्यकता उसके शरीर के वजन के लगभग 2.5 प्रतिशत से 3 प्रतिशत तक होती है।
- दूध निकालने से पहले उसके थन को धोएं और रोगाणुरोधक (एंटीसैप्टिक) लोशन या गुनगुने पानी से उसकी सफाई करें और दूध निकालने से पहले उसके थन को गीला न रहने दें।

4. परियोजना की लागत :

इस पर लगने वाली पूंजीगत लागत को ध्यान में रखते हुए और पर्याप्त आय पैदा करने के लिए भी चार भैंसें (ग्रेडिड मुर्रा) प्रति यूनिट का सुझाव दिया गया है। प्रत्येक भैंस सामान्यत: प्रतिदिन औसतन 10 (दस) लीटर दूध देगी। तदनुसार परियोजना की प्रस्तावित लागत इस प्रकार है :

क्रम	ब्योरे	रकम प्रति यूनिट

संख्या		(रुपयों में)
1.	भूमि का विकास (एलएस)	2,500.00
2	स्थानीय रूप से उपलब्ध सामग्री का उपयोग करते हुए शेड का निर्माण	12,000.00
3.	पशुओं की लागत, जिसमें परिवहन प्रभार, यदि कोई हो, भी शामिल है। [16000 रुपये प्रति पशु की दर से]	64,000.00
4.	बर्तन, दूध के बर्तन, हाथ से चलाये जाने वाला कुट्टी कटर आदि	3,000.00
5.	बीमा / पशु चिकित्सा व्यय	3,000.00
6.	कार्य चालन पूंजी और विविध व्यय	3,500.00
	जोड़	88,000.00

5. वित्त-व्यवस्था के साधन :

क्रम संख्या	मद	रकम	प्रतिशतता
1.	प्रमोटर का योगदान	2000.00	2.27
2.	एनएसटीएफडीसी-मियादी ऋण	70000.00	79.55
3.	एससीए से सब्सिडी / मार्जिन राशि ऋण	16000.00	18.181
	जोड़	88000.00	100.00

टिप्पणी : राज्य चैनेलाइजिंग एजेंसियां अपने निगम के मानदंडों के अनुसार लाभार्थी (लाभार्थियों) को सब्सिडी मुहैया कराने की व्यवस्था करेंगी। इसके अलावा एससीए अन्य केंद्रीय प्रायोजित योजनाओं से प्रोत्साहन / सब्सिडी उपलब्ध कराने के लिए भी प्रयास करेंगे।

6. कच्चे माल की आवश्यकता और कार्यचालन पूंजी प्रतिफल का पूर्वानुमान :

पशुओं को स्थानीय रूप से उपलब्ध हरा चारा और सूखा चारा खिलाया जाएगा। इसके अलावा पशुओं को विशेषत: दुग्ध-काल के दौरान पशुचारा संक्रेंद्रित चारा भी खिलाया जाएगा। दुग्धकाल और शुष्क काल में पशुओं के चारे की आवश्यकता इस प्रकार है-

क्रम संख्या	ब्योरे	दुग्ध-काल किलोग्राम प्रति दिन	शुष्क-काल किलो ग्राम प्रति दिन	दर (रुपये प्रति किलोग्राम)
1.	हरा चारा	25 किलो ग्राम	25 किलो ग्राम	0.25
2.	सूखा चारा	6 किलो ग्राम	6 किलो ग्राम	1.00
3.	संकेंद्रित	4.5 किलो ग्राम	1 कि लो ग्राम	7.00
4.	दिनों की संख्या, जिनके संबंध में हिसाब लगाया गया है।	280 दिन	85 दिन	-

दुग्ध-काल के दौरान एक पशु के संबंध में अपेक्षित निधि : 25 किलो ग्राम x 0.25 रुपये प्रति किलोग्राम + 6 किलो ग्राम x 1 रुपया प्रति किलोग्राम + 4.5 किलो ग्राम x 7.00 रुपये प्रति किलो ग्राम = 43.75 रुपये प्रतिदिन

शुष्क-काल के दौरान : 19.25 रुपये प्रति दिन/ प्रति पशु

7. कार्यचालन पूंजी की आवश्यकता :

- कार्यचालन पूंजी का प्रावधान एक माह के लिए किया गया है।
- पशुओं को दो चरणों में खरीदा जाएगा अर्थात् पहले चरण के दौरान दुग्ध-काल में दो पशुओं में खरीदा जाएगा और शेष दो पशुओं को तब खरीदा जाएगा जब पशुओं का पहला बैच शुष्क - काल में हो।
- तदनुसार एक माह की अवधि के लिए केवल दो पशुओं के के लिए कार्यचालन पूंजी की आवश्यकता बताई गई है और दूसरे बैच के पशुओं का व्यय आंतरिक संसाधनों से पूरा किया जाएगा।

परियोजना प्रोफाइल

क्रम संख्या	ब्योरे	रकम (रुपयों में)
1.	केवल दुग्ध- काल के लिए चारे की लागत	2,625.00
2.	विविध व्यय आदि (एकमुश्त)	875.00
	जोड़	3500.00

8. परियोजना का अर्थशास्त्र :

क.	बिक्री से प्राप्त आय	रकम (रुपयों में)
(i)	दूध की बिक्री से : 10 रुपये प्रति लीटर x 4 पशु x 10 लीटर प्रतिदिन x 280 दिन	1,12000.00
(ii)	खाद और बोरियों की बिक्री (एलएस)	2000.00
	जोड़	1,14000.00
ख.	दाने / चारे की लागत	
(i)	दुग्ध-काल : 43.75 रुपये प्रतिदिन x 4 पशु x 280 दिन शुष्क-काल : 19.25 रुपये प्रतिदिन x चार पशु x 85 दिन	55,500.00
(ii)	पशु चिकित्सा व्यय : [150 रुपये प्रति पशु x 4 पशु]	600.00
(iii)	बीमा	2400.00
(iv)	विविध और विपणन व्यय :	1000.00
(v)	ब्याज	5,100.00
(vi)	10 प्रतिशत की दर से मूल्य ह्रास / व्यय का परिशोधन	
	जोड़	73,050.00
ग.	निवल लाभ (क - ख)	40,950.00
घ.	नकद लाभ (ग + मूल्यह्रास)	39,400.00
ड.	कर यदि कोई हो	शून्य

9. संभाव्यता संकेतक :

क्रम संख्या	ब्योरे	रकम
1.	वापसी प्रतिवर्ष (अवधि – 5 वर्ष)	17,200.00
2.	ऋण चुकौती संबंधी अनुपात	2.44
3.	निवेश पर प्राप्ति (आर ओ आई)	46.53 प्रतिशत

9. लाभार्थियों के लिए ब्याज, ऋण-स्थगन और वापसी अवधि

(क) ब्याज : एनएसटीएफडीसी के मियादी ऋण पर 6 प्रतिशत प्रतिवर्ष

(ख) ऋण-स्थगन अवधि : एससीए द्वारा लाभार्थियों को निधि जारी किए जाने की तारीख से लाभार्थियों के लिए 9 माह

(ग) वापसी अवधि : तिमाही आधार पर 5 वर्ष, जिसमें ऋण-स्थगन अवधि शामिल नहीं है।

11. सामान्य अभ्युक्तियां :

10. परियोजना की लागत अलग-अलग राज्यों और क्षेत्रों में अलग अलग हो सकती है।
11. ऐसा माना जाता है कि उल्लिखित स्थानों में पशु-पालन करना उपयुक्त है।

2. मत्स्य-पालन

1. प्रस्तावना

मिश्रित मत्स्य-पालन कृत्रिम भोजन द्वारा अनुपूरक उपलब्ध खाद्य जीव का उपयोग करके किसी तालाब या टैंक से अधिकतम मछली उत्पादन प्राप्त करने की एक वैज्ञानिक प्रोद्योगिकी है। आमतौर पर मिश्रित मत्स्य पालन के लिए चुनी जाने वाली प्रमुख प्रजाति कतला, रहु, मृगल और विदेशी या सामान्य कार्प होती हैं। इस परियोजना में कतला, रहु, मृगल के एक मिश्रण को 4:3:3 के अनुपात में रखने पर विचार किया गया है। ऐसा इस तथ्य पर विचार करते हुए किया गया है कि कतला धरातलीय पोषक है, रहू समूह (कॉलम) पोषक है और मृगल तलीय पोषक है।

2. बाजार की संभावना :

प्रोटीन मनुष्य के आहार का अनिवार्य घटक है। यह बढ़ते हुए बच्चों के शारीरिक और मानसिक दोनों विकास के लिए विशेष रूप से अनिवार्य है। प्रोटीन की कमी के कारण मनुष्य में विशेषत: बच्चों में कई रोग हो जाते हैं। प्रोटीन के स्रोतों में पशुओं का मांस एक प्रमुख स्रोत है और मछली सबसे सस्ती है और वह बहुत आसानी से पचाये जा सकने योग्य पशु प्रोटीन है। मछलियां प्राकृतिक रूप से नदियों

और तालाबों में पैदा होती हैं, लेकिन इनका उत्पादन कृत्रिम स्थितियों में भी किया जा सकता है। छोटे उद्यमी (किसान) तालाबों में आसानी से मत्स्य पालन कर सकते हैं और इसे आजीविका के साधन के रूप में और अपने परिवार की आय के पूरक के रूप में कर सकते हैं। इससे कुशल और अकुशल युवाओं को रोजगार भी मिलता है। वर्ष 1999-2000 में देश में कुल मछली उत्पादन 56 लाख टन था। लेकिन अतिरिक्त उत्पादन की खपत के लिए काफी मांग है।

3. तकनीकी विवरण:

(क) तालाब / टंकी (टैंक) की आवश्यकता

तालाब / टंकी (टैंक) में पूरे वर्ष में ताजा पानी होना चाहिए और तालाब के पानी का स्तर 2 मीटर गहराई तक बना रहना चाहिए। पानी का स्तर 1 मीटर से नीचे नहीं जाने देना चाहिए। भले ही यह नया तालाब हो या पुराना, इसकी गाद निकाली जाए और इसे गहरा किया जाए।

(ख) मछलियां रखने से पहले की आवश्यकता :

चूना और खाद डालना : यदि मृदा का पीएच 5 हो तो चूना डालने का कार्य 2 टन प्रति हेक्टेयर की दर से किया जाएगा और उच्च पीएच वाले ऐल्कलाइन मृदा के लिए चूने की मात्रा तदनुसार घटाई जा सकती है। जैविक और अजैविक दोनों प्रकार की खाद चूना डालने के बाद डाली जानी चाहिए। जैविक खाद चूना डालने के तीन दिन बाद आवश्यक होती है, जबकि अजैविक खाद जैविक खाद डालने के 15 दिन बाद डाली जाती है। जैविक खाद गाय के गोबर के रूप में 5 टन प्रति हेक्टेयर की दर से डाली जाती है, जबकि यूरिया 330 किलो ग्राम प्रति हेक्टेयर की दर से डाली जाती है और तिगुनी सुपर फास्फेट 165 प्रति हेक्टेयर की दर से डाली जाती है। मछलियां डालने के बाद गेहूं का भूसा और सरसों की खली के रूप में अनुपूरक आहार 2.7 टन प्रति हेक्टेयर की दर से खिलाया जाता है।

(ग) क्षमता :

2 हेक्टेयर के तालाब में 1000 रखी जाती हैं और उनसे वार्षिक उत्पादन 8 टन होता है।

4. परियोजना की लागत :

क्रम संख्या	मद	कुल लागत (रुपयों में)
1.	भूमि की लागत	अपने स्वामित्व की / पट्टे पर
2.	सिविल निर्माण- कार्य	
(i)	तालाब के लिए पुश्ते की खुदाई और निर्माण [मृदा की खुदाई : 600 क्यूबिक मीटर , 20 रुपये प्रति क्यूबिक मीटर की दर से]	1,20,000.00
(ii)	आवक और जावक मार्गों का निर्माण (जल प्रणाली) [एल एस]	15,000.00
3.	उपस्कर (एलएस)	5,000.00
4.	कार्यान्वयन अवधि के दौरान विविध व्यय, बीमा और ब्याज तथा लागत वृद्धि आदि	5,000.00
5.	कार्यचालन पूंजी	21,000.00
	जोड़	1,66,000.00

5. वित्त-व्यवस्था के साधन :

क्रम संख्या	मद	रकम	प्रतिशतता
1.	प्रमोटर का योगदान	4000.00	2.41
2.	एनएसटीएफडीसी-मियादी ऋण	1,46,000.00	87.95
3.	एससीए –मियादी ऋण /सब्सिडी	16000.00	9.64
	जोड़	1,66,000.00	100.00

टिप्पणी : राज्य चैनेलाइजिंग एजेंसियां अपने निगम के मानदंडों के अनुसार सब्सिडी मुहैया कराने की व्यवस्था करेंगी। इसके अलावा अन्य केंद्रीय प्रायोजित योजनाओं से सब्सिडी उपलब्ध कराने के लिए भी प्रयास करेंगे।

6. कच्चे माल की आवश्यकता (प्रतिवर्ष) :

क्रम संख्या	मद	क्षमता	दर (रुपयों में)	वार्षिक मूल्य (रुपयों में)
1.	चूना	1000 किलो ग्राम	10 रुपए प्रतिकिलो ग्राम	10,000.00
2.	आंगुलिक मछली (फिंगर लिंग्स)	10000	200 रुपए प्रति हजार	2,000.00
3.	जैविक खाद	30 टन	100 रुपए प्रति टन	3,000.00
4.	यूरिया / तिगुना सुपर फास्फेट	एल. एस.	-	2,000.00
5.	सरसों की खली	2700 किलो ग्राम	3 रुपए प्रति किलो ग्राम	8,100.00
6.	धान की भूसी	2700 किलो ग्राम	a. रुपए प्रति किलो ग्राम	4,050.00
			जोड़	29,150.00
			अर्थात	29,000.00

7. कार्यचालन पूंजी :

क्रम संख्या	मद	अवधि	रकम (रुपयों में)
1.	कच्चा माल अर्थात् चूना और फिंगर लिंग्स	समस्त अवधि	12,000.00
2.	कार्य चालन व्यय अर्थात् चूना सरसों की खली, धान का भूसा आदि	छ: माह	8,565.00
		जोड़	20,565.00
		अर्थात	21,000.00

8. परियोजना का अर्थशास्त्र :

क.	बिक्री से प्राप्त आय	रकम (रुपयों में)
	8 टन, 25 हजार रुपए प्रति टन की दर से	2,00000.00
	जोड़	2,00000.00
ख.	उत्पादन की लागत	
(i)	कच्चा माल-	29,000.00
(ii)	विविध व्यय	5,300.00
(iii)	मजदूरी (अंशकालिक एक व्यक्ति)	18,000.00
(iv)	मरम्मत और अनुरक्षण :	3,000.00
(v)	ब्याज	9,700.00
(vi)	आहार भत्ता- 2,000.00 रुपए प्रति माह की दर से	24,000.00
	जोड़	89,000.00
ग.	लाभ	1,11,000.00
घ.	घटाएं : मूल्यह्रास / व्यय का परिशोधन आदि	14,500.00
ड.	निवल लाभ	96,500.00

टिप्पणी : यह समझा जाता है कि तालाबों के पानी में आवधिक बदलाव प्राकृतिक रूप से हो जाएगा अर्थात् तालाब और नदी के बीच के पानी के स्तर में ढलान / अंतर से ऐसा हो जाएगा। यदि पानी को पुनः भरने का प्राकृतिक तरीका संभव न हो तो यंत्रों के माध्यम से ऐसा करना आवश्यक होगा और परियोजना रिपोर्ट में संगत लागत का प्रावधान करना होगा।

परियोजना प्रोफाइल

9. संभाव्यता संकेतक :

क्रम संख्या	ब्योरे	रकम
1.	वापसी प्रतिवर्ष (अवधि – 5 वर्ष)	32,400.00
2.	निवेश पर प्राप्ति (आर ओ आई)	58 प्रतिशत
3.	ऋण चुकौती संबंधी अनुपात	2.88 प्रतिशत

10. लाभार्थियों के लिए ब्याज, ऋण-स्थगन और वापसी अवधि

(क) ब्याज : एनएसटीएफडीसी के मियादी ऋण पर 6 प्रतिशत प्रतिवर्ष

(ख) ऋण-स्थगन अवधि : एससीए द्वारा निधि जारी किए जाने की तारीख से 10 माह

(ग) वापसी अवधि : 5 वर्ष, जिसमें ऋण-स्थगन अवधि शामिल नहीं है।

11. विचारार्थ बिंदु :

(क) तालाब का स्थान :

मृदा, जल धारणशील होनी चाहिए, सुनिश्चित जल आपूर्ति की उपलब्धता होनी चाहिए और क्षेत्र ऐसा होना चाहिए, जिसमें बार-बार बाढ़ न आती हो।

(ख) तालाब का प्रबंधन :

- मछलियां रखने से पहले अवांछित घास और मछलियों को हाथ से या मछली के जाल से या महुए की खली का प्रयोग करके तालाब को साफ करें।

- तालाबों में पर्याप्त मात्रा में चूना डालकर खारेपन (ऐल्कलाइन) की प्रकृति को बनाए रखना होगा।
- पादप-स्थल (फीटोप्लांटेशन) की प्राकृतिक उपलब्धता में सुधार लाने के लिए तालाबों में उचित रूप से उर्वरक डालें।

(ग) मछलियां रखना (स्टॉकिंग) :

- उर्वरक डालने के 15 दिन बाद तालाब मछलियां रखने के लिए तैयार हो जाएगा।
- 5000 मछलियां प्रतिहेक्टेयर की दर से रखने के लिए 10 सेंटीमीटर आकार की फिंगरलिंग्स का उपयोग किया जाना चाहिए।

(घ्र) मछलियां रखने के बाद (पोस्ट स्टॉकिंग) :

- प्राकृतिक खाद्य के अलावा मछलियों को धान का भूसा या खली खिलाई जाए।
- उनके भोजन को बांस की ट्रे पर रखा जाए या इसे तालाबों के कोनों में छिड़क दिया जाए।
- जैविक खाद 1000 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर की दर से एक माह के अंतराल में डाली जाए।

(ड.) फसल लेना :

- सामान्यतः फसल लेने का कार्य एक वर्ष के अंत में उस समय किया जाता है, जब मछलियों का वजन 750 ग्राम से 1.25 किलोग्राम हो जाता है।
- एक हेक्टेयर के तालाब में 4-5 टन उत्पादन संभव है।

12. सामान्य अभ्युक्तियां :

12. परियोजना की लागत अलग-अलग राज्यों और क्षेत्रों में अलग-अलग हो सकती है।
13. ऐसा माना जाता है कि उल्लिखित स्थानों में मत्स्य-पालन करना उपयुक्त है।

3. बकरी-पालन

1. प्रस्तावना :

बकरी को सामान्यत: गरीबों की गाय कहा जाता है। बकरी पालन आसान होता है और यह कार्य भूमिहीन मजदूरों, महिलाओं और बच्चों द्वारा भी किया जा सकता है। बकरी थोड़ी-सी वनस्पति और घास पर भी जीवित रह सकती है। बकरी पालन भारत की जलवायु और आर्थिक स्थिति के अनुकूल है। यह तथ्य इस बात का प्रमाण है कि प्रतिवर्ष एक तिहाई बकरियों को बध किया जाता है। लेकिन इसकी संख्या लगातार बढ़ रही है। वर्ष 1951 में इनकी संख्या 40.7 मिलियन थी और वर्ष 1992 की गणना के अनुसार अब भारत मेंबकरियों की संख्या 115 मिलियन है। देश में बकरी पालन के योगदान को निम्नलिखित तथ्यों से मापा जा सकता है :

बकरी के दूध का वार्षिक उत्पादन	1.5 मिलियन मीटरी टन
मांस का वार्षिक उत्पादन	0.4 मिलियन मीटरी टन
चमड़ा	0.1 मिलियन मीटरी टन

देश में उपलब्ध बकरियों की मुख्य नस्लें जमुना पारी, बीटल, बरबरी, सिरोही, उस्मानावादी, झकराना और सांगानेरी हैं। अलग-अलग नस्लें देश के अलग अलग भागों में पाई जाती हैं। मांस या दूध के उद्देश्य के अनुसार नस्लों का चयन किया जाता है, ताकि अधिकतम लाभ कमाया जा सके। बकरियों की प्रमुख नस्लें, उनका क्षेत्र और दूध का उत्पादन निम्नलिखित तालिका में दिया गया है :

क्रम संख्या	नस्ल	क्षेत्र	दूध के उत्पादन की मात्रा प्रतिदिन (लीटरों में)
1.	बीटल	पंजाब	1
2.	जमुना पारी	जमुना और चंबल नदी के किनारे का क्षेत्र	1
3.	झकराना	राजस्थान और हरियाना	2
4.	बरबरी	हरियाना और दिल्ली	0.7
5.	मुलाबरी	केरला	1
6.	सुरती	महाराष्ट्र	1.4

इन नस्लों के अलावा अन्य नस्लें भी होती हैं यथा - सिट्रेन नस्ल जो प्रतिदिन 3.3 लीटर दूध देती हैं, अल्पाइन नस्ल, जो प्रतिदिन 2.5 लीटर दूध देती हैं और तगांवरी नस्ल, जो प्रतिदिन दो लीटर दूध देती है। इन उच्च गुणवत्ता वाली नस्लों और देशी नस्लों से संकर नस्ल तैयार की जाती है, ताकि आर्थिक रूप से अधिक व्यवहार्य नस्लें तैयार की जा सकें। इस परियोजना को आरंभ करने के लिए निम्नलिखित सिफारिशें की जाती हैं :

यूनिट का आकार	50 मादाएं (बकरियां)
नस्ल	2 नर (उस्मानावादी बकरे)
विशिष्ट स्थान	आंध्र प्रदेश, कर्नाटक, महाराष्ट्र

2. बाजार की संभावना :

बकरी के मांस के संबंध में कोई धार्मिक निषेध नहीं है और इसे देश के सभी धर्मों और जातियों के लोग खाते हैं। बकरी का दूध गरीब लोगों के लिए प्रोटीन का सस्ता स्रोत है और इसमें औषधीय गुण होते हैं। बकरियां देश में चमड़े और चमड़ा उत्पादों के भी प्रमुख स्रोत हैं। बकरी एक साधारण जंतु है और वह घरेलू वातावरण में रहती है। बकरियों को वाणिज्यिक रूप से पाला जा सकता है और यह उद्योग व्यवहार्य होता है और यह गांव के गरीब लोगों की आजीविका और अतिरिक्त आय का स्रोत हो सकता है।

इस प्रकार बकरी पालन आजीविका का अच्छा स्रोत उपलब्ध करता है और देश के अधिकांश भागों में इसकी काफी संभावना है।

3. तकनीकी विवरण :

(क) स्थान की आवश्यकता :

बकरियां स्वच्छ, शुष्क और ठोस फर्श चाहती हैं, नमी वाले स्थानों से उनके दुग्ध उत्पादन पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। उन्हें वर्षा, सर्दी आदि जैसे प्राकृतिक बदलाव की स्थितियों से बचाव के लिए सस्ते सेल्टर की अवश्यकता होती है। उनके लिए स्थान की आवश्यकता और इसकी लागत का उल्लेख निम्नलिखित तालिका में किया गया है :

परियोजना प्रोफाइल

क्रम संख्या	बकरी का प्रकार	मात्रा	प्रति पशु स्थान की आवश्यकता वर्ग फुट	कुल स्थान की आवश्यकता वर्ग फुट	दर प्रति वर्ग फुट	कुल लागत (रुपयों में)
1.	मादा (बकरियां)	50	10	500	40	20,000.00
2.	नर (बकरे)	2	20	40	40	1,600.00
3.	मेमना (बकरी का बच्चा)	68	4	272	40	10,880.00
					जोड़	32,480.00
					अर्थात्	32,500

(ख) पशुओं की लागत :

क्रम संख्या	बकरी का प्रकार	दर	कुल लागत (रुपयों में)
1.	मादा (बकरी)	50, प्रत्येक 900 रुपये की दर से	45,000.00
2.	नर (बकरा)	2, प्रत्येक 1100 रुपये की दर से	2,200.00
		जोड़	47,200.00

(ग) परियोजना के लिए लगाया गया मुख्य पूर्वानुमान :

क्रम संख्या	मद	
1.	मेमनों के जन्म का अंतराल	8 माह
2.	परिपक्वता की उम्र	12 माह
3.	मेमनों के जन्म की प्रतिशतता	85
4.	मेमनों का जुड़वा जन्म	60 प्रतिशता

5.	मेमनों के जन्म की संख्या प्रतिवर्ष	1.5
6.	लिंगानुपात (नर : मादा)	1 : 1

(घ) उत्पादन का लक्षय (वार्षिक) :

क्रम संख्या	मद	
1.	वयस्क मादाएं (बकरियां)	10
2.	वयस्क नर (बकरे)	55
3.	मादाएं (बकरियां)	42

4. आहार की आवश्यकता :

- गांव में पारंपरिक रूप से पाली जाने बाली बकरियों के दाने और चारे पर अधिक ध्यान नहीं दिया जाता है, लेकिन उचित नस्लों को पैदा करने के लिए आहार की आवश्यकता पर ध्यान देना होगा, जो हरा चारा और चना तथा मूंग के छिलकों, गुण आदि बाला संकेंद्रित आहार होगा। बकरे को अधिकतम आहार की आवश्यकता होती है और उसके बाद गाभिन बकरियों और मेमनों को आहार की आवश्यकता होती है। हरे चारे की लागत का अनुमान 1000 रुपये प्रतिमाह लगाया जाता है।

- एक वर्ष में 4 रुपये प्रतिकिलो की कीमत पर बकरियों के लिए 2 माह में एकबार, बकरों के लिए 2 माह में एकबार और मेमनों के लिए एक माह में एकबार संक्रेंद्रित आहार की आवश्यकता होती है। इसका परिकलन इस प्रकार किया गया है:

क्रम संख्या	बकरी	प्रति पशु आवश्यकता (किलो ग्राम)	कुल आवश्यकता	लागत प्रति किलो ग्राम (रुपयों में)	कुल लागत (रुपयों में)
1.	बकरियां	6.75	6.75 किलोग्राम x 2 माह x 50 बकरियां	4	2,700.00
2.	बकरे	7.5	7.5 किलोग्राम x 2 माह x 2 बकरे	4	120.00
3	मेमना	3.75	3.75 किलो ग्राम 1 माह x 68 मेमने	4	1020.00
				जोड़	3,840.00
				अर्थात	4,000.00

कुल आहार की आवश्यकता 12000 रुपये + 4000 रुपये =16000 रुपये प्रतिवर्ष

5. कार्यचालन पूंजी की आवश्यकता :

क्रम संख्या	मद	कुल लागत (रुपयों में)
1.	आहार की लागत : एक माह के लिए संक्रेंद्रित और हरा चारा	3,440.00
2.	श्रम लागत – स्वयं (15 दिन)	1000.00
3.	अन्य	700.00
	जोड़	5,140.00
	अर्थात्	5,100.00

6. परियोजना की लागत

क्रम संख्या	मद	कुल लागत (रुपयों में)
1.	भूमि का विकास (एलएस)	10,000.00
2.	छप्पर वाली छत के शेड आदि की लागत	32,500.00
3.	बाल्टियों, टंकियां (टैंकों आदि जैसे विविध उपस्कर	1,000.00
4.	पशुओं की लागत, जिसमें ढुलाई, बीमा आदि भी शामिल है।	51,000.00
5.	विविध और आकस्मिक व्यय आदि	400.00
6.	कार्यचालन पूंजी	5100.00
	जोड़	1,00,000.00

7. वित्त-व्यवस्था के साधन :

क्रम संख्या	मद	कुल लागत (रुपयों में)	प्रतिशतता
1.	प्रमोटर का अंशदान	2000.00	2.00
2.	एनएसटीएफडीसी-मियादी ऋण	80,000.00	80.00
3.	एससीए–मियादी ऋण / सब्सिडी	18,000.00	18.00
	जोड़	1,10000.00	100.00

टिप्पणी : राज्य चैनेलाइजिंग एजेंसियां अपने निगम के मानदंडों के अनुसार लाभार्थी (लाभार्थियों) को सब्सिडी मुहैया कराने की व्यवस्था करेंगी। इसके अलावा एससीए भी अन्य केंद्रीय प्रायोजित योजनाओं से प्रोत्साहन / सब्सिडी उपलब्ध कराने के लिए प्रयास करेंगे।

8. परियोजना का अर्थशास्त्र :

क्रम संख्या	परियोजना के दूसरे वर्ष से	रकम (रुपयों में)
क.	बिक्री से प्राप्त आय	
(i)	800 रुपये की दर से 15 वयस्क बकरियों की बिक्री	12000.00
(ii)	900 रुपये की दर से 60 वयस्क बकरों की बिक्री	54,000.00
(iii)	800 रुपये की दर से 45 बकरियों की बिक्री	36,000.00
	जोड़	1,00000.00
ख	उत्पादन की लागत	
(i)	चारे और दाने की लागत	16,000.00
(ii)	दवाई :	1,000.00
(iii)	बीमा	2,000.00
(iv)	श्रमिकों की मजदूरी	24,000.00
(v)	ब्याज	5,880.00

(vi)	विविध (पशु चिकित्सा सेवा आदि)	1,280.00
	जोड़	50,160.00
ग.	नकद लाभ	49,840.00
घ.	10 प्रतिशत की दर से मूल्य ह्रास / व्यय का परिशोधन	9,500.00
ङ.	निवल लाभ	43,040.00

9. संभाव्यता संकेतक :

क्रम संख्या	ब्योरे	रकम (रुपयों में)
1.	वापसी प्रतिवर्ष (अवधि – 5 वर्ष)	19,600.00
2.	निवेश पर प्राप्ति (आरओआई)	43 प्रतिशत
3.	ऋण चुकौती संबंधी अनुपात	2.19प्रतिशत

10. लाभार्थियों के लिए ब्याज, ऋण-स्थगन और वापसी अवधि

(क) ब्याज : लाभार्थियों से लिया जाने वाला एनएसटीएफडीसी के मियादी ऋण पर 6 प्रतिशत प्रतिवर्ष

(ख) ऋण-स्थगन अवधि : एससीए द्वारा अंतिम किस्त जारी किए जाने की तारीख से 12 माह

(घ) वापसी अवधि : 5 वर्ष, जिसमें ऋण-स्थगन अवधि शामिल नहीं है।

(ङ)

11. निष्कर्ष :

बकरी-पालन तकनीकी – आर्थिक रूप से व्यवहार्य आय पैदा करने वाला कार्यकलाप है और यह ग्रामीण उद्यमियों के लिए उपयुक्त है।

टिप्पणियां :

- बकरियों और बकरों के जन्म का लिंगानुपात 1:1 है। अतः प्रत्येक का उत्पादन बराबर है, लेकिन बकरियों की बिक्री का संकेत कम है क्योंकि कुछ बकरियों को भावी प्रजनन के लिए फार्म में रखा जाएगा।
- जहां कहीं व्यवहार्य हो, बकरी के दूध की बिक्री करके लाभकारिता में सुधार किया जा सकता है। प्रत्येक व्यतीत होने वाले वर्ष के साथ पशुओं की संख्या में वृद्धि के कारण लाभकारिता में और सुधार होगा।
- परियोजना की लागत अलग-अलग राज्यों और क्षेत्रों में अलग अलग हो सकती है।
- ऐसा माना जाता है कि उल्लिखित स्थानों में बकरी-पालन करना उपयुक्त है।

4. मिश्रित सब्जियों की खेती

1. प्रस्तावना :

सब्जियां एक ऐसा उत्पाद है, जिनकी बाजार में लगातार मांग रहती है। जनसंख्या की वृद्धि और स्वास्थ्य के प्रति सजगता के कारण सब्जियों की मांग बढ़ती जा रही है। फुटकर व्यापार में तेजी आने के कारण वर्तमान में किसान सब्जियों की निर्धारित मात्रा की आपूर्ति के लिए करार निष्पादित कर रहे हैं।

2. तकनीकी विवरण :

(क) खेती की प्रक्रिया **:**

सब्जियों की खेती की प्रक्रिया बीजों या पौधों से शुरू होती है। पौधों का ऐसी भूमि पर प्रतिरोपण किया जाता है, जिसकी भली-भांति जोताई की गई हो, जिसमें अच्छी तरह खाद डाली गई हो और जिसमें पर्याप्त रूप से नमी हो। इनका रोपण पंक्तियों में किया जाना चाहिए और एक पंक्ति से दूसरी पंक्ति की दूरी कम से कम एक मीटर होनी चाहिए तथा पौधे से पौधे की दूरी 0.5 मीटर होनी चाहिए। सप्ताह में तब तक प्रतिदिन खेती की सिंचाई की जाती है, जब तक इसकी जड़े स्वाभाविक रूप से मिट्टी को न पकड़ लें। इसके पश्चात प्रत्येक सप्ताह सिंचाई की जाती है। सामान्य स्थितियों में इन पौधों की मियाद तीन माह होती है और प्रतिरोपण के बाद एक या दो माह की अवधि के पश्चात पौधे फल देने लगते हैं। उपर्वरकों का प्रयोग प्रत्येक सप्ताह तब तक किया जाना चाहिए जब तक पौधे में फल न लग जाएं और उसके पश्चात 15 दिन में एकबार उर्वरकों का प्रयोग किया जाना चाहिए। कुछ समय बाद पुराने पौधों की जगह नए पौधे लगा देने चाहिए।

(ख) उत्पादन का लक्षय 60 मीटरी टन प्रतिवर्ष

100 प्रतिशत क्षमता का उपयोग करने पर उत्पादन का लक्षय 60 हजार किलो ग्राम सब्जियां प्रतिवर्ष है।

(ग) आवश्यक मदें :

बिजली	:	अपेक्षित नहीं
ईंधन	:	500 लीटर डीजल
पानी	:	1000 रुपए

यूनिट में पानी और ईंधन अपेक्षित होते हैं। उस स्थिति में डीजल मुख्य ईंधन होता है, जब स्थानीय बाधाओं के कारण सिंचाई के अन्य तरीके उपयोग में नहीं लाए जाते हों। चूंकि डीजल इंजन लगभग सभी क्षेत्रों में प्रभावी होता है, इसलिए इसे इस यूनिट के लिए उपयोग में लाया जाता है। ईंधन के व्यय का अनुमान 9000 रुपए प्रतिवर्ष लगाया गया है। ऐसी अपेक्षा की जाती है कि पानी उपलब्ध होगा अन्यथा इस कार्यकलाप का संचालन करना संभव नहीं होता है, क्योंकि इस परियोजना में सिंचाई एक मुख्य आवश्यकता है।

3. संयंत्र और मशीनरी का विवरण :

क्रम संख्या	मद	मात्रा	दर (रुपयों में)	मूल्य (रुपयों में)
1.	हल, फावड़ा, खुरपी और टोकरियां आदि	-	एलएस	3,000.00
2.	डीजल पंप, स्प्रेयर और स्प्रिंकलर आदि	-	एलएस	37,000.00
			जोड़	40,000.00

4. परियोजना की लागत :

क्रम संख्या	मद	कुल लागत (रुपयों में)
1.	भूमि क) 1 हेक्टेयर ख) भूमि का विकास (समतल करना)	अपने स्वामित्व की 5,000.000
2.	संयंत्र और मशीनरी	40,000.00
3.	विविध फिक्चर (औजार, जिक्स और फिक्चर)	5,000.00
4.	लागत वृद्धि आदि सहित आकस्मिक व्यय	10,000.00
5.	कार्यचालन पूंजी	15,000.00
	जोड़	75,000.00

परियोजना प्रोफाइल

5. वित्त-व्यवस्था के साधन :

क्रम संख्या	ब्योरे	कुल लागत (रुपयों में)	प्रतिशतता
1.	प्रमोटर का अंशदान	2000.00	2.67
2.	एनएसटीएफडीसी-मियादी ऋण	65000.00	86.67
3.	एससीए-मियादी ऋण/ सब्सिडी	8000.00	10.66
	जोड़	75000.00	100.00

टिप्पणी : राज्य चैनेलाइजिंग एजेंसियां अपने निगम के मानदंडों के अनुसार लाभार्थी (लाभार्थियों) को सब्सिडी मुहैया कराने की व्यवस्था करेंगी। इसके अलावा एससीए भी अन्य केंद्रीय प्रायोजित योजनाओं से प्रोत्साहन / सब्सिडी उपलब्ध कराने के लिए प्रयास करेंगे।

1 आवश्यक मदें (प्रतिवर्ष):

क्रम संख्या	ब्योरे	रकम (रुपयों में)

1.	पानी	1,000.00
2.	ईंधन	9,000.00
	जोड़	10,000.00

2 जन-शक्ति की आवश्यकता :

क्रम संख्या	श्रेणी	संख्या	वेतन प्रति व्यक्ति प्रतिमाह (रुपये)	जोड़ (रुपये)
1.	अकुशल	-	आवश्यकता के आधार पर- 75 रुपये प्रतिदिन की दर से एक फसल के लिए 30 श्रम-दिन	2,250.00
2.			जोड़	2,250.00

3 कच्चे माल की आवश्यकता :

क्रम संख्या	मद	मात्रा	दर (रुपये) प्रतिमाह	मूल्य (रुपये)
1.	बीज और पौध	-	एलएस	1,000.00
2.	उर्वरक	40 किलो ग्राम	37.50	1,500.00
3.	कीटनाशक	15 लीटर	50	750.00
			जोड़	3,250.00
			जोड़ वार्षिक	39,000.00

4 कार्यचालन पूंजी (पूर्ण क्षमता की उपयोगिता पर) :

क्रम संख्या	मद	अवधि (माह)	रकम (रुपयों में)
1.	कच्चा माल	3	9,750.00
2.	आवश्यक मदें	3	2,550.00
3.	जन-शक्ति	1 फसल	2,250.00
4.	विविध व्यय	500	500.00
		जोड़	15,050.00
		अर्थात्	15,000.00

5 परियोजना का अर्थशास्त्र :

क्रम संख्या	मद	रकम (रुपयों में)
क.	वार्षिक कुलकारोबार	100 प्रतिशत
	बिक्री से प्राप्त आय : 3 रुपये प्रति किलो की दर से 60000 किलो। क्षति के लिए 7 प्रतिशत का प्रावधान	1,67,400.00
ख.	उत्पादन की लागत	
(i)	कच्चा माल	39,000.00
(ii)	आवश्यक मदें	10,000.00

(iii)	वेतन और मजदूरी	27,000.00
(iv)	बीमा	5,000.00
(v)	मरम्मत और अनुरक्षण तथा विविध व्यय	6,000.00
(vi)	ब्याज	4,400.00
(vii)	लाभार्थियों के लिए आहार भत्ता	30,000.00
(viii)	ढुलाई / प्रमाणीकरण प्रभार	6,000.00
	जोड़	1,27,400.00
ग.	नकद लाभ (क-ख)	40,000.00
घ.	10 प्रतिशत प्रतिवर्ष की दर से मूल्यह्रास / व्यय का परिशोधन	6,000.00
ड.	निवल लाभ	34,000.00

6 संभाव्यता संकेतक :

क्रम संख्या	ब्योरे	रकम (रुपयों में)
1.	वापसी प्रतिवर्ष (अवधि – 5 वर्ष)	14,600.00
2.	निवेश पर प्राप्ति (आरओआई)	45.33 प्रतिशत
3.	ऋण चुकौती संबंधी अनुपात	2.34 प्रतिशत

12. लाभार्थियों के लिए ब्याज, ऋण-स्थगन और वापसी अवधि

(क) ब्याज : एनएसटीएफडीसी के मियादी ऋण पर 6 प्रतिशत प्रतिवर्ष

(ख) ऋण-स्थगन अवधि : एससीए द्वारा निधियां जारी किए जाने की तारीख से 9 माह

(ग) वापसी अवधि : एससीए द्वारा अंतिम किस्त जारी करने की तारीख से 5 वर्ष, जिसमें ऋण- स्थगन अवधि शामिल नहीं है।

13. सामान्य अभ्युक्तियां :

- परियोजना की व्यवहार्यता इस बात पर निर्भर करती है कि परिवार के पास उपयुक्त भूमि उपलब्ध हो और भूमि की लागत को परियोजना लागत के भाग के रूप में नहीं समझा जाता है।
- परियोजना की लागत अलग-अलग राज्यों और क्षेत्रों में अलग-अलग हो सकती है।
- ऐसा माना जाता है कि उल्लिखित स्थान सब्जियों की खेती के लिए उपयुक्त हैं और लाभार्थियों को संगत क्षेत्र का अनुभव है।

5. खुंभी (मशरूम की खेती)

1. प्रस्तावना :

खुंभी (मशरूम) की खेती लगभग 300 वर्षों से प्रचलन में है । लेकिन भारत में इसकी वाणिज्यिक खेती हाल ही में शुरू की गई है। नियंत्रित स्थिति में खुंभी (मशरूम) उगाना हाल ही में शुरू किया गया है। इसकी लोकप्रियता बढ़ती जा रही है और यह एक ऐसा कारोबार है, जो निर्यात अभिमुखी है। आज खुंभी (मशरूम) की खेती उत्तर प्रदेश, हरियाणा, राजस्थान आदि जैसे राज्यों में (शीतकाल के दौरान) की जा रही है, जबकि पहले इसकी खेती केवल हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर और पहाड़ी-क्षेत्रों में की जाती थी। खुंभी (मशरूम) प्रोटीन, विटामिन, खनिज, फौलिक ऐसिड का उत्कृष्ट स्रोत है और यह खून की कमी वाले रोगियों के लिए लौह (आयरन) का अच्छा स्रोत है। खुंभी (मशरूम) विभिन्न प्रकार के होती हैं :

क) बटन खुंभी (मशरूम)
ख) ढींगरी (आइस्ट)
ग) धान पुआल खुंभी (मशरूम)

इन सभी प्रकारों में से बटन खुंभी (मशरूम) सबसे अधिक लोकप्रिय है। खुंभी (मशरूम) की खेती बड़े स्तर पर की जाने वाली खेती के अलावा झोंपड़ी और छोटे स्तर पर भी की जाती है।

2. बाजार की संभावनाएं:

खुंभी (मशरूम) के मुख्य उपभोक्ता चीनी फूड रेस्तरां, होटल, क्लब और घर हैं। बड़े नगरों में खुंभी (मशरूम) सब्जियों की दुकान पर बेची जाती है। घरेलू और निर्यात बाजार बढ़ने के साथ-साथ स्वादिष्ट और खाद्य मूल्य होने के कारण खुंभी (मशरूम) की खेती की व्यापक और अच्छी संभावनाएं हैं।

3. तकनीकी विवरण:

(क) विनिर्माण प्रक्रिया :

(i) स्पॉन (मशरूम का बीज तैयार करना) : स्पॉन बाजार में आसानी से उपलब्ध हो जाता है। यदि वांछित हो तो इसका उत्पादन किया जा सकता है और वाणिज्यिक बिक्री की जा सकती है।

(ii) कंपोस्ट तैयार करना : कंपोस्ट तैयार करने के कई मिश्रण होते हैं और जो उद्यमी के अनुकूल हों उनका चयन किया जा सकता है। इसे गेहूं / धान के पुआल का उपयोग करके तैयार किया जाता है, जिसमें विभिन्न पोषकों को मिलाया जाता है। संश्लिष्ट कंपोस्ट में गेहूं का पुआल मिलाया जाता है। कंपोस्ट को दीर्घकालिक या अल्पकालिक कंपोस्टिंग विधि से तैयार किया जाता है। जिन लोगों के पास निर्जीवीकरण की सुविधा हो वे ही अल्पकालिक विधि अपना सकते हैं। दीर्घकालिक विधि में 28 दिन की अवधि तक नियमित अंतराल में 7-8 बार इसे उलटना-पलटना करना होता है। अच्छा कंपोस्ट गहरे भूरे रंग का अमोनिया रहित होता है। इसमें मामूली चिकनाई होती है और 65-70 प्रतिशत नमी होती है।

(iii) स्प्यूइंग (स्पॉन के साथ कंपोस्ट मिलाना) : कंपोस्ट के साथ स्पॉन मिलाने के लिए निम्नलिखित तीन प्रक्रियाओं में से कोई एक अपनाई जा सकती है।

- परत स्प्यूइंग : कंपोस्ट को समान परतों में विभाजित किया जाता है और स्पॉन को प्रत्येक परत में फैलाया जाता है। इसके परिणामत: अलग–अलग परतों में स्पॉविंग हो जाती है।

- धरातलीय स्प्यूइंग : 3 से 5 सेंटीमीटर कंपोस्ट को पुन: मिलाया जाता है, स्पॉन को फैलाया जाता है और कंपोस्ट से ढक दिया जाता है।
- स्प्यूइंग के माध्यम से स्पॉन को कंपोस्ट के साथ मिलाया जाता है और उस पर दबाब दिया जाता है।

स्पॉन की एक बोतल कंपोस्ट के ऐसे 35 किलोग्राम के लिए पर्याप्त होती है, जिसे 0.75 वर्गमीटर क्षेत्र (लगभग 2 ट्रे) में फैलाया जाता है। अर्थात् कंपोस्ट में स्पॉन का अनुपात 0.5 प्रतिशत होता है।

इसके पश्चात जिस कमरे में फसल उगानी है, उसमें ट्रे को 2 चरणों में रखा जाता है और समाचार पत्रों से ढक दिया जाता है। उसके ऊपर 2 प्रतिशत फार्मलीन छिड़का जाता है। कमरे का वांछित तापमान लगभग 18 सेल्सियस होता है और उसमें 95 प्रतिशत नमी होती है।

- आवरण : स्पॉन किए गए कंपोस्ट को विसंक्रमित सूखी घास, चाक के पाउडर आदि से ढका जाता है।
- खुंभी (मशरूम) उगाना : उपर्युक्त तापमान और नमी के साथ-साथ यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि कमरा अच्छा हवादार हो।
- फसल काटना : खुंभी (मशरूम) 30-35 दिन में उग हो जाता है। इन कवकी (फंगल) फल फलों का मुख्य भाग पानी में दिखाई देता है और फसल तब ली जाती है, जब बटन दृढ़ता से बंद हो जाते हैं। 8-10 सप्ताह के फसल चक्र में 10 किलोग्राम खुंभी (मशरूम) प्रति वर्ग मीटर की औसत उपज संभव है। तैयार खुंभी (मशरूम) को विपणन के लिए पैक किया जा सकता है।

i) उत्पादन लक्षय : 8000 किलोग्राम प्रतिवर्ष

ii)आवश्यक मदें : बिजली : नगण्य

पानी : अत्यधिक आपूर्ति अपेक्षित है

4. संयंत्र और मशीनरी :

क्रम संख्या	मद	मात्रा	दर (रुपयों में)	मूल्य (रुपयों में)
1.	ट्रे या लकड़ी का डिब्बा	450	150.00	67,500.00
2.	पंप सहित स्प्रेयर	3	1,750.00	5,250.00
3.	मिस्टोमेटिक ऑटोमेटिक नमीकारक या कूलर	1	4,500.00	4,500.00
4.	रूम हीटर / ब्लोअर	3	2,000.00	6,000.00
5.	अन्य उपस्कर (थर्मामीटर, फैन आदि)	-	-	4,000.00
6.	विविध औजार			2,750.00
			जोड़	90,000.00

5. आवश्यक मदें :

क्रम संख्या	ब्योरे	रकम (रुपयों में)
1.	बिजली (5 किलो वाट x 6 घंटे x 200 दिन x 3.50 रुपये)	21,000.00
2.	पानी	4,000.00
	जोड़	25,000.00

6. कच्चे माल की आवश्यकता (उपभोज्य सामग्री प्रतिमाह सहित) :

क्रम संख्या	मद	मात्रा	दर (रुपये)	वार्षिक मूल्य (रुपये)
1.	कास्टिंग मृदा सहित कंपोस्ट	3000 किलोग्राम	10 रुपये प्रति किलोग्राम	30,000.00
2.	स्पॉन	400 ट्रे (या 800 बोतलें)	16 रुपये प्रति ट्रे (8 रुपये प्रति बोतल)	6,400.00
3	रसायन (फार्मालीन, कीटनाशक, आदि)	एल.एस.	-	4,000.00
4.	पैकिंग सामग्री	एल.एस.	-	2,000.00
		जोड़	-	42,400.00

7. जन-शक्ति की आवश्यकता :

क्रम संख्या	श्रेणी	संख्या	वेतन प्रति व्यक्ति प्रतिमाह (रुपये)	कुल मासिक वेतन (रुपयों में)
1.	कुशल	01	2000.00	2,000.00
2.	अकुशल (20 दिन प्रतिमाह)	02	1,500.00	3,000.00
			जोड़	5,000.00

8 .कार्यचालन पूंजी (पूर्ण क्षमता की उपयोगिता पर) :

क्रम संख्या	मद	अवधि (माह)	रकम (रुपयों में)
1.	कच्चा माल	15 दिन उत्पादन	21,200.00
2.	आवर्ती व्यय (बिजली + मजदूरी)	1	7,000.00
3.	अन्य विविध व्यय		2,000.00
		जोड़	30,200.00
		अर्थात्	30,000.00

9. परियोजना की लागत :

क्रम संख्या	मद	कुल लागत (रुपयों में)
1.	भवन (1000 वर्ग फुट)	स्वयं का /किराए पर
2.	संयंत्र और मशीनरी (संस्थापन सहित)	90,000.00
3.	फर्नीचर और फिक्चर (कार्यालय उपस्करों सहित)	7,000.00
4.	प्रारंभिक और प्रचालन पूर्व व्यय	3,000.00
5.	कार्यान्वयन के दौरान बीमा, ब्याज, लागत वृद्धि आदि सहित आकस्मिक व्यय	10,000.00
6.	कार्यचालन पूंजी	30,000.00
	जोड़	1,40,000.00

10. वित्त-व्यवस्था के साधन :

क्रम संख्या	ब्योरे	कुल लागत (रुपयों में)	प्रतिशतता

1.	प्रमोटर का अंशदान	3000.00	2.14
2.	मियादी ऋण- एनएसटीएफडीसी	1,25,000.00	89.29
3.	एससीए-मियादी ऋण/ सब्सिडी	12,000.00	8.56
	जोड़	1,40,000.00	100.00

टिप्पणी : राज्य चैनेलाइजिंग एजेंसियां अपने निगम के मानदंडों के अनुसार लाभार्थी (लाभार्थियों) को सब्सिडी मुहैया कराने की व्यवस्था करेंगी। इसके अलावा एससीए भी अन्य केंद्रीय प्रायोजित योजनाओं से प्रोत्साहन / सब्सिडी उपलब्ध कराने के लिए प्रयास करेंगे।

11. परियोजना का अर्थशास्त्र :

क्रम संख्या	मद	रकम (रुपयों में)
क.	बिक्री से प्राप्त आय : खुंभी (मशरूम) 8000 किलो ग्राम x 40 रुपये प्रति किलोग्राम और कंपोस्ट (खुंभी) के नीचे (3,20,000 + 80,000 प्रतिवर्ष)	4,00000.00
ख.	उत्पादन की लागत	
(i)	कच्चा माल (42,400 प्रति उत्पाद x पैकिंग सामग्री सहित 3 उत्पाद)	1,27,200.00
(ii)	आवश्यक मदें (बिजली, ईंधन, पानी आदि)	25,000.00
(iii)	वेतन और मजदूरी (5,000 रुपये x 12 माह)	60,000.00
(iv)	किराया (200 रुपये x 12 माह)	24,000.00
(v)	ढुलाई / भाड़ा	5,000.00
(vi)	सवारी और यात्रा	5,000.00
(vii)	व्यवस्था संबंधी उपरिव्यय (टेलीफोन, डाक टिकट, लेखन- सामग्री आदि)	5,000.00
(viii)	बिक्री व्यय (विज्ञापन, वितरण लागत, कमीशन और छूट)	10,000.00
(ix)	बीमा और विविध व्यय	4,500.00
(x)	मरम्मत और अनुरक्षण	5,000.00
(xi)	ब्याज	8,300.00
(xii)	आवेदक के लिए आहार	30,000.00
	जोड़ (पूर्णांकित)	3,09,000.00
ग.	सकल लाभ (क-ख)	91,000.00

घ.	मूल्यह्रास स्थायी परिसंपत्तियों की लागत और व्यय के परिशोधन के 10 प्रतिशत की दर से	11,000.00
ड.	निवल लाभ (ग-घ)	80,000.00

7 संभाव्यता संकेतक :

क्रम संख्या	ब्योरे	रकम (रुपयों में)
1.	वापसी प्रतिवर्ष (अवधि – 5 वर्ष)	27,400.00
2.	निवेश पर प्राप्ति (आरओआई)	57.14 प्रतिशत
3.	ऋण की चुकौती संबंधी अनुपात	2.78 प्रतिशत

13. लाभार्थियों के लिए ब्याज, ऋण-स्थगन और वापसी अवधि

(क) ब्याज : एनएसटीएफडीसी के मियादी ऋण पर 6 प्रतिशत प्रतिवर्ष

(ख) ऋण-स्थगन अवधि : एससीए द्वारा अंतिम किस्त जारी किए जाने की तारीख से 9 माह

(ग) वापसी अवधि : 5 वर्ष, जिसमें ऋण-स्थगन अवधि शामिल नहीं है।

14. पूर्वानुमान / अभ्युक्तियां :

- अपने स्वामित्व की संपत्तियों की आय 24,000 रुपये प्रतिवर्ष तक बढ़ जाएगी, क्योंकि इसमें किराया खर्च नहीं करना होगा।
- एक वर्ष में खुंभी (मशरूम) की खेती जलवायु के मापदंडों के कारण शीतकाल में अधिकांशत: 200 दिन के लिए की जाएगी और इसकी तीन उपज ली जाएंगी। हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर जैसे राज्यों में जलवायु की स्थितियों के कारण वर्ष भर इसकी खेती करना संभव है।
- तकनीकी प्रशिक्षण और सहायता निम्नलिखित संस्थानों से ली जा सकती है;

(क) राष्ट्रीय अनुसंधान एवं प्रशिक्षण केंद्र, चंबाघाट, सोलन (हिमाचल) प्रदेश
(ख) क्षेत्रीय अनुसंधान प्रयोगशाला, जोरहाट, असम
(ग) क्षेत्रीय अनुसंधान प्रयोगशाला, जम्मू
(घ) केंद्रीय खाद्य प्रोद्योगिकी अनुसंधान संस्थान, चेलुवंबा हवेली मैसूर

- संयंत्र और मशीनरी की लागत का हिसाब अच्छी सेवा नेटवर्क वाले स्तरीय / प्रतिष्ठित आपूर्तिकर्ताओं द्वारा विनिर्मित उत्पादों के आधार पर लगाया गया है। इस बात को प्राथमिकता दी जाए कि आपूर्तिकर्ता स्थानीय क्षेत्रों या निकटवर्ती राज्यों के हों।
- इस बात को प्राथमिकता दी जानी चाहिए कि कच्चा माल स्थानीय क्षेत्रों / निकटवर्ती
- राज्यों से खरीदा जाए।
- ऐसा माना जाता है कि इन उत्पादों की परियोजना क्षेत्र में अच्छी मांग होती है।
- परियोजना की लागत अलग-अलग राज्यों और क्षेत्रों में अलग-अलग हो सकती है।

6. औषधीय और सुगंधित पादप

1. प्रस्तावना :

पारंपरिक रूप से जड़ी-बूटियां जंगल से एकत्र की जाती थीं, लेकिन वर्तमान में आयुर्वेदिक औषधियों में वाणिज्यिक उपयोग के लिए इनकी खेती की जा रही है। ये पादप कम उपजाऊ मृदा और बंजर भूमि में भी उगाई जा सकती है।

2. बाजार की संभावनाएं :

जड़ी बूटियों और आयुर्वेदिक उत्पादों की व्यापक मांग होती रही है, क्योंकि इनके कोई अनुसंगी प्रभाव नहीं हैं और इनसे कई रोगों का पूरा उपचार संभव है। सर्पगंधा, अश्वगंधा, पुदीना (मिंट), लेमन ग्रास, सफेद मूसली आदि कुछ औषधीय और सुगंधित पादपों की बड़ी मांग है। अश्वगंधा का उपयोग जोड़ों के दर्द, अस्थमा और गठिया की औषधि तैयार करने में किया जाता है। इसका उपयोग सामान्य कमजोरी को दूर करने के लिए किया जाता है। सर्पगंधा का उपयोग रक्त-दाब और आंतों की बीमारियों को नियंत्रित करने में किया जाता है। चिरैता, रक्त की शुद्धि करने के लिए उपयोगी होता है। लेमन ग्रास और पुदीना (मिंट) में औषधीय और सुगंधित गुण दोनों हैं।

3. तकनीकी विवरण :

(क) क्षमता :

परियोजना की क्षमता का अनुमान 2500 किलोग्राम अश्वगंधास की जड़ें प्रतिवर्ष लगाया गया है।

(ख) पादप का विवरण और जलवायु की स्थिति :

अश्वगंधा 1.5 मीटर की ऊंचाई तक बढ़ता है, इसका पुष्प 1 सेंटीमीटर लंबा होता है और इसके फल का व्यास 6 सेंटीमीटर होता है। अश्वगंधा की खेती रेतीली मिट्टी में और चिकनी मिट्टी तथा कम उपजाऊ मिट्टी में भी की जाती है। इसकी खेती वर्षा के मौसम में की जाती है।

(ग) खेती की प्रक्रिया :

अश्वगंधा की खेती पौधों के रोपण या बीज बोकर की जाती है। पौधों को पौधालयों में तैयार किया जा सकता है और उनका रोपण किया जा सकता है। बीज से पौधे उगाकर भी इसका रोपण किया जा सकता है।

आमतौर पर इसके लिए खेत मई माह में तैयार किया जाता है। मिश्रित खाद और गाय का गोबर मृदा में डाला जाता है। पौधों का रोपण बरसात के आरंभ में किया जाता है। एकबार प्रतिरोपण किए जाने पर मानसून के बाद इनके पौधों की जड़ों में नियमित रूप से पानी दिया जाता है।

4. संयत्र और मशीनरी का विवरण :

क्रम संख्या	मद	मात्रा	मूल्य (रुपयों में)
1.	सब्बल, फावड़ा, टोकरी आदि जैसे कृषि उपकरण	1 मुश्त	25,000.00
2.	पानी की आपूर्ति की व्यवस्था	1 मुश्त	30,000.00
		जोड़	55,000.00

5. सिंचाई के लिए बिजली :

क्रम संख्या	मद	कुल कीमत (रुपयों में)

1.	बिजली (5 एचपी x 0.75 x 8 घंटे x 150 दिन x 3.50 रुपये प्रति यूनिट)	15,750.00

6. जन-शक्ति :

क्रम संख्या	श्रेणी	संख्या	वेतन (रुपये)	कुल वार्षिक वेतन (रुपयों में)
1.	अकुशल (अतिरिक्त अंशकालिक)	01	1500	18,000.00
2.	आवश्यकता के आधार पर अकुशल (नैमित्तक)	04	एक वर्ष में 50 दिन के लिए 75 रुपये प्रति दिन	15,000.00
			जोड़	33,000.00

7. कच्चे माल की आवश्यकता (प्रतिवर्ष) :

क्रम संख्या	मद	मात्रा	दर (रुपयों में)	वार्षिक मूल्य (रुपयों में)
1.	बीज	100 किलोग्राम	125 प्रति किलोग्राम	12,500.00
2.	उर्वरक और अन्य उपभोज्य सामग्री	-	एलएस	10,000.00
3.	कीटनाशक	-	एलएस	1,500.00
			जोड़	24,000.00

8. कार्यचालन पूंजी (पूर्ण क्षमता का उपयोग करने पर) :

क्रम संख्या	मद	अवधि	रकम (रुपयों में)
1.	कच्चा माल	2 माह	4,000.00
2.	आवश्यक मदें	एक माह	1,500.00
3.	जन-शक्ति	एक माह	2,750.00
4.	किराया और विविध व्यय	-	1,750.00
		जोड़	10,000.00

9. परियोजना की लागत :

क्रम संख्या	मद	कुल लागत (रुपयों में)
1.	भूमि	अपने स्वामित्व की / पट्टे पर
2.	संयंत्र और मशीनरी	55,000.00
3.	विविध स्थायी परिसंपत्तियां	2,500.00
4.	प्रारंभिक और प्रचालन पूर्व व्यय	2,500.00
5.	कार्यचालन पूंजी	10,000.00
	जोड़	70,000.00

10 . वित्त-व्यवस्था के साधन :

क्रम संख्या	मद	कुल लागत (रुपयों में)	प्रतिशतता
1.	प्रमोटर का अंशदान	2,000.00	2.86
2.	मियादी ऋण- एनएसटीएफडीसी	60,000.00	85.71
3.	एससीए-मियादी ऋण/ सब्सिडी	8,000.00	11.43

	जोड़	70,000.00	100.00

टिप्पणी : राज्य चैनेलाइजिंग एजेंसियां अपने निगम के मानदंडों के अनुसार लाभार्थी (लाभार्थियों) को सब्सिडी मुहैया कराने की व्यवस्था करेंगी। इसके अलावा एससीए भी अन्य केंद्रीय प्रायोजित योजनाओं से प्रोत्साहन / सब्सिडी उपलब्ध कराने के लिए प्रयास करेंगे।

11. परियोजना का अर्थशास्त्र (वार्षिक) :

क्रम संख्या	मद	रकम (रुपयों में)
क.	बिक्री से प्राप्त आय : औसत 80 रुपये प्रति किलोग्राम की दर से 2000 किलोग्राम	1,60000.00
ख.	उत्पादन की लागत	
(i)	कच्चा माल	24,000.00
(ii)	वेतन और मजदूरी	33,000.00
(iii)	बिजली	15,750.00
(iv)	मरम्मत और अनुरक्षण	3,000.00
(v)	पट्टा / किराया	5,000.00
(vi)	ब्याज	4,080.00
(vii)	लाभार्थी के लिए आहार भत्ता	24,000.00
(viii)	विविध व्यय	2,000.00
(ix)	जोड़	1,10,830.00
(x)	अर्थात्	1,11,000.00
ग.	नकद लाभ (क-ख)	49,000.00
घ.	मूल्यह्रास / व्यय का परिशोधन	6,000.00
ड.	निवल लाभ	43,000.00

12.संभाव्यता संकेतक :

क्रम संख्या	ब्योरे	रकम (रुपयों में)
1.	वापसी प्रतिवर्ष (अवधि – 5 वर्ष)	13,600.00
2.	ऋण की चुकौती संबंधी अनुपात	3.00 प्रतिशत
3.	निवेश पर प्राप्ति (आरओआई)	61 प्रतिशत

टिप्पणी : (i) उत्पादन में परिवर्तन जलवायु तथा मृदा की स्थितियों के अनुसार होता है और खेती की विधि का भी यूनिट की लाभकारिता पर प्रभाव पड़ सकता है।

(ii) अपने स्वामित्व की भूमि के यूनिट के मामले में आय **5,000** रुपये तक

और बढ़ जाएगी।

13. लाभार्थियों के लिए ब्याज, ऋण-स्थगन और वापसी अवधि

(क) ब्याज : मियादी ऋण पर 6 प्रतिशत प्रतिवर्ष

(ख) ऋण-स्थगन अवधि : एससीए द्वारा निधियां जारी किए जाने की तारीख से 9 माह

(ग) वापसी अवधि : 5 वर्ष, जिसमें ऋण-स्थगन अवधि शामिल नहीं है।

14. सामान्य अभ्युक्तियां :

- संयंत्र और मशीनरी की लागत का हिसाब अच्छी सेवा नेटवर्क वाले स्तरीय / प्रतिष्ठित आपूर्तिकर्ताओं द्वारा विनिर्मित मदों के आधार पर लगाया गया है। इस बात को प्राथमिकता दी जाए कि आपूर्तिकर्ता स्थानीय क्षेत्रों या निकटवर्ती राज्यों के हों।
- परियोजना की लागत अलग-अलग राज्यों और क्षेत्रों में अलग-अलग हो सकती है।
- ऐसा माना जाता है कि इन उत्पादों / सेवाओं की अच्छी मांग है और लाभार्थियों को संगत क्षेत्रों का अनुभव है।

7. सुअर पालन

1. प्रस्तावना :

सुअर पालन भारत में एक ऐसा पारंपरिक कार्य है, जो ग्रामीण लोगों द्वारा किया जाता है। पशुधन संबंधी विभिन्न क्रियाकलापों में सुअर पालन मांस उत्पादन का सबसे प्रभावी तरीका है, जिसमें रसोईघर (किचन) के कचड़े, सब्जियों के कचड़े आदि का उपयोग किया जाता है। हालांकि शुरू में स्थानीय नस्लें पाली जाती रही हैं, लेकिन आजकल विदेशी सुअर की नस्ल लोकप्रिय है और इसके मांस को व्यापक रूप से पसंद किया जाता है। इसके अलावा सुअर पालन के लिए भवन और उपस्करों पर बहुत कम निवेश करने की जरूरत होती है।

2. बाजार की संभावनाएं :

वर्ष 1992 की पशुधन गणना के अनुसार भारत में सुअरों की संख्या 12.79 मिलियन थी और राज्यों द्वारा की गई 1997 की अंतिम गणना के अनुसार यह 13.291 मिलियन है, जो विश्व की कुल संख्या का लगभग 1.30 प्रतिशत है। हालांकि सुअर-उत्पादों के लिए बहुत बड़ा निर्यात बाजार है, लेकिन इसमें भारत का योगदान बहुत कम है। क्योंकि पाश्चात्य देशों में इसके मांस को खाना पसंद किया जाता है, इसलिए सुअर / सुअर के मांस के उत्पादों के लिए एक सशक्त निर्यात बाजार है, बशर्ते कि सुअर अच्छी नस्ल के हों और इसके उत्पाद को साफ / विसंक्रमित स्थितियों में रखा जाता हो।

3. तकनीकी विवरण :

- एक नर सुअर के लिए 70 वर्गफीट स्थान और दूध देने वाली मादा सुअर (सुअरिनी) और उसके बच्चों के लिए 100 वर्गफीट स्थान की आवश्यकता होती है।
- 8-9 माह की उम्र का नर सुअर बच्चे पैदा कर सकता है और सुअरिनी वर्ष में दो बार बच्चों को जन्म देती है और एक सुअरिनी से जितने बच्चे जन्म लेते हैं उनके संबंध में मृत्यु दर का हिसाब लगाने के बाद 7 बच्चे बचे रह जाते हैं।
- सुअरिनी और सुअर का अनुपात 10:1 बनाये रखना आवश्यक है।
- सुअरों को रसोईघर (किचन) का कचरा और संकेंद्रित आहार दोनों खिलाया जा सकता है। कुल आहार में संकेंद्रित आहार 30 प्रतिशत तक होता है और रसोईघर (किचन) का कचरा 70 प्रतिशत होता है।

परियोजना प्रोफाइल

क्रम संख्या	ब्योरे	रकम (रुपयों में)
(i) (क)	(i) आहार : 3 किलोग्राम प्रति सुअर प्रतिदिन के हिसाब से (दो सुअरों के लिए) और 3.5 किलोग्राम प्रति सुअरिनी प्रतिदिन (20 सुअरिनियों के हिसाब से) : 150 दिन के लिए = 11,400 किलोग्राम	5985.00
	(ii)0.75 रुपये प्रति किलोग्राम रसोईघर (किचन) का कचरा (कुल आहार 70 प्रतिशत) : 7980 किलोग्राम	20,520.00
	(iii) संकेंद्रित आहार : (कुल आहार का 30 प्रतिशत) 6.00 रुपये प्रति किलोग्राम : 3420 किलोग्राम	
(ख)	बच्चे वाली सुअरिनी का आहार 6 किलोग्राम प्रतिदिन, जिसमें से 0.2 किलोग्राम प्रति बच्चा प्रतिदिन की दर से : 60 दिन के लिए 120 बच्चों के लिए	8,640.00
(ग)	पहले बैच में 60 दिन में 60 सुअर के बच्चों के लिए उन्हें मोटा-ताजा बनाने की लागत 1.5 किलोग्राम प्रति बच्चा : 5400 किलोग्राम	
	कुल आहार 5400 किलोग्राम	
	70 प्रतिशत की दर से किचन का कचरा : 0.75 रुपये प्रति किलोग्राम की दर से 3780 किलोग्राम	2,835.00
	30 प्रतिशत की दर से संक्रेंद्रित आहार : 6 रुपये प्रति किलोग्राम की दर से 1620 किलोग्राम	9720.00
(ii)	पशु-चिकित्सा व्यय / दवाइयां / पूरक आहार आदि	1,500.00
(iii)	विविध और विपणन व्यय	2,300.00
	जोड़	51,500.00

- आवास प्रबंधन : अच्छी हवादार और थोड़े ऊंचे धरातल का उपयोग किया जाता है।
- जन्म देने वाले पशुधन का चयन : ऐसी संकर नस्ल या विदेशी सुअर खरीदा जाए, जो तत्काल बच्चे देने वाला हो। जिन सुअरों में अधिक बच्चे देने की प्रवृत्ति हो, उन्हें खरीदा जाए। खरीद के बाद पशुओं को तत्काल टीका लगवाया जाए।
- आहार प्रबंधन : गैर-पारंपरिक आहार संसाधनों का उपयोग किया जाए यथा रसोईघर (किचन) / होटलों का कचरा ताकि लागत को कम किया जा सके।

- प्रजनन के समय देखभाल : सुअर स्वभाव से अधिक बच्चे देते हैं और वर्ष में दो बार प्रजनन करवाने की योजना बनाई जाए।

4. कार्यचालन पूंजी की आवश्यकता :

- पशुओं को 70 : 30 के अनुपात में रसोईघर (किचन) का कचरा और संकेंद्रित आहार खिलाया जाए।
- बच्चा देने वाले सुअरों के लिए 150 दिन के आहार का हिसाब लगाया गया है, दूध पीना छोड़ने वाले और मोटे सुअरों के लिए 60 दिन का हिसाब लगाया गया है।
- शेष अवधि के लिए मोटे सुअरों के आहार की व्यवस्था आंतरिक संसाधनों से की जाएगी।

5. परियोजना लागत :

- यूनिट का अधिकतम आकार 120 मोटे-ताजे सुअर हैं। तद्नुसार परियोजना की लागत का हिसाब इस प्रकार लगाया गया है :

क्रम संख्या	ब्योरे	रकम (रुपयों में)
1.	भूमि और भवन	अपने स्वामित्व की
2.	पशुओं की लागत नर सुअर (सुअर) – 2500 रुपये प्रति पशु की दर से 2 पशु मादा सुअर (सुअरिनी)-1800 रुपये प्रति पशु की दर से 20 पशु	41,000.00
3.	विविध स्थायी परिसंपत्तियां	2,500.00
4.	आरंभिक और प्रचालन पूर्व व्यय, जिसमें बीमा, लागत वृद्धि, आकस्मिक व्यय आदि भी शामिल हैं।	5,000.00
5.	कार्यचालन पूंजी	51,500.00
	जोड़	1,00,000.00

6. वित्त-व्यवस्था के साधन :

क्रम संख्या	ब्योरे	रकम (रुपयों में)	प्रतिशतता
1.	प्रमोटर का अंशदान	2,000.00	2.00
2.	सीमांत धनराशि का ऋण/ सब्सिडी-एससीए	18,000.00	18.00
3.	एनएसटीएफडीसी - मियादी ऋण	80,000.00	80.00
	जोड़	1,00,000.00	100.00

टिप्पणी : राज्य चैनेलाइजिंग एजेंसियां अपने निगम के मानदंडों के अनुसार लाभार्थी (लाभार्थियों) को सब्सिडी मुहैया कराने की व्यवस्था करेंगी। इसके अलावा एससीए भी अन्य केंद्रीय प्रायोजित योजनाओं से प्रोत्साहन / सब्सिडी उपलब्ध कराने के लिए प्रयास करेंगे।

7. परियोजना का अर्थशास्त्र और पूर्वानुमान :

क. बिक्री से प्राप्त आय: प्रतिवर्ष प्रति यूनिट

मोटे-ताजे सुअरों की बिक्री : 120 X 1200 = 1,44,000.00 2,40,000.00

वयस्क सुअरों की बिक्री : 120 X 800 = 96,000.00

जोड़ = 2,40,000.00

ख. उत्पादन की लागत :

क्रम संख्या	ब्योरे	प्रति वर्ष प्रति यूनिट रकम (रुपयों में)
(i) (क)	आहार : 30 प्रतिशत रसोईघर (किचन) के कचरे की दर से 365 दिनों के लिए 3.0 प्रति किलोग्राम प्रति सुअर और 3.5 किलोग्राम प्रति सुअरिनी (0.75 रुपये प्रति किलोग्राम की दर से) और 30 प्रतिशत संकेंद्रित आहार (6.00 रुपये प्रति कि लोग्राम की दर से) = 64,495.50	65,000.00
(ख)	बच्चे वाली सुअरिनी के आहार की लागत : 60 दिन के लिए 240 बच्चों के लिए 0.2 किलोग्राम प्रति बच्चा प्रतिदिन की दर से 6 किलोग्राम प्रतिदिन = 17,280.00 रुपये	17,300.00
(ग)	सुअरों को मोटा -ताजा करने की लागत (बच्चों के दो बैचों के लिए) 120 बच्चों के लिए 60 दिन तक 1.5 किलोग्राम प्रति बच्चा : 10800 किलोग्राम (किचन का कचरा 70 प्रतिशत और संक्रेंद्रित आहार 30 प्रतिशत)	25,100.00
(ii)	पशु-चिकित्सा व्यय	2,500.00
(iii)	बीमा	2,500.00
(iv)	पानी, विविध व्यय, मरम्मत और ढुलाई व्यय आदि 700 रुपये प्रतिमाह की दर से	8,400.00
(v)	ब्याज	6,000.00
(vi)	मूल्यह्रास / व्यय का परिशोधन 10 प्रतिशत प्रतिवर्ष की दर से	4,900.00
(vii)	वेतन और भत्ते 2 व्यक्ति (अंशकालिक) X 1250 रुपये	30,000.00
(viii)	लाभार्थी के लिए आहार भत्ता	24,000.00

	जोड़	1,85,700.00
ग.	निवल लाभ	54,300.00
घ.	नकद लाभ	59,200.00

8. संभाव्यता संकेतक :

क्रम संख्या	ब्योरे	रकम (रुपयों में)
1.	वापसी प्रतिवर्ष (अवधि – 5 वर्ष)	19,600.00
2.	निवेश पर प्राप्ति (आरओआई)	54 प्रतिशत
3.	ऋण की चुकौती संबंधी अनुपात	2.55 प्रतिशत

9. लाभार्थियों के लिए ब्याज, ऋण-स्थगन और वापसी अवधि

(क) ब्याज : एनएसटीएफडीसी के मियादी ऋण पर 6 प्रतिशत प्रतिवर्ष

(ख) ऋण-स्थगन अवधि : एससीए द्वारा अंतिम किस्त जारी किए जाने की तारीख से 9 माह

(घ) वापसी अवधि : 9 माह की ऋण-स्थगन अवधि के बाद 5 वर्ष की अवधि में तिमाही किस्तों में।

10. सामान्य अभ्युक्तियां :

- परियोजना की लागत अलग-अलग राज्यों और क्षेत्रों में अलग-अलग हो सकती है।
- ऐसा माना जाता है कि इन उत्पादों / सेवाओं की अच्छी मांग है और लाभार्थियों को संगत क्षेत्रों का अनुभव है।

8. मुर्गी-पालन (लेयर फार्मिंग)

1. प्रस्तावना :

मुर्गी का मांस और अंडे मनुष्य के आहार को संतुलित बनाने के लिए उच्च गुणवत्ता वाले प्रोटीनों, खनिजों और विटामिनों के महत्वपूर्ण स्रोत होते हैं। विशेषत: आहार के लिए अंडे देने वाली मुर्गियां अब उपलब्ध होती हैं, जिनमें संवृद्धि दर और उच्च आहार परिवर्तन की दक्षता होती है। फार्म के आकार के आधार पर मुर्गी-पालन परिवार की आय का मुख्य स्रोत या अनुषंगी आय तथा रोजगार का स्रोत हो सकता है।

2. बाजार की संभावना :

देश ने अंडों के उत्पादन में बहुत प्रगति की है। मुर्गियों की संख्या वर्ष 1961 में 35 मिलियन थी, जो वर्ष 1996 में बढ़कर 122 मिलियन हो गई है। वर्ष 1961 और वर्ष 2001 के बीच अंडों का उत्पादन 2340 मिलियन से बढ़कर 31,500 मिलियन हो गया है। इस समय विश्व में अंडों के उत्पादन में भारत का स्थान पांचवा है, लेकिन अंडों के उत्पादन में वृद्धि की अभी भी संभावना है। अंडों की प्रतिव्यक्ति उपलब्धता 33 है, जबकि आईसीएमआर की सिफारिशों के अनुसार यह 182 अंडे प्रति व्यक्ति होनी चाहिए। अंडों के उत्पादन में वृद्धि की संभावना वर्तमान स्तर से लगभग 6 गुनी है।

3. तकनीकी विवरण :

इस परियोजना की क्षमता अंडे देने वाली 1500 मुर्गियां निर्धारित की गई हैं। अंडों से बच्चे निकलने तथा उनके विकास की अवधि 20 सप्ताह मानी गई है और अंडे देने की अवधि 52 सप्ताह मानी गई है। 500 मुर्गियों के तीन बैच एक वर्ष में पाले जाएंगे। अन्य तकनीकी विवरणों का पूर्वानुमान इस प्रकार लगाया गया है।

(क) प्रति मुर्गी स्थान की आवश्यकता :

अंडों से बच्चे निकलने तथा उनके विकास की अवधि के लिए : एक वर्ग फुट
अंडा देने की अवधि के लिए : 0.8 वर्ग फुट

परियोजना प्रोफाइल

तदनुसार स्थान की कुल आवश्यकता और लागत इस प्रकार है **:**

क्रम संख्या	बाड़े (शेड)	संख्या	स्थान की आवश्यकता	स्थान की कुल आवश्यकता	दर प्रति वर्ग फुट	कुल लागत (रुपयों में)
1.	अंडों से बच्चे निकलने तथा विकास के लिए बाड़ा (शेड)	0.1	1 वर्ग फुट प्रति मुर्गी	515 वर्ग फुट (515 मुर्गियों के लिए)	100	51,500.00
2.	अंडे देने के लिए बाड़ा (शेड)	0.3	0.8 वर्ग फुट प्रति मुर्गी	1200 वर्गफुट (1500 मुर्गियों के लिए)	100	1,20,000.00
					जोड़	1,71,500.00

(ख) अन्य पूर्वानुमान :

- स्वच्छ आहार और साफ अप्रदूषित पानी स्वस्थ मुर्गियों के लिए अनिवार्य है।

- मुर्गियों का उचित अंतराल में टीकाकरण करना होता है।
- कीमती मुर्गियों की नियमित रूप से अच्छी देखभाल होनी चाहिए, ताकि अंडों के उत्पादन पर प्रतिकूल प्रभाव न पड़े।
- पालतू मुर्गियों में चूहे रोग फैलाते हैं, इसलिए मुर्गी फार्म के आस-पास चूहों को मार देना चाहिए / समाप्त कर देना चाहिए।
- चूजों को प्रतिष्ठित चूजाघरों से खरीदा जाना चाहिए। ऐसे चूजों को खरीदा जाता है जिन्हें जन्मे एकदिन हुआ हो और चूजों की मृत्यु दर के कारण 2-3 प्रतिशत अतिरिक्त चूजे खरीदे जाते हैं।

4. जन-शक्ति की आवश्यकता **:**

क्रम संख्या	श्रेणी	संख्या	वेतन प्रति व्यक्ति (रुपये प्रतिमाह)	जोड़ (रुपयों में)
1.	कुशल / अकुशल व्यक्ति	2	2,000.00	4,000.00
			जोड़	4,000.00

5. आहार की आवश्यकता प्रति बैच (500 मुर्गियां) :

क्रम संख्या	मद	मात्रा	दर	मूल्य (रुपये)
1.	बढ़ते हुए बच्चों के लिए 20 सप्ताह का आहार : 500 बच्चे X 6 किलोग्राम प्रति बच्चा	300 किलोग्राम	6.0 प्रति किलोग्राम	18,000.00
2.	अंडे देने वाली मुर्गियों के लिए 52 सप्ताह का आहार : 500 मुर्गियां X 21 किलोग्राम	10,500 किलोग्राम	6.0 प्रति किलोग्राम	63,000.00
	जोड़			81,000.00

6. कार्यचालन पूंजी की आवश्यकता :

क्रम संख्या	मद	अवधि	रकम (रुपयों में)
1.	कच्चा माल	दो बैचों की विकास अवस्था तक	36,000.00
	अंडे देने वाली मुर्गी का भोजन	अंडे देने वाली मुर्गी का भोजन एक बैच के लिए 25 प्रतिशत की दर से	15,750
2.	वेतन और मजदूरी	एक माह	4,000.00
3.	पानी, विपणन और विविध व्यय	प्रतिमाह	2,500.00
		जोड़	58,250.00
		अर्थात्	58,000.00

7. परियोजना लागत :

क्रम संख्या	मद	कुल लागत (रुपयों में)
1.	भूमि और स्थल का विकास-एलएस	25,000.00
2.	भवन (क) अंडों से बच्चे निकलने और उनके लिए विकास बाड़ा (515 वर्ग फुट X 100 रुपये प्रति वर्गफुट) (ख) अंडे देने के लिए बाड़ा (1200 वर्ग फुट X 100 रुपये प्रति वर्ग फुट) (ग) आहार के लिए गोदाम (100 रुपये वर्ग फुट X 200 रुपये प्रति वर्ग फुट)	41,000.00 51,500.00 1,20,000.00 20,000.00
3.	पानी की आपूर्ति (कच्चा कुंआ और पाइप लाइन) एलएस	20,000.00
4.	निम्नलिखित के लिए विविध उपस्कर : (i) मुर्गियों और बड़े बच्चों के लिए : 500 मुर्गियों के लिए 7 रुपये प्रति मुर्गी की दर से (ii) अंडे देने वाली मुर्गी के लिए : 1500 मुर्गियों के लिए 20 रुपये प्रति मुर्गी की दर से	3,500.00 30,000.00
5.	मुर्गी की लागत : 15.00 रुपये X 15,50 मुर्गियां (3 प्रतिशत मृत्यु दर)	23,250.00
6.	कार्यान्वयन के दौरान बीमा / पशु-चिकित्सा / ब्याज और लागत वृद्धि आदि	28,750.00
7.	कार्यचालन पूंजी	58,000.00
	जोड़	3,80,000.00

8. वित्त-व्यवस्था के साधन :

क्रम संख्या	ब्योरे	कुल लागत (रुपयों में)	प्रतिशतता
1.	प्रमोटर का अंशदान	12,000.00	3.16
2.	एनएसटीएफडीसी - मियादी ऋण	3,30,000.00	86.84
3.	एससीए-मियादी ऋण/ सब्सिडी	38,000.00	10.00
	जोड़	3,80,000.00	100.00

टिप्पणी : राज्य चैनेलाइजिंग एजेंसियां अपने निगम के मानदंडों के अनुसार लाभार्थी (लाभार्थियों) को सब्सिडी मुहैया कराने की व्यवस्था करेंगी। इसके अलावा एससीए भी अन्य केंद्रीय प्रायोजित योजनाओं से प्रोत्साहन / सब्सिडी उपलब्ध कराने के लिए प्रयास करेंगे।

9. परियोजना का अर्थशास्त्र :

क्रम संख्या	मद	रकम (रुपयों में)
क.	बिक्री से प्राप्त आय :	
(क)	अंडों की बिक्री 1500 मुर्गियां X 270 दिन औसत प्रति अंडा प्रति मुर्गी X 1.25 रुपये	5,06,250.00
(ख)	खाद और बोरयों की बिक्री	16,000.00
(ग)	अच्छी किस्म की मुर्गियों की बिक्री : 300 मुर्गियां X 50 रुपये	15,000.00
	जोड़	5,37,250.00
ख.	उत्पादन की लागत :	
(क)	मुर्गियों की लागत	23,250.00
(ख)	आहार की लागत	2,43,000.00
(ग)	वेतन और मजदूरी	48,000.00
(घ)	बीमा और पशु-चिकित्सा व्यय	10,000.00
(ड.)	ब्याज	22,080.00
(च)	आहार भत्ता : 2000 रुपये प्रतिमाह की दर से	24,000.00
(छ)	विपणन और विविध व्यय	30,000.00
	जोड़	4,00330.00
ग.	नकद लाभ	1,36,920.00
घ.	मूल्यह्रास / व्यय का परिशोधन	30,000.00
ड.	निवल लाभ	1,06,920.00

10. संभाव्यता संकेतक :

क्रम संख्या	ब्योरे	रकम (रुपयों में)
1.	वापसी प्रतिवर्ष (अवधि – 5 वर्ष)	73,600.00
2.	निवेश पर प्राप्ति (आरओआई)	28.14 प्रतिशत
3.	ऋण की चुकौती संबंधी अनुपात	1.66 प्रतिशत

परियोजना प्रोफाइल

यह अर्थशास्त्र दूसरे वर्ष के बाद से शुरू किए जाने वाले पूरे स्तर पर प्रचालन पर आधारित है। यह परियोजना तकनीकी – आर्थिक रूप से व्यवहार्य है। मुर्गियों की समुचित देखभाल को मुख्य कारक के रूप में ध्यान में रखा जाता है। इसमें स्वस्थ वातावरण और चिकित्सा देखभाल भी शामिल है। भारत में मुर्गी पालन के विकास की काफी संभावना है। बड़े स्तर

पर मुर्गी पालन के विकास का परीक्षण थाईलैंड जैसे देशों में काफी सफल रहा है और इसी प्रकार की सफलता अब भारत में भी दिखाई दे रही है।

11. परियोजना के लिए लगाया गया पूर्वानुमान / अर्थशास्त्र :

1.	अंडों की संख्या प्रति मुर्गी प्रतिवर्ष	270
2.	ऐसी मुर्गियों की संख्या, जिनकी प्रतिवर्ष अच्छी	20 प्रतिशत

	नस्ल तैयार की जानी है।	
3.	अंडों की कीमत	1.25 रुपये प्रति अंडा
4.	अच्छी मुर्गियों की कीमत	50 रुपये प्रति मुर्गी

12. लाभार्थियों के लिए ब्याज, ऋण-स्थगन और वापसी अवधि

(क) ब्याज : एनएसटीएफडीसी के मियादी ऋण पर 6 प्रतिशत प्रतिवर्ष

(ख) ऋण-स्थगन अवधि : एससीए द्वारा निधि जारी किए जाने की तारीख से 9 माह

(ग) वापसी अवधि : 5 वर्ष, जिसमें ऋण-स्थगन अवधि शामिल नहीं है।

13. सामान्य अभ्युक्तियां :

- परियोजना की लागत अलग-अलग राज्यों और क्षेत्रों में अलग-अलग हो सकती है।
- ऐसा माना जाता है कि इन उत्पादों / सेवाओं की अच्छी मांग है और लाभार्थियों को संगत क्षेत्रों का अनुभव है।

9. भेड़-पालन

1. प्रस्तावना :

भेड़ का ग्रामीण अर्थव्यवस्था में बहुत महत्वपूर्ण स्थान है, क्योंकि उनसे ऊन, मांस, दूध और चमड़ा मिलता है। उन्हें भारत के सभी राज्यों में पाला जाता है, लेकिन शुष्क, अर्ध शुष्क और पहाड़ी क्षेत्रों में उन्हें पालना बहुत उपयुक्त होता है। यह कम आय वर्ग विशेषत: गड़ेरियों के लिए आय का एक स्रोत है। भेड़ों को रखने के लिए किसी भवन की आवश्यकता नहीं होती है। वे विभिन्न प्रकार के पौधों को खाते हैं और सस्ते में ही घास को मांस में बदलते हैं। भेड़ का मांस इस प्रकार का मांस है, जिसके संबंध में कोई धार्मिक पूर्वाग्रह नहीं है। ऊन और मांस के स्रोत के अलावा भेड़ खाद के भी स्रोत हैं।

राज्यों में से सबसे अधिक भेड़ें राजस्थान में हैं और जम्मू-कश्मीर में संकर नस्ल की भेड़ें सबसे अधिक हैं।

2. बाजार की संभावना :

वर्ष 1992 की गणना के अनुसार देश में इस समय 50 मिलियन भेड़ें हैं। भारत में ऊन का उत्पादन 44 मिलियन किलोग्राम है और वर्ष 1994-95 में ऊन के उत्पादों के निर्यात से 2,577 करोड़ रुपये की आय हुई है। इसके मांस का निर्यात कृषि के निर्यात का 8 प्रतिशत है और इसके संसाधित खाद्य उत्पादों का भी निर्यात किया जाता है। मांस के अलावा जीवित भेड़ और उसका चमड़े तथा चमड़े के उत्पादों का भी निर्यात किया जाता है।

3. तकनीकी विवरण :

(क) परियोजना की क्षमता **:**

(ख) इस परियोजना में 200 मादा भेड़ और 10 मेढ़े (नर भेड़) होते हैं।

(ग) पूर्वानुमान :

- मेमनों (भेड़ के बच्चों) के जन्म का अंतराल 12 माह होता है और प्रजनन-क्रिया के पहले वर्ष के दौरान मेमनों की प्रतिशतता 70 है, जिनका लैंगिक अनुपात 50 : 50 है।

- मेमनों का कुल उत्पादन 140 माना गया है, जिनमें से मृत्यु दर लगभग 5 प्रतिशत है। पारंपरिक रूप से कुल मेमनों का उत्पादन 130 है। मादा भेड़ों को रख लिया जाता है और मेढ़ों (नर भेड़ों) को 8-9 माह का होने पर बेच दिया जाता है।
- ऊन को वर्ष में 2 बार काटा जाता है।

<u>ऊन का उत्पादन इस प्रकार होता है :</u>
वयस्क भेड़ : 1.2 किलोग्राम प्रति भेड़
मेमना : 0.6 किलोग्राम प्रति मेमना

4. वर्ष में एक बार कार्यचालन पूंजी (30 दिन के लिए) :

क्रम संख्या	मद	विवरण	जोड़ (रुपयों में)
1.	दुग्ध-काल के दौरान संक्रेंद्रित आहार	210 X 0.25 किलोग्राम प्रतिदिन X 30 दिन : 4.00 रुपये प्रति किलोग्राम की दर से एलएस	6,300.00
2.	विविध व्यय	-	200.00
		जोड़	6,500.00

टिप्पणी : भोन का मुख्य स्रोत स्वयं चरना है। दुग्ध-काल में संक्रेंदित आहार की भी व्यवस्था की जाती है।

5. परियोजना की लागत :

क्रम संख्या	मद	रकम (रुपयों में)
1.	भूमि	अपने स्वामित्व की
2.	स्थल का विकास, बाड़ा और छप्पर तैयार करना : 500 वर्ग फुट	12,000.00
3.	भेड़ की लागत : (क) 200 भेड़ें X 550 रुपये प्रति भेड़ (ख) 10 मेढ़े X 650 रुपये प्रति मेढ़ा	1,10,000.00 6,500.00
4.	उपस्कर तथा बीमा, पशु-चिकित्सा व्यय, लागत वृद्धि और आकस्मिक व्यय आदि (एलएस)	15,000.00
5.	कार्यचालन पूंजी	6,500.00
	जोड़	1,50,000.00

6. वित्त-व्यवस्था के साधन :

क्रम संख्या	ब्योरे	कुल लागत (रुपयों में)	प्रतिशतता

1.	प्रमोटर का अंशदान	3,000.00	2.00
2.	एनएसटीएफडीसी -मियादी ऋण	1,32,000.00	88.00
3.	एससीए – ऋण / सब्सिडी	15,000.00	10.00
	जोड़	1,50,000.00	100.00

टिप्पणी : राज्य चैनेलाइजिंग एजेंसियां अपने निगम के मानदंडों के अनुसार लाभार्थी (लाभार्थियों) को सब्सिडी मुहैया कराने की व्यवस्था करेंगी। इसके अलावा एससीए भी अन्य केंद्रीय प्रायोजित योजनाओं से प्रोत्साहन / सब्सिडी उपलब्ध कराने के लिए प्रयास करेंगे।

7. परियोजना का अर्थशास्त्र :

क्रम संख्या	मद	प्रति पशु प्रति यूनिट रकम (रुपयों में)
क.	बिक्री से प्राप्त आय :	
(i)	ऊन की बिक्री से -	
	वयस्क भेड़ें : 210 X 1.2 किलोग्राम X 2 चक्र X 60 रुपये प्रति किलोग्राम	30,240.00
	मेमने : 70 X 06 किलोग्राम X 2 चक्र X 60 रुपये प्रति किलोग्राम	5,040.00
(ii)	मेमनों की बिक्री : 100 X 500 रुपये प्रति मेमना	50,000.00
(iii)	अनुप्रमाणन (पेनिंग प्रभार) 200 X 6 माह X 7 रुपये प्रति पशु प्रतिमाह	8,400.00
	जोड़	93,680.00
	अर्थात्	94,000.00
ख.	उत्पादन की लागत :	
(i)	संकेंद्रित आहार :	6,300.00
(ii)	पशु-चिकित्सा व्यय / बीमा : 10 रुपये प्रति पशु की दर से	5,600.00
(iii)	ऊन काटने के प्रभार	1,100.00
(iv)	ब्याज प्रभार	9,000.00
(v)	आहार भत्ता	18,000.00
(vi)	विविध व्यय	1,000.00
	जोड़	41,000.00
ग.	नकद लाभ	53,000.00
घ.	मूल्यह्रास / व्यय का परिशोधन : 10 प्रतिशत की दर से	14,350.00
ड.	निवल लाभ	38,650.00

परियोजना प्रोफाइल

8. संभाव्यता संकेतक :

क्रम संख्या	ब्योरे	रकम (रुपयों में)
1.	वापसी प्रतिवर्ष (अवधि – 6 वर्ष)	24,500.00
2.	ऋण की चुकौती संबंधी अनुपात	1.85 प्रतिशत
3.	निवेश पर प्राप्ति (आरओआई)	25.77 प्रतिशत

9. लाभार्थियों के लिए ब्याज, ऋण-स्थगन और वापसी अवधि

(क) ब्याज : एनएसटीएफडीसी के मियादी ऋण पर 6 प्रतिशत प्रतिवर्ष

(ख) ऋण-स्थगन अवधि : एससीए द्वारा निधि जारी किए जाने की तारीख से 9 माह

(ग) वापसी अवधि : 6 वर्ष, जिसमें ऋण- स्थगन अवधि शामिल नहीं है।

10. निष्कर्ष :

इस प्रकार भेड़ पालन को आर्थिक रूप से व्यवहार्य पाया गया है। यह विशेषत: समाज के पिछड़े वर्गों के लिए सहायक है। परियोजना की लाभकारिता में उस स्थिति में सुधार किया जाएगा, यदि परियोजना से उपलब्ध अन्य प्रासंगिक मदों (यथा भेड़ के चमड़े और भेड़ के दूध की उपलब्धता) की बिक्री से आय को हिसाब में लिया जाए।

टिप्पणी : मजदूरी के आधार पर जन-शक्ति को हिसाब में नहीं लिया गया है, क्योंकि उद्यमी स्वयं और उसके परिवार के सदस्य इस कार्यकलाप की व्यवस्था कर सकते हैं।

11. सामान्य अभ्युक्तियां :

- परियोजना की लागत अलग-अलग राज्यों और क्षेत्रों में अलग-अलग हो सकती है।
- ऐसा माना जाता है कि इन उत्पादों / सेवाओं की अच्छी मांग है और लाभार्थियों को संगत क्षेत्रों का अनुभव है।

10. रेशम - उत्पादन

1. प्रस्तावना :

रेशम कृमि के तंतु रेशम-कृमि (कोष-कृमि) की रेशम ग्रंथि से पैदा होने वाला प्रोटीन है। रेशम उत्पादन की तकनीक को रेशम-कृमि पालन के रूप में जाना जाता है। यह एक कृषि उद्योग है और 65 लाख लोगों को लाभकारी रोजगार प्रदान करके ग्रामीण भारत के रेशम-कृमि पालन पाकेट के आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। एक हेक्टेयर भूमि में शहतूत पैदा करने से लगभग 12 श्रम-वर्ष और 18 से 60 वर्ष तक की उम्र के परिवार के सदस्यों को आहार के पौधों (शहतूत, अरंड आदि) की खेती, रेशम-कृमि का पालन, अंडों का उत्पादन, रेशम की कताई, बुनाई आदि जैसे रेशम उत्पादन संबंधी विभिन्न कार्यकलापों में रोजगार मिल सकता है। भारत, चीन के बाद विश्व में रेशम का दूसरा सबसे बड़ा उत्पादक है और यह सभी चार प्रकार के अर्थात् (क) शहतूत रेशम (91.7 प्रतिशत), (ख) टसर रेशम (1.4 प्रतिशत), (ग) एरी रेशम (6.4 प्रतिशत) और (घ) मुगा रेशम (.5 प्रतिशत) का विशिष्ट उत्पादन करता है, जो रेशम-कृमियों की अलग–अलग प्रजाति द्वारा उत्पादित किया जाता है।

शहतूत रेशम का उत्पादन कर्नाटक, पश्चिम बंगाल और जम्मू-कश्मीर राज्यों में व्यापक रूप से किया जाता है। इसी प्रकार टसर रेशम-कृमियों का पालन मध्य प्रदेश, बिहार और उड़ीसा की जनजातियों

द्वारा पारंपरिक रूप से किया जाता है, मुगा और एरी रेशम का उत्पादन केवल असम में किया जाता है। शहतूत रेशम का उत्पादन करने के लिए रेशम-कृमि का खाद्य पौधा शहतूत है। टसर रेशम का उत्पादन करने के लिए रेशम-कृमि का आहार टर्मिनेलिया, टोमेंटोसा और टर्मिनेलिया अर्जुन है। इसी प्रकार मुगा रेशम का उत्पादन करने के लिए रेशम-कृमि का आहार स्कलु या सोम है और एरी रेशम का उत्पादन करने के लिए रेशम-कृमि का आहार अरंड (रेशीनस कम्युनिस) है।

2. बाजार की संभावना :

रेशम की मांग साड़ियों से कमीजों आदि जैसे वस्त्रों की किस्मों के लिए हमेशा उच्च रही है। प्राकृतिक रेशम को ऐसे कृत्रिम रेशम के साथ प्रतिस्पर्धा करनी पड़ती है, जिसका निर्यात किया जाता है, लेकिन उपभोक्ताओं की पसंद प्राकृतिक रेशम रहा है और कृत्रिम रेशम को प्राकृतिक

रेशम के साथ आसानी से नहीं मिलाया जा सकता है। देशी मांग के साथ-साथ निर्यात की मांग भी बहुत है और भारत का रेशम पूरे विश्व में लोकप्रिय है। रेशम से देश को काफी विदेशी मुद्रा अर्जित होती है। वर्ष 2000-01 के दौरान निर्यात से कुल आय 1,400 करोड़ रुपये से अधिक थी। रेशम बोर्ड निर्यात में रुचि रखने वाले रेशम उत्पादकों को अंतरराष्ट्रीय विपणन में सहायता प्रदान करता है।

3. तकनीकी विवरण :

(क) मृदा और जलवायु :

शहतूत के पौधे को एमएसएल के 4000 फीट से ऊपर तक की मृदा में व्यापक रूप से उगाया जा सकता है। समतल जमीन या हल्की ढालू जमीन या असमतल जमीन से अच्छी फसल पैदा होती है। रेशम-कृमि पालन के लिए आदर्श तापमान 26^0 से. 27^0 से. होता है और नमी की स्थिति 70 प्रतिशत से 90 प्रतिशत तक होती है।

(ख) जमीन तैयार करना और पौधों का रोपण करना :

जमीन की जोताई 35 से 40 सेंटीमीटर गहराई तक की जाती है। मृदा को भलीभांति भुरभुरा किया जाता है और प्रति हेक्टेयर 20 मीटरी टन कंपोस्ट खाद को मृदा में अच्छी तरह मिलाया जाता है। सामान्यतः शहतूत की खेती वर्षा ऋतु के आरंभ में कम से कम 8 माह के शहतूत के पौधों के अच्छी तरह विकसित शाखाओं की दो कलियों को काटने के बाद उनका रोपण करके प्रवर्धित किया जाता है।

(ग) उर्वरक और अंतरा-कृषि का प्रयोग :

शहतूत की वैज्ञानिक खेती रेशम-कृमि पालन की मूलभूत आवश्यकता है। अच्छे पौधों के विकास और पत्तियों की पैदावार के लिए समय पर उर्वरकों का प्रयोग सिंचाई, निराई, गोड़ाई, पौधों के बचाव के उपाय आदि बहुत महत्वपूर्ण होते हैं। उर्वरकों का प्रयोग मृदा परीक्षण के परिणामों और सिंचित जल की उपलब्धता पर निर्भर करता है। लेकिन कुल मिलाकर प्रतिवर्ष प्रत्येक हेक्टेयर में एनपीके का अनुपात 250 : 125 : 125 किलोग्राम प्रयोग में लाया जाता है। पौधों के रोपण के बाद पहली खुराक 2 से 1/ 2 माह में दी जाती है। दूसरी खुराक चौधे माह में दी जाती है और बाद की खुराकें प्रत्येक छंटाई के तत्काल बाद दी जाती हैं।

(घ) छंटाई :

छंटाई यह सुनिश्चित करने के लिए की जाती है कि पौधों का विकास तेजी से हो और अच्छी गुणवत्ता वाली पत्तियां पैदा हों। छंटाई का कार्य तब किया जाता है जब पौधे लगभग दो मीटर बड़े हो जाते हैं और तनों / शाखाओं के नीचे के हिस्से का घेरा कम से कम दो सेंटीमीटर हो जाता है।

(ड.) फसल और उपज **:**

सामान्यत: पत्तियों को पौधों के रोपण के छ: माह बाद चुना जाता है। पहली बार पत्तियों को चुनने के बाद अगली बार पत्तियों को चुनने का कार्य लगभग 8 सप्ताह के अंतराल में किया जाता है, जो पत्तियों की परिपक्वता की सही अवस्था पर निर्भर करता है। जहांतक बरसात के पानी पर निर्भर रहने वाली फसल का संबंध है, उससे 10 से 15 टन शहतूत की पत्तियों की पैदावार प्रति हेक्टेयर प्रतिवर्ष हो सकती है, लेकिन सिंचाई की सुविधा होने की स्थिति में पत्तियों की पैदावार लगभग 25 से 30 टन प्रति हेक्टेयर प्रतिवर्ष हो सकती है।

(च) रेशम-कृमि का पालन :
वैज्ञानिक विधि से रेशम-कृमि के पालन से कृमि-कोष (ककून) की फसल भरपूर हो सकती है और उससे गुणवत्तापूर्ण रेशम का उत्पादन हो सकता है। इस संबंध में जिन पहलुओं को विशेष रूप से ध्यान में रखा जाता है वे हैं- रेशम-कृमि पालन गृह और रेशम-कृमि पालन संबंधी उपस्कर, आहार की सामग्री तथा आहार परिरक्षक और रेशम-कृमि पालन की तकनीक।

4. उपस्करों का विवरण :

क्रम संख्या	मद	मात्रा	दर	मूल्य (रुपयों में)
1.	कृषि के उपकरण (फावड़ा, कुदाली, खुरपी, टोकरियां आदि)	एलएस	एलएस	5,000.00
2.	पौध रोपण	-	-	1,500.00
3.	विविध			1,500.00
			जोड़	**8,000.00**

5. कार्यचालन पूंजी की आवश्यकता :

क्रम संख्या	मद	रकम (रुपयों में)
1.	कंपोस्ट	3,000.00
2.	उर्वरक	1,500.00
3.	दो फसलों की सिंचाई	2,000.00
4.	अंतरा-कृषि और 2 फसलों के पौधों का बचाव : 500 रुपये X 2	1,000.00
5.	पत्तों की पैदावार और आहार – 2 फसल	2,000.00
6.	अंडे देने की लागत – 2 फसल	4,000.00
7.	छंटाई और विविध लागत / व्यय	1,500.00
	जोड़	**15,000.00**

6. परियोजना की लागत :

क्रम संख्या	मद	रकम (रुपयों में)
1.	भूमि (अपने स्वामित्व की) तैयार करना और पौधों की लागत	2,000.00
2.	उपस्करों की लागत	8,000.00
3.	आकस्मिक व्यय, विविध व्यय और बीमा आदि	5,000.00

4.	कार्यचालन पूंजी	15,000.00
	जोड़	**30,000.00**

7. वित्त-व्यवस्था के साधन :

क्रम संख्या	ब्योरे	कुल लागत (रुपयों में)	प्रतिशतता
1.	प्रमोटर का अंशदान	-	-
2.	एनएसटीएफडीसी -मियादी ऋण	27,000.00	90.00
3.	एससीए – ऋण / सब्सिडी	3,000.00	10.00
	जोड़	30,000.00	100.00

टिप्पणी : राज्य चैनेलाइजिंग एजेंसियां अपने निगम के मानदंडों के अनुसार लाभार्थी (लाभार्थियों) को सब्सिडी मुहैया कराने की व्यवस्था करेंगी। इसके अलावा एससीए भी अन्य केंद्रीय प्रायोजित योजनाओं से प्रोत्साहन / सब्सिडी उपलब्ध कराने के लिए प्रयास करेंगे।

8. परियोजना का अर्थशास्त्र :

I.	पहला वर्ष	प्रतिवर्ष प्रति यूनिट रकम (रुपयों में)
क.	व्यय	
(I)	फसल संबंधी व्यय	
(क)	पहली फसल	
(i)	जमीन की तैयारी	500.00
(ii)	20 टन कंपोस्ट का प्रयोग : 150 रुपये प्रति टन की दर से	3,000.00
(iii)	पौधों का रोपण	1,500.00
(iv)	उर्वरकों का प्रयोग	1,500.00
(v)	सिंचाई (100 रुपये प्रति सिंचाई की दर से 15 बार सिंचाई)	1,500.00
(vi)	अंतरा-कृषि और पौधों के बचाव के उपाय	500.00
(vii)	पत्तों और आहार की फसल	1,500.00
(viii)	अंडों की लागत : 2 रुपये प्रति अंडे डालने की दर से प्रति फसल प्रति हेक्टेयर 1000 अंडे डालने की दर से	2,000.00
	जोड़ (क)	12,000.00
(ख)	दूसरी फसल	
(i)	छंटाई	500.00

(ii)	उर्वरकों का प्रयोग	1,000.00
(iii)	सिंचाई (100 रुपये प्रति सिंचाई की दर से 8 बार सिंचाई)	800.00
(iv)	अंतरा-कृषि और पौधों के बचाव के उपाय	500.00
(v)	पत्तों और आहार की फसल	1,200.00
(vi)	अंडों की लागत : 2 रुपये प्रति अंडे डालने की दर से 1000 अंडे डालने की दर से	2,000.00
	जोड़ (ख)	6,000.00
(ग)	तीसरी फसल (दूसरी फसल की भांति)	6,000.00
(घ)	चौथी फसल (दूसरी फसल की भांति)	6,000.00
(ड.)	वर्ष के ब्याज से पहले पहले वर्ष (4 फसलों) का कुल व्यय (क + ख + ग)	30,000.00
(II)	लाभार्थी / परिवार का आहार भत्ता	24,000.00
(III)	वर्ष का ब्याज	2,000.00
	कुल व्यय	56,000.00
	बिक्री से प्राप्त आय	
	चार फसलों (375 किलोग्राम प्रति फसल) से 1500 किलोग्राम कृमि कोष (ककूंद का मूल्य : 70 रुपये प्रति किलोग्राम) की दर से	1,05,000.00
	पहले वर्ष का व्यय घटाएं	56,000.00
	पहले वर्ष में निवल प्राप्ति	49,000.00
(II)	दूसरा वर्ष	
क.	व्यय	
(i)	पहली फसल (जैसा पहले दर्शाया गया है)	12,000.00
(ii)	दूसरी फसल (जैसा पहले दर्शाया गया है)	6,000.00
(iii)	तीसरी फसल (जैसा पहले दर्शाया गया है)	6,000.00
(iv)	चौथी फसल (जैसा पहले दर्शाया गया है)	6,000.00
(v)	पांचवी फसल (जैसा पहले दर्शाया गया है)	6,000.00
(vi)	ब्याज	2,000.00

(vii)	लाभार्थी / परिवार का आहार भत्ता	24,000.00
	पांच फसलों के दूसरे वर्ष का कुल व्यय	62,000.00
	बिक्री से प्राप्त आय	
(i)	पांच फसलों (375 किलोग्राम प्रति फसल) से 1,875 किलोग्राम कृमि-कोष (ककूंद) का मूल्य : 70 रुपये प्रति किलोग्राम की दर से	1,31,250.00
(ii)	दूसरे वर्ष का व्यय घटाएं	62,000.00
	दूसरे वर्ष से निवल प्राप्ति	69,250.00

परियोजना का प्रोफाइल

दूसरे वर्ष से किसान को 12 वर्ष तक 69,000 रुपये प्रति हेक्टेयर की निवल वार्षिक प्राप्ति होने की संभावना है। उसके पश्चात शहतूत के पौधों का पुन: रोपण किया जाता है। लेकिन परियोजना में प्रतिवर्ष आंशिक रोपण दर्शाया जाता है, ताकि कोमल पत्तियां प्राप्त हो सकें, जो बड़ी मात्रा में नये पौधों से ही उपलब्ध होती हैं।

9. लाभार्थियों के लिए ब्याज, ऋण-स्थगन और वापसी अवधि

(क) ब्याज : एनएसटीएफडीसी के मियादी ऋण पर 6 प्रतिशत प्रतिवर्ष

(ख) ऋण-स्थगन अवधि : एससीए द्वारा अंतिम किस्त जारी किए जाने की तारीख से 10 माह

(ग) वापसी अवधि : 5 वर्ष, जिसमें ऋण- स्थगन अवधि शामिल नहीं है।

10. पूर्वानुमान / मापदंड:

- यदि भूमि असमतल या ढालू हो तो उसे बराबर करने का व्यय अधिक होगा और उसे समतल करना आवश्यक है।
- रेशम बोर्ड और केंद्रीय रेशम अनुसंधान संस्थान से तकनीकी और विपणन सहायता ली जा सकती है।
- भूमि के संबंध में कोई अतिरिक्त लागत नहीं दर्शाई गई है, क्योंकि ऐसा माना गया है कि भूमि, परिवार के पास उपलब्ध होगी या कल्याण संगठन द्वारा मुहैया कराई जाएगी।
- परियोजना की लागत अलग-अलग राज्यों और क्षेत्रों में अलग-अलग हो सकती है।
- ऐसा माना जाता है कि इन उत्पादों / सेवाओं की अच्छी मांग है और लाभार्थियों को संगत क्षेत्रों का अनुभव है।

11. कृमि कंपोस्ट खाद

1. प्रस्तावना :

कृमि केंचुआ को कहते हैं। उस समय इससे पैदा होने वाले उत्पाद को कृमि कंपोस्ट कहते हैं। जब केंचुओं की सहायता से जैविक सामग्री का अपघटन किया जाता है। कंपोस्ट खाद के लिए जमीन की मामूली-सी खुदाई करके पाए जाने वाले केंचुओं और धरातल पर पाए जाने वाले केंचुओं को उपयुक्त पाया जाता है। यह खाद नाइट्रोजन, फास्फोरस, पोटेशियम और मैग्नेशिया जैसे पोषक तत्वों वाले पौधों के साथ केंचुए डालकर और किण्वक (अंजाइम) डालकर भी तैयार की जाती है। केंचुए भूमि को मथने में भी सहायक होते हैं, क्योंकि वे गिरी हुई पत्तियों, टहनियों, तिनकों और इसी प्रकार की सामग्री को मिट्टी के अंदर ले जाते हैं।

2. बाजार की संभावना:

यदि भारत सीमित कृषि-योग्य भूमि की उपलब्धता के कारण कृषि में उत्पादकता लगातार बढ़ाता रहा, तो इसे उर्वरकों का प्रयोग लगातार करना होगा। रासायनिक उर्वरक बहुत कीमती होते जा रहे हैं, क्योंकि उनके संबंध में मिलने वाली सब्सिडी में कमी की जा रही है। इसके अलावा रासानिक उर्वरकों का प्रयोग करने से लंबे समय बाद इससे मृदा के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। इसके कारण अम्लीकरण हो जाता है, सूक्ष्म पोषक समाप्त हो जाते हैं और मृदा का अपकर्षण हो जाता है, जिससे फसल खराब हो जाती है और उपज भी कम होती है। रासायनिक उर्वरकों से भूमि और वायु प्रदूषण भी बढ़ जाता है और इसके परिणामत: ग्रीन हाउस प्रभाव बढ़ जाता है। इसके अलावा लघु और सीमांत किसानों के लिए जैविक उर्वरक अनिवार्य और कम खर्चीले दोनों होते हैं। इससे फसल के उत्पादन की लागत भी कम हो जाएगी। जैविक उर्वरक बंजर भूमि को भी उपजाऊ भूमि के रूप में बदल देते हैं।

कृमि कंपोस्ट खाद से छोटे और सीमांत किसानों को अपने जैविक खाद तैयार करने और वैकल्पिक आय बढ़ाने की भी काफी संभावना होती है। देश में उपलब्ध जैविक संसाधनों से लगभग 20 मिलियन टन पादप पोषण प्रतिवर्ष तैयार किया जा सकता है।

परियोजना प्रोफाइल

3. तकनीकी विवरण

(क) केंचुओं में प्रोटीन का होना-

मरे हुए केंचुओं में उनके वजन के अनुसार 2 प्रतिशत तक प्रोटीन होता है।

(ख) प्रक्रिया :

कृमि कंपोस्ट खाद जमीन में एक गड्ढा खोदकर तैयार की जाती है। अधिक दक्षता के लिए सीमेंट और ईंट की टंकियों का उपयोग किया जाता है। ये टंकियां ऊंची जमीन पर बनाई जाती हैं अर्थात् धरातल से थोड़ा ऊपर, ताकि उसमें पानी जमा न हो। इसका फर्श बीच में ऊंचा होता है और किनारों में ढालूदार होता है। मानक टंकी का आकार 10 फुट X 6 फुट X 2.5 फुट होता है। पानी की निकासी के लिए टंकी के तल पर पर्याप्त संख्या में (8 X 5 सेंटीमीटर व्यास के) छेद किए जाते हैं। टंकी का तला ईंट के टुकड़ों या लकड़ी के बुरादे का लगभग 5 से 7 सेंटीमीटर मोटा होता है। फर्श पर मिट्टी में पाए जाने वाले 15 से 20 सेंटीमीटर मोटी कृमि को डाला जाता है। गोबर या अन्य पशुओं का

मल और किचन के कचड़े की एक परत मिट्टी की परत पर फैलाई जाती है। 200 से 500 कृमियों को चुना जाता है और उन्हें मिट्टी के बर्तनों में रखा जाता है और उसके पश्चात टंकी में डाला जाता है। गाय के गोबर का घोल उस पर डाला जाता है और तल को पुआल या सूखी पत्तियों से ढका जाता है। टंकी को महीन तार की जाली से ढका जाता है। उपर्युक्त सामग्री को ढकने के लिए एक छप्पर बनाया जाता है। दो सप्ताह बाद 5 से 6 सेंटीमीटर मोटी जैविक सामग्री की दूसरी परत डाली जाती है। इस परत को सप्ताह में दो या तीन बार उलटा-पलटा जाता है। लकड़ी की छड़ से इस बात का परीक्षण किया जाता है कि यह परत न तो सूखी हो और न ही अधिक नमी वाली। मृदा में नमी बनाए रखने के लिए नियमित रूप से पानी डाला जाना चाहिए।

इसका तापमान 45^0 से. अधिक नहीं होना चाहिए और इसके लिए नमी की आवश्यकता लगभग 10 से 17 प्रतिशत होती है। कृमि कंपोस्ट खाद 90 से 120 दिन में तैयार हो जाती है। उपज लेने से पहले पानी डालना बंद कर दिया जाता है और कंपोस्ट खाद को सूखने दिया जाता है तथा उसके पश्चात उसका उपयोग किया जाता है। केंचुओं को पुनः एकत्र किया जाता है और पुनः उपयोग में लाया जाता है।

(ग) उत्पादन :

9 फीट X 6 फीट X 2.5 फीट आकार के गड्ढे से एक चक्र में 3 टन खाद का उत्पादन होगा। इसके 10 गड्ढे होंगे और प्रति गड्ढा प्रतिवर्ष 3 चक्र होंगे।

4. कच्चे माल की आवश्यकता प्रतिवर्ष :

क्रम संख्या	मद	मात्रा	दर (रुपयों में)	वार्षिक मूल्य (रुपयों में)
1.	कृषि अपशिष्ट	100 मीटरी टन	200 रुपये प्रति मीटरी टन	20,000.00

5. कार्यचालन पूंजी की आवश्यकता (पूर्ण क्षमता उपयोग पर) :

क्रम संख्या	मद	अवधि	रकम (रुपयों में)
1.	गाय का गोबर और कृषि अपशिष्ट	एक चक्र	6,700.00
2.	नैमित्तक मजदूर	एक चक्र	2,000.00
3.	प्राप्य मदें	10 दिन	2,300.00
		जोड़	11,000.00

6. परियोजना की लागत :

क्रम संख्या	मद	कुल लागत (रुपयों में)
1.	भूमि	अपने स्वामित्व की
2. (क) (ख) (ग)	सिविल निर्माण कार्य 9 इंच दीवार वाले 10 गड्ढे, जिनका तल साधारण सीमेंट और कंक्रीट का होगा (प्रत्येक 3,500 रुपये) हल्का छप्पर कृमि का तल (बालू और पत्थरों के टुकड़े)	 35,000.00 3,000.00 2,000.00
3.	मिट्टी का कार्य करने के उपकरण	1,500.00
4.	विविध व्यय (केंचुए आदि) / ब्याज / लागत वृद्धि	2,500.00
5.	कार्यचालन पूंजी	11,000.00

	जोड़	55,000.00

7. वित्त-व्यवस्था के साधन :

क्रम संख्या	ब्योरे	कुल लागत (रुपयों में)	प्रतिशतता
1.	प्रमोटर का अंशदान	-	-
2.	एनएसटीएफडीसी-मियादी ऋण	45,000.00	81.82
3.	एससीए – ऋण / सब्सिडी	10,000.00	18.18
	जोड़	55,000.00	100.00

टिप्पणी : राज्य चैनेलाइजिंग एजेंसियां अपने निगम के मानदंडों के अनुसार लाभार्थी (लाभार्थियों) को सब्सिडी मुहैया कराने की व्यवस्था करेंगी। इसके अलावा एससीए भी अन्य केंद्रीय प्रायोजित योजनाओं से प्रोत्साहन / सब्सिडी उपलब्ध कराने के लिए प्रयास करेंगे।

8. परियोजना का अर्थशास्त्र :

क्रम संख्या	ब्योरे	रकम (रुपयों में) प्रति यूनिट
क.	बिक्री से प्राप्त आय 3 मीटरी टन प्रति गड्ढा प्रति चक्र X 3 चक्र 10 गड्ढे 900 रुपये प्रति मीटरी टन	81,000.00
(ख)	उत्पादन की लागत	
(i)	कच्चे माल की लागत	20,000.00
(ii)	श्रम लागत (नैमित्तिक मजदूर)	6,000.00
(iii)	विविध व्यय	3,000.00
(iv)	ब्याज	3,300.00
(v)	आहार भत्ता	24,000.00
	उत्पादन की कुल लागत	56,300.00
(ग)	नकद लाभ	24,700.00
(घ)	10 प्रतिशत की दर से मूल्यह्रास / परिशोधन	4,400.00
(ड.)	निवल लाभ (ग - घ)	20,300.00

9. संभाव्यता संकेतक :

क्रम संख्या	ब्योरे	रकम (रुपयों में)
1.	वापसी प्रतिवर्ष (अवधि – 6 वर्ष)	11,000.00
2.	ऋण की चुकौती संबंधी अनुपात	1.96 प्रतिशत
3.	निवेश पर प्राप्ति (आरओआई)	36.91 प्रतिशत

10. लाभार्थियों के लिए ब्याज, ऋण-स्थगन और वापसी अवधि

(क) ब्याज : एनएसटीएफडीसी के मियादी ऋण पर 6 प्रतिशत प्रतिवर्ष

(ख) ऋण-स्थगन अवधि : एससीए द्वारा अंतिम किस्त जारी किए जाने की तारीख से 9 माह

(ग) वापसी अवधि : 5 वर्ष, जिसमें ऋण-स्थगन अवधि शामिल नहीं है।

11. पूर्वानुमान / मापदंड:

- परियोजना की लागत अलग-अलग राज्यों और क्षेत्रों में अलग-अलग हो सकती है।
- ऐसा माना जाता है कि इन उत्पादों / सेवाओं की अच्छी मांग है और लाभार्थियों को संगत क्षेत्रों का अनुभव है।

परियोजना प्रोफाइल

1. बांस और बेंत के फर्नीचर का विनिर्माण

1. प्रस्तावना :

मेज, कुर्सी, स्टूल और छोटी फेंसी मदें जैसी फर्नीचर की मदें बेंत और बांस से बनाई जाती हैं। बेंत और बांस के फर्नीचर आकर्षक और सुरुचिपूर्ण होते हैं।

2. बाजार की संभावनाएं **:**

उच्च और मध्य दोनों वर्ग के लोगों, रेस्तरां और अतिथि-गृहों में ऐसे फर्नीचर की मांग है। बेंत और बांस से फर्नीचर बनाने को स्थानीय हस्त शिल्प कहते हैं और राज्य सरकारें भी इन हस्त शिल्पों को बढ़ावा दे रही हैं। बेंत से बनाया गया फर्नीचर बहुत आकर्षक होता है। इसलिए बाजार में इसकी बहुत मांग है।

3. तकनीकी विवरण और विनिर्माण प्रक्रिया **:**

इस यूनिट का उद्देश्य बांस और बेंत की सामग्री का उपयोग करके सोफासेट, कुर्सियां और अन्य सजावटी मदें जैसे विभिन्न फर्नीचरों का उत्पादन करना है। विनिर्माण प्रक्रिया में इस सामग्री को अपेक्षित आकार और लंबाई में काटा जाता है। अभिकल्प और नक्काशी की जाती है और उसके पश्चात इन्हें कीलों आदि से जोड़ा जाता है। इस प्रकार इन्हें अंतिम उत्पाद के रूप में समझा जाता है। बाद में इन उत्पादों पर वार्निश की जाती है।

(क) भूमि और भवन :

इस परियोजना के लिए कम से कम 100 वर्ग मीटर निर्मित क्षेत्र की आवश्यकता होती है। इसे आसानी से किराये पर लिया जा सकता है और किराये की रकम लगभग 2,000.00 रुपये प्रतिमाह हो सकती है।

(ख) संयंत्र और मशीनरी :

क्रम संख्या	ब्योरे	मात्रा	रकम (रुपयों में)
1.	सुवाह्य ड्रिलिंग मशीन ¼ इंच कैप	5	25,000.00

2.	बढ़ईगीरी के औजार, कार्य बैंच, क्लेंप, यंत्र आदि	एल .एस.	15,000.00
3.	पेंटिंग ब्रुश और अन्य साज सामान	एल.एस.	10,000.00
		जोड़	50,000.00

(ग) विविध स्थायी परिसंपत्तियां :

क्रम संख्या	ब्योरे	रकम (रुपयों में)
1.	फर्नीचर और जुड़नार	10,000.00
2.	विद्युतीकरण	10,000.00
	जोड़	20,000.00

(घ) आरंभिक और प्रचालन पूर्व व्यय :
इसमें कार्यान्वयन के दौरान की जाने वाली प्रारंभिक यात्रा, विधिक दस्तावेज और ब्याज शामिल हैं। अत: इस शीर्ष के अधीन 10,000 रुपये के व्यय का अनुमान लगाया गया है।

(ड.) जन-शक्ति की आवश्यकता **:**

क्रम संख्या	ब्योरे	संख्या	वेतन / माह	जोड़ (रुपयों में)
1.	कुशल मजदूर	2	2,500.00	5,000.00
2.	अर्ध-कुशल मजदूर / हेल्पर	3	1,000.00	3,000.00
			जोड़	8,000.00

(च) आवश्यक मदें **:**

इसमें बिजली, पानी और ईंधन आदि पर खर्च किया जाने वाला व्यय शामिल है और इस योजना के लिए 1000 रुपये प्रतिमाह का हिसाब लगाया गया है।

(छ) अन्य व्यय **(**प्रतिमाह**) :**

क्रम संख्या	ब्योरे	रकम (रुपयों में)
1.	किराया	2,000.00
2.	सामान और अतिरिक्त पुर्जे	500.00
3.	बिक्री, विपणन और परिवहन व्यय	1,000.00
4.	विविध व्यय	1,000.00
	जोड़	4,500.00

4. परियोजना की लागत :

क्रम संख्या	मद	कुल लागत (रुपयों में)
1.	भवन	किराये पर
2.	संयंत्र और मशीनरी	50,000.00
3.	विविध स्थायी परिसंपत्तियां	20,000.00

4.	आरंभिक और प्रचालन पूर्व व्यय	10,000.00
5.	कार्यचालन पूंजी मार्जिन	33,000.00
	जोड़	1,13000.00

5. वित्त-व्यवस्था के साधन :

क्रम संख्या	ब्योरे	कुल लागत (रुपयों में)	प्रतिशतता
1.	प्रमोटर का अंशदान	3000.00	2.65
2.	एमएमएल-एससीए	12,000.00	10.62
3.	मियादी ऋण- एनएसटीएफडीसी	9,800.00	86.73
	जोड़	1,13,000.00	100.00

टिप्पणी : राज्य चैनेलाइजिंग एजेंसियां अपने निगम के मानदंडों के अनुसार लाभार्थी (लाभार्थियों) को सब्सिडी मुहैया कराने की व्यवस्था करेंगी। इसके अलावा एससीए भी अन्य केंद्रीय प्रायोजित योजनाओं से प्रोत्साहन / सब्सिडी उपलब्ध कराने के लिए प्रयास करेंगे।

6. कच्चे माल की आवश्यकता :

क्रम संख्या	ब्योरे	मात्रा	यूनिट की लागत	कुल लागत (रुपयों में)
1.	बेंत और बांस की सामग्री	एल.एस		50,000.00
2.	कील, स्क्रू आदि	20 पैकेट	25.00	500.00
3.	वार्निश	20 लीटर	50.00	1,000.00
4.	पेंटिंग ब्रुश	10	100.00	1,000.00
			जोड़	52,500.00

7. कार्यचालन पूंजी की आवश्यकता :

क्रम संख्या	ब्योरे	रकम (रुपयों में)
1.	कच्चा माल	52,500.00
2.	वेतन और मजदूरी	8,000.00
3.	अन्य व्यय	4,500.00
4.	आवश्यक मदें	1,000.00
	जोड़	66,000.00
5.	दो माह की कुल कार्यचालन पूंजी X 0.66	1.32
6.	कार्यचालन पूंजी मार्जिन 25 प्रतिशत की दर से	0.33

8. बिक्री प्रतिमाह :

क्रम संख्या	ब्योरे	मात्रा	यूनिट की लागत	कुल लागत (रुपयों में)
1.	सोफासेट (बड़े आकार का)	25	1,500.00	37,500.00
2.	सोफासेट (मध्यम आकार का)	20	1,000.00	2,0000.00
3.	कुर्सियां	20	500.00	10,000.00
4.	सजावटी मदें	20	300.00	6,000.00
	जोड़			73,500.00

9. परियोजना का अर्थशास्त्र :

(रुपये लाखों में)

क्रम संख्या	ब्योरे	पहले वर्ष से
क.	वर्ष में कार्य दिवसों की संख्या :	300 दिन
ख.	बिक्री से प्राप्त आय (73,500 रुपये प्रति माह X 12 माह)	8.82
ग.	उत्पादन की लागत	
(i)	कच्चा माल	6.30
(ii)	वेतन और मजदूरी	0,96.00
(iii)	अन्य व्यय	0.54
(iv)	आवश्यक मदें	0.12
(v)	आहार भत्ता	0.18
	उत्पादन की कुल लागत	8.10
(घ)	सकल लाभ (क - ग)	0.72
ड.	ब्याज (कार्यचालन पूंजी और मियादी ऋण)	0.19
च	मूल्यह्रास (20 प्रतिशत)	0.08
छ	कर पूर्व लाभ	0.45
ज.	कर देयता	-

झ.	कर पश्चात लाभ	0.45
ञ.	नकद लाभ	0.53

10. संभाव्यता संकेतक :

क्रम संख्या	ब्योरे	रकम (रुपयों में)
1.	वापसी प्रतिवर्ष (अवधि – 5 वर्ष)	0.22 प्रतिशत
2.	निवेश पर प्राप्ति (आरओआई)	39.82 प्रतिशत
3.	ऋण की चुकौती संबंधी अनुपात	1.75 प्रतिशत

11. लाभार्थियों के लिए ब्याज, ऋण-स्थगन और वापसी अवधि

(क) ब्याज : एनएसटीएफडीसी के मियादी ऋण पर 6 प्रतिशत प्रतिवर्ष

(ख) ऋण-स्थगन अवधि : एससीए द्वारा निधियां जारी किए जाने की तारीख से 6 माह

(ग) वापसी अवधि : 5 वर्ष, जिसमें ऋण-स्थगन अवधि शामिल नहीं है।

12. पूर्वानुमान / अभ्युक्तियां

- यथेष्ट कार्यचालन पूंजी के चक्र का अनुमान आवश्यकता के हिसाब से लगाया गया है। कच्चा माल स्थानीय क्षेत्रों से खरीदा जाए और जहां कहीं लागू हो, इनकी दरें (कोटेशन) प्राप्त की जा सकती हैं।
- परियोजना की लागत अलग-अलग राज्यों और क्षेत्रों में अलग-अलग हो सकती है।
- ऐसा माना जाता है कि इन उत्पादों / सेवाओं की अच्छी मांग है और लाभार्थियों को संगत क्षेत्रों का अनुभव है।

1. प्रस्तावना :

ईंटों के विनिर्माण संबंधी कार्यकलाप के लिए बहुत उच्च गुणवत्ता वाले तकनीकी विवरणों की आवश्यकता नहीं होती है और इसकी सामग्री स्थानीय रूप से उपलब्ध हो जाती है। इस प्रकार का यूनिट गांव / ग्रामीण क्षेत्रों में स्थापित किया जा सकता है। चूंकि इस कार्यकलाप में बहुत मजदूरों की आवश्यकता होती है, इसलिए इससे ग्रामीण लोगों के लिए रोजगार के काफी अवसर पैदा होते हैं।

2. बाजार की संभावनाएं **:**

स्थावर संपदा (रियल इस्टेट) संबंधी कारोबार और निर्माण संबंधी कार्यकलापों में तेजी आने के कारण ईंटों की भारी मांग है।

3. तकनीकी विवरण **:**

यह एक लघु स्तरीय कार्यकलाप है, जो सामान्यत: गांव के लोगों द्वारा किया जाता है और इस योजना के अधीन विशेष ईंट के चैंबर के निर्माण की आवश्यकता नहीं होती है। ईंटों का चट्टा इस प्रकार लगाया जाता है कि ईंटों को पकाने के लिए ईंधन / कोयले के लिए जगह रखी जा सके। इस विनिर्माण प्रक्रिया में पानी, रेत, चूना और राख को चिकनी मिट्टी में उचित अनुपात में मिलाया जाता है। इस मिश्रण को भली-भांति तैयार किया जाता है और इसे अर्ध-ठोस अवस्था में लाया जाता है तथा ईंट के सांचों में रखा जाता है। इसके लिए मुख्य आवश्यक सामग्री चिकनी मिट्टी और कोयला / जलाऊ लकड़ी हैं।

4. परियोजना की लागत :

क्रम संख्या	मद	कुल लागत (रुपयों में)
1.	भूमि	अपने स्वामित्व की / पट्टे पर
2.	कर्मकारों के लिए शेड (छप्पर वाला घर)	30,000.00
3.	ईंट के सांचे (100 : 100 रुपये प्रति सांचे की दर से)	10,000.00
4.	बोर वैल कनेक्शन और हैंड पंप लगाने के प्रभार	17,000.00
5.	रेहड़ी (हाथ से चलाई जाने वाली) (10 : 2,000 रुपये की दर से)	20,000.00
6.	कार्यचालन पूंजी	33,000.00
	जोड़	1,10,000.00

परियोजना प्रोफाइल

5. वित्त-व्यवस्था के साधन :

क्रम संख्या	स्रोत	रकम (रुपयों में)	प्रतिशतता
1.	प्रमोटर का अंशदान	3,000.00	2.73
2.	एमएमएल (एससीए)	12,000.00	10.91
3.	एनएसटीएफडीसी-मियादी ऋण	95,000.00	86.36
	जोड़	1,10,000.00	100.00

टिप्पणी : राज्य चैनेलाइजिंग एजेंसियां अपने निगम के मानदंडों के अनुसार लाभार्थी (लाभार्थियों) को सब्सिडी मुहैया कराने की व्यवस्था करेंगी। इसके अलावा एससीए भी अन्य केंद्रीय प्रायोजित योजनाओं से प्रोत्साहन / सब्सिडी उपलब्ध कराने के लिए प्रयास करेंगे।

6. कार्यचालन पूंजी की आवश्यकता :

क्रम संख्या	ब्योरे	रकम (रुपयों में)
1.	चिकनी मिट्टी के लिए रॉयलिटी प्रभार	5,000.00
2.	60 चक्करों के लिए 250 रुपये प्रति चक्कर की दर से 1 लाख ईंटों के लिए चिकनी मिट्टी का परिवहन प्रभार	15,000.00
3.	रेत और चूना	5,000.00
4.	कोयला – 2 टन : 8,000 रुपये प्रति टन की दर से	16,000.00
5.	ईंट बनाने के लिए श्रम प्रभार : 1 लाख ईंटों के लिए 100 रुपये प्रति 1,000 ईंटों की दर से	10,000.00
6.	चट्टा लगाने का व्यय	5,000.00
7.	लदान / उतराई	5,000.
8.	कच्ची ईंटों को ढंकने के लिए छप्पर	4,000.00
	जोड़	65,000.00
9.	2 माह के लिए कार्यचालन पूंजी	1,30,000.00
10.	25 प्रतिशत की दर से कार्यचालन पूंजी का मार्जिन	32,500.00
	अर्थात्	33,000.00

7. उत्पादन की लागत :

क्रम संख्या	ब्योरे	पहले वर्ष से
1.	1 वर्ष में पारियों की संख्या	6
2.	1 पारी में तैयार की गई ईंटों की मात्रा	1 लाख
3.	प्रत्येक पारी में उपलब्ध अच्छी गुणवत्ता वाली पकी हुई ईंटों की मात्रा	85,000.00
4.	ईंट की लागत	I.1 रुपये

8. परियोजना का अर्थशास्त्र :

क्रम संख्या	ब्योरे	रकम (रुपये लाखों में)
क.	बिक्री से प्राप्त आय	5.10
ख	उत्पादन की लागत	
(i)	चिकनी मिट्टी के लिए रॉयलिटी प्रभार	0.30
(ii)	परिवहन प्रभार	0.90
(iii)	रेत, चूना और छिपटियां (फ्लिंडर)	0.30

(iv)	कोयला	0.96
(v)	श्रम व्यय	0.60
(vi)	चट्टा लगाने का व्यय	0.30
(vii)	लदान / उतराई	0.30
(viii)	छप्पर	0.24
(ix)	आहार भत्ता	0.24
	जोड़	4.14
ग.	सकल लाभ	0.96
घ	ब्याज / कार्यचालन पूंजी / टीएल	0.18
ड.	मूल्य ह्रास	0.15
च.	निवल लाभ	0.63
छ.	नकद लाभ	0.78

9. संभाव्यता संकेतक :

क्रम संख्या	ब्योरे	रकम (रुपयों में)
1.	वापसी प्रतिवर्ष (अवधि – 5 वर्ष)	0.21 प्रतिशत
2.	निवेश पर प्राप्ति	57.27 प्रतिशत
3.	ऋण की चुकौती संबंधी अनुपात	2.46 प्रतिशत

10. लाभार्थियों के लिए ब्याज, ऋण-स्थगन और वापसी अवधि

(क) ब्याज : एनएसटीएफडीसी के मियादी ऋण पर 6 प्रतिशत प्रतिवर्ष

(ख) ऋण-स्थगन अवधि : एससीए द्वारा निधियां जारी किए जाने की तारीख से 6 माह

(ग) वापसी अवधि : 5 वर्ष, जिसमें ऋण-स्थगन अवधि शामिल नहीं है।

11. पूर्वानुमान / अभ्युक्तियां

- यथेष्ट कार्यचालन पूंजी के चक्र का अनुमान आवश्यकता के हिसाब से लगाया गया है। कच्चा माल स्थानीय क्षेत्रों से खरीदा जाएगा और जहां कहीं लागू हो, इनकी दरें (कोटेशन) प्राप्त की जा सकती हैं।
- परियोजना की लागत अलग-अलग राज्यों और क्षेत्रों में अलग-अलग हो सकती है।
- ऐसा माना जाता है कि इन उत्पादों / सेवाओं की अच्छी मांग है और लाभार्थियों को संगत क्षेत्रों का अनुभव है।

3. सरसों का तेल निकालना

1. प्रस्तावना :

हालांकि भारत के अधिकांश भागों में सरसों का बीज बड़ी मात्रा में पैदा होता है तथापि इसकी पिसाई / पिराई प्रायः ऐसे बड़े केंद्रीयकृत संयंत्रों द्वारा की जाती है, जिनके पास आर्थिक स्तर के कारण उच्च दक्षता और कम लागत की सुविधा है। बड़े संयंत्रों की अच्छी सुविधा होने के बावजूद बहुत छोटी केंद्रीयकृत तेल निष्कर्षण के महत्व को भी नकारा नहीं जा सकता है, क्योंकि वे भी किफायती साबित होते हैं और उनमें ऐसी स्थितियों में स्वरोजगार के अवसर होते हैं, जहां बड़े संयंत्रों द्वारा उत्पादित तेल का सुदूरवर्ती और दूरस्थ स्थानों में इस प्रकार उत्पादन नहीं किया जा सकता है, क्योंकि इनमें स्थान की व्यापकता के कारण परिवहन में उच्च लागत लगती है और ऐसे क्षेत्र में जहां कोई तेल निकालने वाला नहीं होता है और जहां किसान तिलहनों को बड़ी परिशोधनशालाओं को बेच देते हैं, जिसे वे खाद्य तेल के रूप में ऊंची कीमत पर खरीदते हैं, लेकिन उन्हें मूल्यवान अत्यधिक प्रोटीन वाली खली नहीं मिलती है। अतः ऐसी स्थितियों में सरसों के तेल निकालने के यूनिटों को स्थापित करने के विद्यमान अवसरों को ध्यान में रखते हुए, जनजाति की पहली उद्यमी पीढ़ी को बहुत छोटी यूनिट लगाने का सुझाव दिया जाता है, जिसमें कम निवेश करना पड़ता है और उसका प्रचालन भी सरल होता है।

इस यूनिट के लिए तिलहन के न्यूनतम और पर्याप्त भंडार को बनाए रखना आवश्यक है, ताकि पूरे वर्ष इसके प्रचालन को जारी रखा जा सके। इसलिए यूनिट ऐसे क्षेत्रों में लगाना अनिवार्य होगा, जहां कच्चा माल स्थानीय रूप से बड़ी मात्रा में उपलब्ध हो।

सामान्यतः अधिक लाभ उस स्थिति में हो सकता है, यदि खाद्य तेल को छोटी-छोटी बोतलों में पैक किया जाए। लेकिन दूरवर्ती क्षेत्रों में बड़ी मात्रा में कांच या प्लास्टिक की बोतलें प्राप्त करने में होने वाली कठिनाई को ध्यान में रखते हुए और इस पर बड़ी पूंजी के अवरुद्ध होने की बात को ध्यान में रखते हुए पुरानी बोतलों को उपयोग में लाने की संभावना है। वैकल्पिक रूप से तेल आस-पास के शहरों / नगरों के खाद्य सामग्री के भंडारों (प्रोवीजन स्टोर) को ड्रमों में बेचा जा सकता है।

किसी भी तेल निष्कर्षण यूनिट की व्यवहार्यता काफी हद तक खली की बिक्री पर निर्भर करता है, जिसका उपयोग पशुओं के आहार और अन्य उप-उत्पादों के रूप में व्यापक रूप से किया जाता है।

2. बाजार की संभावनाएं :

सरसों के तेल का खाद्य तेल के रूप में व्यापक उपयोग विशेषतः उत्तरी और पूर्वी भारत के ग्रामीण क्षेत्रों में किया जाता है। ग्रामीण आबादी की संवृद्धि के साथ-साथ तेल की खपत भी हमेशा बढ़ती रहती है।

बहुत छोटी यूनिट का उद्देश्य स्थानीय बाजार की मांग को पूरा करना है और स्थानीय आवश्यकता को पूरा करने के लिए इसकी बहुत अधिक संभावना है।

3. तकनीकी विवरण **:**

भारत में, विशेषत: बाजार में दक्ष लघु या अति लघु "बेबी" तेल निष्कर्षकों का व्यापक प्रक्षेत्र उपलब्ध है। इसका विशिष्ट उदाहरण ऐसा तेल निष्कर्षक है, जो 100 किलो ग्राम प्रति घंटे तक का ही उत्पादन कर पाता है। ऐसी मशीन के बीच में सिलिंडर या लकड़ी का बर्तन लगा होता है, जिसमें 8 अलग-अलग खंड होते हैं, जिन्हें "चूड़ियां (वर्म)" कहते हैं। इस लचीली प्रणाली से एक या दो बार सरसों के बीज को पलटा जाता है और इससे अंदर के पेंच (स्क्रू) में दली हुई सरसों को अधिक समानता से फैलाया जाता है। यदि अंदर का पेंच (स्क्रू) घिस जाता है तो उसी यूनिट / खंड की मरम्मत की जाती है / उसे बदला जाता है। इस प्रकार अनुरक्षण की लागत को कम किया जाता है। क्योंकि सामग्री निष्कर्षक से होते हुए गुजरती है, इसलिए तेल को निचोड़ा जाता है और मशीन के नीचे लगी द्रोणिका (ट्रॉफ़) में छिद्रित लकड़ी के बर्तन से होकर तेल बहता है। ठोस अवशेष अर्थात् खली निष्कर्षक के साफ्ट के पीछे के हिस्से से बाहर निकल जाती है, जहां इसे अलग-अलग बोरियों में भरा जाता है।

4. परियोजना की लागत :

क्रम संख्या	ब्योरे	रकम (रुपयों में)
1.	भूमि	अपने स्वामित्व की
2.	कारखाना शेड और गोदाम (200 रुपये प्रति वर्गमीटर की दर से 50 वर्गमीटर)	10,000.00
3.	मशीनरी और उपस्कर	
(क)	2 अति लघु (बेबी) तेल निष्कर्षक, जिन पर मोटर (5 एचपी) लगी हो : 25,000.00 रुपये प्रति निष्कर्षक की दर से	50,000.00
(ख)	औजार और सहायक पुर्जे	2,000.00
4.	विद्युतीकरण और संस्थापन	8,000.00
5.	विविध स्थायी परिसंपत्तियां	2,000.00
6.	आरंभिक और प्रचालन पूर्व व्यय	2,000.00
7.	आकस्मिक व्यय का प्रावधान	2,000.00
8.	कार्यचालन पूंजी के लिए मार्जिन	32,000.00
	जोड़	1,08,000.00

5. वित्त-व्यवस्था के साधन :

क्रम संख्या	ब्योरे	रकम (रुपयों में)	प्रतिशतता
1.	प्रमोटर का अंशदान	3,000.00	2.78
2.	एमएमएल-एससीए	12,000.00	11.11

3.	मियादी ऋण-एनएसटीएफडीसी	93,000.00	86.11
	जोड़	1,08,000.00	100.00

टिप्पणी : राज्य चैनेलाइजिंग एजेंसियां अपने निगम के मानदंडों के अनुसार लाभार्थी (लाभार्थियों) को सब्सिडी मुहैया कराने की व्यवस्था करेंगी। इसके अलावा एससीए भी अन्य केंद्रीय प्रायोजित योजनाओं से प्रोत्साहन / सब्सिडी उपलब्ध कराने के लिए प्रयास करेंगे।

6. कार्यचालन पूंजी की आवश्यकता :

क्रम संख्या	ब्योरे	रकम (रुपयों में)
1.	सरसों के तिलहन के 75 क्विंटल का भंडार (स्टॉक) : 1,600.00 रुपये प्रति क्विंटल की दर से	1,20,000.00
2.	बोतलें और पैकेजिंग सामग्री	4,000.00
3.	वेतन और मजदूरी (एक माह)	4,000.00
4.	तैयार किया जा रहा माल	10,000.00
5.	तैयार माल	20,000.00
	जोड़	1,58,000.00
6.	20 प्रतिशत की दर से कार्यचालन पूंजी के लिए मार्जिन	31,600.00
	अर्थात्	32,000.00
7.	बैंक / वित्तीय संस्था से ऋण	1,26,000.00

7. वेतन और मजदूरी प्रतिवर्ष :

क्रम संख्या	ब्योरे	संख्या	वेतन (रुपये) प्रतिमाह	वेतन (रुपये) प्रतिवर्ष
1.	प्रबंधक	स्वयं		
2.	कुशल कर्मकार	1	2,500.00	30,000.00
3.	हेल्पर	1	1,500.00	18,000.00
	जोड़		4,000.00	48,000.00

8. उपरिव्यय प्रतिवर्ष :

क्रम संख्या	ब्योरे	रकम (रुपयों में)
1.	प्रिंटिंग और लेखन सामग्री	2,000.00
2.	मरम्मत और अनुरक्षण	2,000.00
3.	यात्रा और सवारी	1,500.00
4.	बिजली	18,000.00
5.	विविध व्यय	1,000.00

	जोड़	24,500.00

9. कच्चे माल की आवश्यकता :

क्रम संख्या	वर्ष	सरसों के तिलहन की मात्रा	दर प्रति क्विंटल (रुपयों में)	रकम (रुपयों में)
1.	पहला वर्ष	300 क्विंटल	1,600.00	4,80,000.00
2.	दूसरा वर्ष	330 क्विंटल	1,600.00	5,28,000.00
3.	तीसरे वर्ष से	360 क्विंटल	1,600.00	5,76,000.00

10. एस एल एम पर मूल्यह्रास :

क्रम संख्या	परिसंपत्तियां	रकम (रुपयों में)	मूल्यह्रास की दर	रकम (रुपयों में)
1.	मशीनरी	52,000.00	10 प्रतिशत	5,200.00
2.	विविध स्थायी परिसंपत्तियां और बिजली	9,500.00	10 प्रतिशत	950.00
3.	भवन / शेड	10,000.00	5 प्रतिशत	500.00
			जोड़	6,650.00

11. बिक्री से प्राप्त आय प्रतिवर्ष :

क्रम संख्या	ब्योरे	रकम (रुपयों में)
1.	सरसों की तिलहन के 30,000.00 किलो ग्राम से 10,500 लिटर तेल का निष्कर्षण और बिक्री (60 रुपये प्रति किलो ग्राम की दर से)	6,30,000.00
2.	सरसों के तेल की खली (अवशेष) : 18,000 किलो ग्राम 5 रुपये प्रति किलो ग्राम की दर से	90,000.00
	जोड़	7,20,000.00

12. परियोजना का अर्थशास्त्र :

क्रम संख्या	ब्योरे	रकम (रुपयों में)
क.	कार्य दिनों की संख्या	300
ख.	क्षमता का उपयोग (प्रतिशत)	80.00
ग.	बिक्री से प्राप्त आय	7,20,000.00
घ.	उत्पादन की लागत	
(i)	कच्चा माल	4,80,000.00
(ii)	बोतलें और पैकेजिंग	48,000.00
(iii)	वेतन / मजदूरी और एसए	96,000.00
(iv)	उपरिव्यय	24,500.00
	जोड़	6,48,500.00
ड.	सकल लाभ	71,500.00
च.	ऋण पर ब्याज और कार्यचालन पूंजी	21,400.00
छ.	मूल्यह्रास	6,650.00
ज.	निवल लाभ	43,450.00
झ.	नकद लाभ	50,100.00

13. संभाव्यता संकेतक :

क्रम संख्या	ब्योरे	रकम (रुपयों में)
1.	वापसी प्रतिवर्ष (अवधि – 5 वर्ष)	21,000.00
2.	निवेश पर प्राप्ति	40.23 प्रतिशत
3.	ऋण की चुकौती संबंधी अनुपात	1.69 प्रतिशत

14. लाभार्थियों के लिए ब्याज, ऋण-स्थगन और वापसी अवधि

(क) ब्याज : एनएसटीएफडीसी के मियादी ऋण पर 6 प्रतिशत प्रतिवर्ष

(ख) ऋण-स्थगन अवधि : एससीए द्वारा निधियां जारी किए जाने की तारीख से 6 माह

(ग) वापसी अवधि : 5 वर्ष, जिसमें ऋण- स्थगन अवधि शामिल नहीं है।

15. पूर्वानुमान / अभ्युक्तियां

- यथेष्ट कार्यचालन पूंजी के चक्र का अनुमान आवश्यकता के हिसाब से लगाया गया है। कच्चा माल स्थानीय क्षेत्रों से खरीदा जाए और जहां कहीं लागू हो, इनकी दरें (कोटेशन) प्राप्त की जा सकती हैं।
- परियोजना की लागत अलग-अलग राज्यों और क्षेत्रों में अलग-अलग हो सकती है।
- ऐसा माना जाता है कि इन उत्पादों / सेवाओं की अच्छी मांग है और लाभार्थियों को संगत क्षेत्रों का अनुभव है।

4. मसाले पीसना

1. प्रस्तावना :

मसाले ऐसे आवश्यक प्राथमिक घटक हैं, जिनका प्रयोग अति प्राचीन काल से अमीरों और गरीबों दोनों द्वारा पकवानों की सुगंध, स्वाद और रंग को बढ़ाने के लिए किया जाता रहा है। इसलिए लोगों ने वर्षों से मसालेदार भोजन तैयार करने के लिए इन्हें बहुत पसंद किया है। इनमें से कुछ मसाले चिकित्सीय उपयोग के भी हैं, क्योंकि उनमें वातानुलोमक उद्दीपक और पाचक गुण होता है। उड़ीसा, आंध्र प्रदेश. गुजरात और राजस्थान के मसाले सस्ती दर पर उपलब्ध हो जाते हैं और उन्हें आसानी से पीसा जा सकता है।

2. बाजार की संभावनाएं **:**

जनसंख्या के तेजी से बढ़ने और लोगों की विभिन्न रुचि और आदतों के कारण मसालों की घरेलू मांग धीरे-धीरे बढ़ती जाती है। इसके अलावा वह अन्य देशों को मसालों का निर्यात करने की भी काफी संभावना है। मसालों की बढ़ती हुई मांग को पूरा करने के लिए कोई भी मौसम हो मसालों के कुछ बेईमान उत्पादक तेजी से धन कमाने के लिए मिलावटी मसालों को तैयार करते हैं। ऐसे नकली मसालों से स्वास्थ्य को गंभीर खतरा होता है। तदनुसार ऐसे ग्राहकों से शुद्ध / मिलावट रहित पिसे हुए मसालों की मांग बढ़ती जा रही है, जिनमें अब जागरूकता बढ़ती जा रही है। अत: यह अनिवार्य है कि उत्पादक ग्राहकों की नैतिक मांग को पूरा करें और ऐसा करते समय इन उत्पादों के संबंध में "एगमार्क" जैसे गुणवत्ता मानक प्रमाण-पत्र प्राप्त करें, जिससे उन्हें विपणन में सहायता मिलेगी।
कच्चा माल भारत में कहीं भी स्थानीय बाजार से आसानी से मिल जाता है। मसालों का व्यापार करना जटिल कार्य नहीं है। यूनिट में और उसके आसपास फुटकर की कई दुकानें होती हैं और वे थोक में मसालों के भावी खरीददार होंगे।

3. तकनीकी विवरण **:**

मसाले पीसने की प्रक्रिया बहुत सरल होती है, इसमें सूखे साबुत मसालों को चक्की में डाला जाता है और विशिष्टियों के अनुसार पिसे हुए मसाले प्राप्त किए जाते हैं। पिसे हुए मसालों को तब अलग-अलग आकार की प्लास्टिक की थैलियों में तत्काल पैक किया जाता है। इन थैलियों

पर विनिर्माता का नाम, पता, मात्रा, कीमत, गुणवत्ता प्रमाणन चिह्न, पंजीकरण संख्या आदि लिखी होती है, ताकि इसकी ताजगी और सुगंध बनी रहे।

4. परियोजना की लागत :

क्रम संख्या	ब्योरे	रकम (रुपयों में)
1.	भूमि	अपने स्वामित्व की
2.	कारखाना शेड और गोदाम (200 रुपये प्रति वर्गमीटर की दर से 40 वर्गमीटर)	8,000.00
3.	मशीनरी और उपस्कर	
(क)	14 इंच -30 किलो क्षमता की ऐसी दो चक्कियां, जिन पर 1,440 आरपीएम की 2 एचपी 220 वी की मोटर, स्टार्टर, मेन स्विच, पुली और बेल्ट लगी हो : 13,500 रुपये प्रति चक्की की दर से	27,000.00
(ख)	हाथ के औजार और सहायक पुर्जे	750.00
(ग)	विद्युतीकरण और संस्थापन	4,250.00
4.	विविध स्थायी परिसंपत्तियां	1,000.00
5.	आरंभिक और प्रचालन पूर्व व्यय	1,000.00
6.	आकस्मिक व्यय का प्रावधान	1,000.00
7.	कार्यचालन पूंजी	57,000.00
	जोड़	1,00,000.00

5. वित्त-व्यवस्था के साधन :

क्रम संख्या	स्रोत	रकम (रुपयों में)	प्रतिशतता
1.	प्रमोटर का अंशदान	शून्य	शून्य
2.	एमएमएल (एससीए)	10,000.00	10.00

3.	मियादी ऋण-एनएसटीएफडीसी	90,000.00	90.00
	जोड़	1,00,000.00	100.00

टिप्पणी : राज्य चैनेलाइजिंग एजेंसियां अपने निगम के मानदंडों के अनुसार लाभार्थी (लाभार्थियों) को सब्सिडी मुहैया कराने की व्यवस्था करेंगी। इसके अलावा एससीए भी अन्य केंद्रीय प्रायोजित योजनाओं से प्रोत्साहन / सब्सिडी उपलब्ध कराने के लिए प्रयास करेंगे।

6. कार्यचालन पूंजी की आवश्यकता :

क्रम संख्या	ब्योरे	रकम (रुपयों में)
1.	लाल मिर्च 1.5 क्विंटल प्रतिमाह : 5,000 रुपये प्रति क्विंटल की दर से	7,500.00
2.	जीरा 1.5 क्विंटल प्रतिमाह : 12,000 रुपये प्रति क्विंटल की दर से	18,000.00
3.	धनिया 1.5 क्विंटल प्रतिमाह : 5,500 रुपये प्रति क्विंटल की दर से	8,250.00
4.	हल्दी 1.5 क्विंटल प्रतिमाह : 4,000 रुपये प्रति क्विंटल की दर से	6,000.00
5.	पैकिंग की थैलियां और प्रिंटिंग	3,000.00
6.	वेतन और मजदूरी	5,500.00
7.	तैयार किया जा रहा माल	3,000.00
	तैयार माल	6,000.00
	जोड़	57,250.00

7. वेतन और मजदूरी (प्रतिवर्ष) :

क्रम संख्या	पदनाम	संख्या	वेतन (रुपये) प्रतिमाह	वेतन (रुपये) प्रति वर्ष
1.	प्रबंधक	स्वयं		
2.	कुशल कर्मकार	1	2,500.00	30,000.00
3.	हेल्पर	2	3,000.00	36,000.00
	जोड़		5,500.00	66,000.00

8. उपरिव्यय (प्रतिवर्ष) :

क्रम संख्या	ब्योरे	रकम (रुपयों में)
1.	प्रिंटिंग और लेखन-सामग्री	2,000.00
2.	मरम्मत और अनुरक्षण	2,000.00
3.	यात्रा और सवारी	2,000.00

4.	बिजली	18,000.00
5.	विविध व्यय	1,000.00
	जोड़	25,500.00

9. बिक्री से प्राप्त आय (प्रतिवर्ष)

क्रम संख्या	ब्योरे	रकम (रुपयों में)
1	मिर्ची पाउडर की बिक्री – 1,745 किलोग्राम : 60 रुपये प्रति किलोग्राम की दर से	1,04,700.00
2.	जीरा पाउडर की बिक्री – 1,745 किलोग्राम : 165 रुपये प्रति किलोग्राम की दर से	2,87,925.00
3	धनिया पाउडर की बिक्री – 1745 किलोग्राम : 100 रुपये प्रति किलोग्राम की दर से	1,74,500.00
4.	हल्दी पाउडर की बिक्री – 1745 किलोग्राम : 80 रुपये प्रति किलोग्राम की दर से	1,39,600.00
	जोड़	7,06,725.00

10.एस एल एम पर मूल्यह्रास :

क्रम संख्या	परिसंपत्तियां	रकम (रुपयों में)	मूल्यह्रास की दर	रकम (रुपयों में)
1.	मशीनरी और औजार	27,750.00	10 प्रतिशत	2,775.00
2.	विविध स्थायी परिसंपत्तियां और बिजली	5,250.00	10 प्रतिशत	525.00
3.	भवन / शेड	8,000.00	5 प्रतिशत	400.00
	जोड़			3,700.00

11. परियोजना का अर्थशास्त्र :

क्रम संख्या	ब्योरे	रकम (रुपयों में) पहले वर्ष से
क.	कार्य दिनों की संख्या	300
ख.	क्षमता का उपयोग (प्रतिशत)	100.00
ग.	बिक्री से प्राप्त आय	7,06,725.00
घ.	उत्पादन की लागत	
(i)	कच्चा माल	4,77,000.00
(ii)	पैकिंग सामग्री	36,000.00

(iii)	वेतन / मजदूरी और एसए	1,14,00.00
(iv)	उपरिव्यय	25,000.00
	जोड़	6,52,000.00
ङ.	सकल लाभ	54,725.00
च.	ऋण पर ब्याज (6 प्रतिशत प्रति वर्ष की दर से)	6,000.00
छ.	मूल्यह्रास	3,700.00
ज.	निवल लाभ	45,025.00
झ.	नकद लाभ	48,725.00

12. संभाव्यता संकेतक :

क्रम संख्या	ब्योरे	रकम (रुपयों में)
1.	वापसी प्रतिवर्ष (अवधि – 5 वर्ष)	20,000.00
2.	निवेश पर प्राप्ति	45 प्रतिशत
3.	ऋण की चुकौती संबंधी अनुपात	2.10 प्रतिशत

परियोजना प्रोफाइल

14. लाभार्थियों के लिए ब्याज, ऋण-स्थगन और वापसी अवधि

(क) ब्याज : एनएसटीएफडीसी के मियादी ऋण पर 6 प्रतिशत प्रतिवर्ष

(ख) ऋण-स्थगन अवधि : एससीए द्वारा निधियां जारी किए जाने की तारीख से 6 माह

(ग) वापसी अवधि : 5 वर्ष, जिसमें ऋण-स्थगन अवधि शामिल नहीं है।

15. पूर्वानुमान / अभ्युक्तियां

- यथेष्ट कार्यचालन पूंजी के चक्र का अनुमान आवश्यकता के हिसाब से लगाया गया है। कच्चा माल स्थानीय क्षेत्रों से खरीदा जाए और जहां कहीं लागू हो, इनकी दरें (कोटेशन) प्राप्त की जा सकती हैं।
- परियोजना की लागत अलग-अलग राज्यों और क्षेत्रों में अलग-अलग हो सकती है।
- ऐसा माना जाता है कि इन उत्पादों / सेवाओं की अच्छी मांग है और लाभार्थियों को संगत क्षेत्रों का अनुभव है।

5. छाता विनिर्माण

1. प्रस्तावना :

छाते का प्रयोग गर्मी और वर्षा से लोगों को बचाने के लिए क्रमशः गर्मी और बरसात के मौसम में किया जाता है। भारत में गर्मी के दिन बहुत कठिन होते हैं, इसलिए बुजुर्ग और महिलाएं अपने बचाव के लिए छाते का प्रयोग करते हैं।

छाते का विनिर्माण सामान्यतः हाथ से किया जाता है। इसका विनिर्माण कपड़ा, सुई और धागे आदि जैसी विभिन्न मदों का संयोजन करके किया जाता है और उसके बाद सिलाई करके इसे अंतिम आकार दिया जाता है।

2. बाजार की संभावनाएं **:**

देश के लगभग सभी भागों में छाते की मांग रहती है। सभी वर्गों की मांग को पूरा करने के लिए विभिन्न प्रकार और रंग के छाते उपलब्ध होते हैं।

3. तकनीकी विवरण **:**

छाते का प्रयोग गर्मी और बरसात के मौसम में किया जाता है, चूंकि ये दोनों मौसम लगभग आधे वर्ष तक रहते हैं, इसलिए सभी वर्गों के लोग छाते पर पूर्णतः निर्भर होते हैं। इस बात को ध्यान में रखते हुए छाते के विपणन की संभावना बहुत अधिक है। विनिर्माण प्रक्रिया में कपड़े को अपेक्षित नाप में काटा जाता है और सिलाई मशीन से सिला जाता है। तीली, हैंडल, पीतल के छल्ले, एमएस पाइप आदि स्थानीय बाजार से आसानी से खरीदे जा सकते हैं।

4. परियोजना की लागत :

क्रम संख्या	मद	कुल लागत (रुपये लाखों में)
1.	भवन	किराए पर
2.	संयंत्र और मशीनरी	0.37
3.	आरंभिक और प्रचालन पूर्व व्यय, जिसमें कार्यान्वयन अवधि का ब्याज भी शामिल है।	0.10
4.	कार्यचालन पूंजी	0.21
	जोड़	0.68

5. वित्त-व्यवस्था के साधन :

क्रम संख्या	स्रोत	रकम (रुपयों में)	प्रतिशतता

1.	प्रमोटर का अंशदान	शून्य	शून्य
2.	एमएमएल-एससीए	8,000.00	11.76
3.	मियादी ऋण-एनएसटीएफडीसी	60,000.00	88.24
	जोड़	68,000.00	100.00

टिप्पणी : राज्य चैनेलाइजिंग एजेंसियां अपने निगम के मानदंडों के अनुसार लाभार्थी (लाभार्थियों) को सब्सिडी मुहैया कराने की व्यवस्था करेंगी। इसके अलावा एससीए भी अन्य केंद्रीय प्रायोजित योजनाओं से प्रोत्साहन / सब्सिडी उपलब्ध कराने के लिए प्रयास करेंगे।

6. कच्चे माल की आवश्यकता :

क्रम संख्या	ब्योरे	मात्रा	यूनिट दर	रकम (रुपयों में)
1	कपड़ा	1800 मीटर	12.50	22,500.00
2.	छाते की तीलियां	9600 मीटर	1.50	14,400.00
3.	पीतल के छल्ले	1200	1.50	1,800.00
4.	एमएस पाइप	3200 मीटर	1.50	4,800.00
5.	प्लास्टिक का हैंडिल	1200	2.50	3,000.00
6.	स्प्रिंग और क्लिप	1200	0.50	600.00
7.	झिरीदार कैप पाइप	1200	0.50	600.00
8.	धागा	1200	0.50	600.00
9.	इलास्टिक टेप	200	10.00	2000.00
10.	छल्ले (रनर)	1200	1.25	1,500.00
	जोड़			51,800.00
	अर्थात्			52,000.000

7. जन-शक्ति की आवश्यकता :

क्रम संख्या	ब्योरे	संख्या	वेतन प्रति माह	जोड़ (रुपयों में)
1.	प्रबंधक	स्वयं	-	-
2.	कुशल कर्मकार	3	2,500.00	7,500.00
3.	अकुशल कर्मकार	2	2,000.00	4,000.00
			जोड़	11,500.00

8. अन्य व्यय (प्रतिमाह) :

क्रम संख्या	ब्योरे	रकम (रुपयों में)
1.	किराया	1,500.00
2.	बिजली और पानी	1,000.00
3.	लेखन-सामग्री	300.00
4.	टेलीफोन और डाक टिकट	500.00
5.	यात्रा व्यय	600.00
6.	उपभोज्य सामान	1,000.00
7.	विज्ञापन	500.00
8.	विविध व्यय	1,000.00
	जोड़	6,400.00

9. कार्यचालन पूंजी की आवश्यकता :

क्रम संख्या	ब्योरे	रकम (रुपयों में)
1.	कच्चा माल	52,000.00
2.	वेतन और मजदूरी	11,500.00
3.	अन्य व्यय	6400.00
	जोड़	69,900.00
	अर्थात्	70,000.00

10. 100 प्रतिशत क्षमता का उपयोग करने पर बिक्री : (1100) कार्यचालन पूंजी का मार्जिन 30 प्रतिशत की दर से = 21,000.00 रुपये

क्रम संख्या	ब्योरे	मात्रा	यूनिट की कीमत	जोड़ (रुपयों में)
1.	छाते	880 (80 प्रतिशत)	90.00	79,200.00
			12 माह के लिए	9,50,400.00

परियोजना प्रोफाइल

11. परियोजना का अर्थशास्त्र :

(रुपये लाखों में)

क्रम संख्या	ब्योरे	पहले वर्ष से
क.	वर्ष में कार्य दिनों की संख्या	300 दिन
ख.	बिक्री से प्राप्त आय	9.50
ग.	उत्पादन की लागत	
(i)	कच्चा माल	6.24
(ii)	वेतन / मजदूरी	1.38
(iii)	अन्य व्यय	0.77
(iv)	आहार भत्ता	0.48
	जोड़	8.87
घ.	सकल लाभ (क-ग)	0.63
ड.	ब्याज	0.04
च.	मूल्यह्रास (20 प्रतिशत)	0.07
छ.	कर पूर्व लाभ	0.52
ज.	कर देयता	-

झ.	कर पश्चात लाभ	0.52
ञ.	नकद लाभ	0.59

12. संभाव्यता संकेतक :

क्रम संख्या	ब्योरे	रकम (रुपयों में)
1.	वापसी प्रतिवर्ष (अवधि – 5 वर्ष)	0.14
2.	निवेश पर प्राप्ति	76.47 प्रतिशत
3.	ऋण की चुकौती संबंधी अनुपात	3.50 प्रतिशत

13. लाभार्थियों के लिए ब्याज, ऋण-स्थगन और वापसी अवधि

(क) ब्याज : एनएसटीएफडीसी के मियादी ऋण पर 6 प्रतिशत प्रतिवर्ष

(ख) ऋण-स्थगन अवधि : एससीए द्वारा निधियां जारी किए जाने की तारीख से 6 माह

(ग) वापसी अवधि : 5 वर्ष, जिसमें ऋण-स्थगन अवधि शामिल नहीं है।

14. पूर्वानुमान / अभ्युक्तियां

- यथेष्ट कार्यचालन पूंजी के चक्र का अनुमान आवश्यकता के हिसाब से लगाया गया है। कच्चा माल स्थानीय क्षेत्रों से खरीदा जाए और जहां कहीं लागू हो, इनकी दरें (कोटेशन) प्राप्त की जा सकती हैं।
- परियोजना की लागत अलग-अलग राज्यों और क्षेत्रों में अलग-अलग हो सकती है।
- ऐसा माना जाता है कि इन उत्पादों / सेवाओं की अच्छी मांग है और लाभार्थियों को संगत क्षेत्रों का अनुभव है।

सेवा क्षेत्र

चित्र

परियोजना प्रोफाइल

1. ऑटोरिक्शा

1. प्रस्तावना :

ऑटोरिक्शा आज गांव और बड़े शहरों में यात्रा का महत्वपूर्ण और नियमित साधन है। यह परिवहन के अन्य साधनों की सुलना में सस्ता और सुविधाजनक है। मध्यम या कम आय बाले सभी प्रकार के लोग अपनी दिन-प्रतिदिन की यात्रा के लिए ऑटोरिक्शाक पर निर्भर हैं।

2. बाजार की संभावना :

ऑटोरिक्शा की याद हमें गांव और शहरों के बीच आने-जाने के लिए विशेष रूप से आती है। आज यह वाहन आसानी से उपलब्ध है और इसके तीन प्रसिद्ध विनिर्माता और उनके मॉडल आज विद्यमान हैं। यह प्रयोजना रिपोर्ट बजाज, महिंद्रा और पियाजिओ के अनुसार तैयार की गई है।

3. तकनीकी विवरण :

(क) प्रचालन :

यह वाहन बड़े-बड़े नगरों और शहरों में एक स्थान से दूसरे स्थान तक जाने के लिए उपयोग में लाया जाएगा, जिसमें यात्रियों और यदि आवश्यक हो, तो माल को लाया-लेजाया जाएगा। यह वाहन एक शहर / गांव और दूसरे शहर / गांव की बीच एक स्थान से दूसरे स्थान तक भी चल सकते हैं। मेलों, शोभायात्राओं आदि जैसे कुछ विशेष अवसर ऐसे होते हैं, जिनमें सामान्यत: वे अधिक आय कमा सकते हैं।

(ख) परिचालन लक्षय : 150 किलोमीटर प्रतिदिन

(ग) वाहन का विवरण :

क्रम संख्या	मद	मात्रा	दर (रुपयों में)	मूल्य (रुपयों में)
1.	बजाज ऑटो रिक्शा ऑटो रिक्शा-आरई स्ट्रोक	1	1	90,600.00
2.	बीमा, पंजीकरण नंबर प्लेट आदि	-	-	6,000.00
			जोड़	96,000.00

4. परियोजना की लागत :

क्रम संख्या	मद	रकम (रुपयों में)
1.	वाहन की लागत	96,600.00
2.	आरंभिक और प्रचालन पूर्व व्यय	1,000.00
3.	कार्यचालन पूंजी	1,000.00
	जोड़	98,000.00

5. वित्त-व्यवस्था के साधन :

क्रम संख्या	मद	रकम (रुपयों में)	प्रतिशतता
1.	प्रमोटर का अंशदान	-	-
2.	एनएसटीएफडीसी-मियादी ऋण	86,000.00	87.22
3.	एमएमएल-एससीए	12,600.00	12.78
	जोड़	96,600.00	100.00

टिप्पणी : राज्य चैनेलाइजिंग एजेंसियां अपने निगम के मानदंडों के अनुसार लाभार्थी (लाभार्थियों) को सब्सिडी मुहैया कराने की व्यवस्था करेंगी। इसके अलावा एससीए भी अन्य केंद्रीय प्रायोजित योजनाओं से प्रोत्साहन / सब्सिडी उपलब्ध कराने के लिए प्रयास करेंगे।

6. जन-शक्ति की आवश्यकता :

क्रम संख्या	श्रेणी	संख्या	वेतन प्रति व्यक्ति प्रतिमाह	जोड़ (रुपयों में) 1 वर्ष के लिए
1.	स्वयं (चालक)	1	2,500.00	30,000.00
			जोड़	30,000.00

7. ईंधन की आवश्यकता (जिसमें उपभोज्य सामग्री प्रतिवर्ष भी शामिल है)

क्रम संख्या	मद	मात्रा	दर (रुपयों)	मूल्य (रुपयों में)
1.	पेट्रोल	1800 लिटर	55.00	99,000.00
2.	इंजन ऑयल और अन्य उपभोज्य सामग्री	-	-	10,000.00

	जोड़	1,09,000.00

8. कार्यचालन पूंजी :

क्रम संख्या	मद	अवधि	रकम (रुपयों में)
1.	ईंधन	1 दिन	330.00
2.	अतिरिक्त पुर्जे, उपभोज्य सामग्री	1 सप्ताह	300.00
3.	रोकड़ शेष		370.00
	जोड़		1,000.00

9. परियोजना का अर्थशास्त्र :

क्रम संख्या	मद	रकम (रुपयों में)
क.	परचालनात्मक व्यय : 5 रुपये प्रति किलो मीटर X 150 किलो मीटर प्रति दिन X 300 दिन	2,25,000.00
ख.	उत्पादन की लागत	
(i)	ईंधन	1,09,000.00
(ii)	बीमा	3,000.00
(iii)	मरम्मत और अनुरक्षण	6,000.00
(iv)	ब्याज	5,916.00
(v)	वेतन और मजदूरी	30,000.00
(vi)	विविध व्यय	5,000.00
	जोड़	1,58,916.00
ग	नकद लाभ (क-ग)	66,084.00
घ.	मूल्यह्रास : स्थाई परिसंपत्तियों की लागत के 15 प्रतिशत की दर से	14,000.00
ड.	कर पूर्व लाभ (ग-घ)	52,084.00
च.	कर	-
छ.	कर पश्चात लाभ	52,084.00

10. संभाव्यता संकेतक :

क्रम संख्या	ब्योरे	रकम (रुपयों में)
1.	वापसी प्रतिवर्ष (अवधि – 5 वर्ष)	19,720.00
2.	निवेश पर प्राप्ति	52.82 प्रतिशत
3.	ऋण की चुकौती संबंधी अनुपात	2.81 प्रतिशत

टिप्पणी :

1. आर्थिक संभाव्यता ईंधन से मील-दूरी (माइलेज) पर बहुत निर्भर करता है। अतः वाहन का अच्छी स्थिति में रख-रखाव अत्यंत आवश्यक है।
2. वाहन का अनुरक्षण ऐहतियात के तौर पर किया जाना चाहिए न कि खराब होने पर।
3. वाहन को वाहन के मालिक द्वारा चलाया जाना चाहिए और वाहन के मालिक को छोटी-मोटी मरम्मत / अनुरक्षण करना आना चाहिए।

11. लाभार्थियों के लिए ब्याज, ऋण-स्थगन और वापसी अवधि

(क) ब्याज : एनएसटीएफडीसी के मियादी ऋण पर 6 प्रतिशत प्रतिवर्ष

(ख) ऋण-स्थगन अवधि : एससीए द्वारा निधियां जारी किए जाने की तारीख से 3 माह

(ग) वापसी अवधि : 5 वर्ष, जिसमें ऋण-स्थगन अवधि शामिल नहीं है।

12. सामान्य अभ्युक्तियां :

- वाहन की लागत का हिसाब ऐसे स्तरीय / प्रतिष्ठित आपूर्तिकर्ताओं द्वारा विनिर्मित मदों के आधार पर लगाया गया है, जिनका सेवा-संबंधी अच्छा नेटवर्क हो। बेहतर होगा कि आपूर्तिकर्ता स्थानीय क्षेत्रों या नजदीकी राज्यों के हों।
- परियोजना की लागत अलग-अलग राज्यों और क्षेत्रों में अलग-अलग हो सकती है।
- ऐसा माना जाता है कि इन उत्पादों / सेवाओं की अच्छी मांग है और प्रमोटरों को संगत क्षेत्रों का अनुभव है।

2. ब्यूटी पार्लर शॉप

1. प्रस्तावना :

सुंदरता ईश्वर की देन है और यह आनुवंशिक होती है, अर्थात् एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी में संप्रेषित होती है। ब्यूटी पार्लर शॉप प्रत्येक आयु वर्ग, पुरुषों, महिलाओं और बच्चों की आवश्यकता है। कीट्स ने सुंदरता शब्द को इस प्रकार परिभाषित किया है कि "सुंदरता अनश्वर होती है"। ब्यूटी पार्लर सौंदर्य प्रसाधनों, केशों के उपचार और विभिन्न विधियों से त्वचा का पोषण करके लोगों को सुदर्शन बनाने के लिए बहुत महत्वपूर्ण शॉप है।

2. बाजार की संभावना :

प्राचीनकाल से से ही लोग त्वचा के उपचार के लिए चंदन के तेल, हल्दी के पाउडर और दूध आदि का उपयोग करते रहे हैं, लेकिन अब लोग अधिक शिक्षित हो गए हैं, इसलिए उन्हें त्वचा, केशों, नाखूनों और दांतों के उचित और व्यावसायिक उपचार की आवश्यकता होती है। एक अच्छा ब्यूटीपार्लर प्रत्येक नगर, शहर और अन्य स्थानों पर होना आवश्यक है। ब्यूटी पार्लर का कार्य पुरुषों, महिलाओं और बच्चों के सौंदर्यीकरण के लिए एक विशिष्ट कार्य है, जिसमें वह केश सज्जा करने, केश रंगने और अवांछित केशों को हटाने का कार्य करता है। त्वचा का उपचार भी एक महत्वपूर्ण विशिष्टता है। प्रत्येक व्यक्ति चमकदार और झुर्री मुक्त और साफ-सुथरी त्वचा चाहता है। इसके कारण ब्यूटीशियन का कार्य बहुत लाभकारी हो गया है।

3. तकनीकी विवरण :

ब्यूटी पार्लर का कार्य एक विशेषज्ञतापूर्ण कार्य है। इसके लिए उचित प्रशिक्षण और अभ्यास आवश्यक है।

4. परियोजना की लागत :

क्रम संख्या	मद	कुल लागत (रुपयों में)
1.	भवन : 10 X 15 वर्ग फुट	किराए पर
2.	संयंत्र और मशीनरी (जिसमें संस्थापन भी शामिल है।	27,000.00
3.	विविध स्थाई परिसंपत्तियां	2,000.00
4.	फर्नीचर और जुड़नार	10,000.00
5.	आरंभिक और प्रचालन पूर्व व्यय	500.00
6.	आकस्मिक व्यय, जिसमें लागत वृद्धि भी शामिल है।	4,280.00
7.	कार्यचालन पूंजी	46,600.00
	जोड़	90,380.00
	अर्थात्	90,000.00

5. वित्त-व्यवस्था के साधन :

क्रम संख्या	मद	रकम (रुपयों में)	प्रतिशतता
1.	प्रमोटर का अंशदान	-	-
2.	एमएमएल-एससीए	12,000.00	13.00
3.	एनएसटीएफडीसी -मियादी ऋण	78,000.00	86.67
	जोड़	90,600.00	100.00

टिप्पणी : राज्य चैनेलाइजिंग एजेंसियां अपने निगम के मानदंडों के अनुसार लाभार्थी (लाभार्थियों) को सब्सिडी मुहैया कराने की व्यवस्था करेंगी। इसके अलावा एससीए भी अन्य केंद्रीय प्रायोजित योजनाओं से प्रोत्साहन / सब्सिडी उपलब्ध कराने के लिए प्रयास करेंगे।

3 आवश्यक मदें :

क्रम संख्या	मद	कुल लागत (रुपयों में)
1.	बिजली (1 किलो वाट)	1,000.00
2.	पानी	200.00
	जोड़	1,200.00

7. जन-शक्ति की आवश्यकता :

क्रम संख्या	श्रेणी	संख्या	वेतन प्रति व्यक्ति प्रति माह (रुपयों में)	जोड़ (रुपये प्रति माह)
1.	प्रबंधक / सुपरवाइजर	1	4,000.00	4,000.00
2.	कुशल कर्मकार	2	2,500.00	5,000.00
3.	अकुशल कर्मकार	1	1,500.00	1,500.00
		अनुलब्धियां	15 प्रतिशत की दर से	1,575.00
			जोड़	12,075.00

8. कच्चे माल की आवश्यकता (प्रतिमाह) :

क्रम संख्या	मद	मात्रा	यूनिट दर (रुपयों में)	मूल्य (रुपयों में)
1.	हेयर शैंपू	5 लीटर	75	375.00
2.	हेयर डाई	-	-	1,000.00
3.	फेस क्रीम और लोशन	-	-	2,000.00
4.	हाइड्रोजन प्रति ऑक्साइड	2 लीटर	35	70.00
5.	एसिटोन	2 लीटर	40	80.00
6.	हेयर रिमूविंग वाक्स	5 किलोग्राम	90	450.00
7.	हेयर स्प्रे	2 सेट	75	150.00
8.	हेयर जैल	2 पैकेट	200	400.00
9.	पर्मिंग लोशन	2 पैकेट	250	500.00
10.	स्पंज कॉटन	-	-	500.00
11.	वर्गीकृत तौलिए	5	25	125.00
12.	सर्जिकल ग्लोब्स	2 जोड़े	25	50.000
13.	विविध मदें	-	-	500
			जोड़	6,200.00

9. कार्यचालन पूंजी की आवश्यकता :

क्रम संख्या	मद	अवधि (माह)	रकम (रुपयों में)
1.	कच्चा माल	1	6,200.00
2.	सामान और अतिरिक्त सामग्री	1	1,000.00
3.	प्रयोग में लाया जा रहा सामान	3	19,000.00
4.	प्राप्य-रकम / देनदार	3	19,700.00
5.	अन्य चालू परिसंपत्तियां	-	1,600.00
		जोड़	46,600.00

10. परियोजना का अर्थशास्त्र :

क. बिक्री से प्राप्त आय :

क्रम संख्या	मद	मात्रा	दर (रुपयों में)	मूल्य (रुपयों में)
1.	हेयर सेंटिंग / कटिंग	1800	25	45,000.00
2	हेयर; रिमूविंग	1900	25	47,500.00
3.	हेयर डाई	650	75	48,750.00
4.	फेसियल	1200	100	1,20,000.00
5.	क्लीनिंग	1200	30	36,000.00
6.	हाथों और पैरों का श्रृंगार			

(ख) प्रचालन की लागत :

क्रम संख्या	ब्योरे	रकम (रुपयों में)
(i)	कच्चा माल	74,400.00
(ii)	सामान और अतिक्त सामग्री	1,200.00
(iii)	आवश्यक मदें	14,400.00
(iv)	वेतन और मजदूरी	1,44,900.00
(v)	किराया	30,000.00

(vi)	परिवहन / भाड़ा	3,000.00
(vii)	सवारी और यात्रा	2,400.00
(viii)	व्यवस्था संबंधी उपरिव्यय (टेलीफोन, डाक टिकट और लेखन-सामग्री आदि)	5,000.00
(ix)	बिक्री संबंधी व्यय (जिसमें विज्ञापन, कमीशन और छूट भी शामिल है)	2,400.00
(x)	मरम्मत और अनुरक्षण	2,000.00
(xi)	ब्याज	5,400.00
(xii)	विविध व्यय	4,000.00
	उत्पादन की कुल लागत	2,89,100.00
ग.	नकद लाभ (क-ख)	68,150.00
घ.	मूल्यह्रास (स्थायी परिसंपत्तियों के 15 प्रतिशत की दर से)	5,850.00
ङ.	निवल लाभ	62,300.00

11. संभाव्यता संकेतक :

क्रम संख्या	ब्योरे	रकम (रुपयों में)
1.	वापसी प्रतिवर्ष (अवधि – 5 वर्ष)	18,000.00
2.	निवेश पर प्राप्ति	69.22 प्रतिशत
3.	ऋण की चुकौती संबंधी अनुपात	3.14 प्रतिशत

परियोजना प्रोफाइल

टिप्पणी :

- ब्यूटी पार्लर के लिए कच्चा माल थोक व्यापारी से स्थानीय रूप में उपलब्ध होता है।
- उधार लेकर परियोजना के कार्यचालन पूंजी के घटक को कम किया जा सकता है।
- स्थानीय बाजार से खरीदे गए कच्चे माल की लागत की प्रतिशतता बढ़ाकर अधिक लाभ कमाया जा सकता है।

12. लाभार्थियों के लिए ब्याज, ऋण-स्थगन और वापसी अवधि

(क) ब्याज : एनएसटीएफडीसी के मियादी ऋण पर 6 प्रतिशत प्रतिवर्ष

(ख) ऋण-स्थगन अवधि : एससीए द्वारा निधियां जारी किए जाने की तारीख से 6 माह

(ग) वापसी अवधि : 5 वर्ष, जिसमें ऋण स्थगन-अवधि शामिल नहीं है।

13. सामान्य अभ्युक्तियां

- संयंत्र और मशीनरी की लागत का हिसाब ऐसे स्तरीय / प्रतिष्ठित आपूर्तिकर्ताओं द्वारा विनिर्मित मदों के आधार पर लगाया गया है, जिनका सेवासंबंधी अच्छा नेटवर्क हो। बेहतर होगा कि आपूर्तिकर्ता स्थानीय क्षेत्रों या नजदीकी राज्यों के हों।

- यथेष्ट कार्यचालन पूंजी चक्र का हिसाब आवश्यकता के अनुसार लगाया गया है। कच्चा माल स्थानीय क्षेत्रों से खरीदा जाए।
- परियोजना की लागत अलग-अलग राज्यों और क्षेत्रों में अलग-अलग हो सकती है।
- ऐसा माना जाता है कि इन उत्पादों / सेवाओं की अच्छी मांग है और प्रमोटरों को संगत क्षेत्रों का अनुभव है।

3. साइकिल की बिक्री और मरम्मत की दुकान

1. प्रस्तावना :

इस परियोजना के अधीन मुख्य रूप से नई साइकिल की बिक्री, पुरानी साइकिल की मरम्मत और अनुरक्षण तथा उसकी सर्विसिंग और ग्राहक की मांग के अनुसार साइकिल में अतिरिक्त पुर्जे लगाने के प्रयोजन के लिए साइकिल मरम्मत की दुकान स्थापित की जाती है। इस प्रकार कार्य-स्थल का चयन करते समय यह देखना होता है कि यह दुकान पर्याप्त रूप से बड़ी हो, सड़क के किनारे और ऐसे स्थान पर स्थित हो, जहां सड़क पर साइकिलों की अधिकतम आवा-जाही हो। चूंकि साइकिल की मरम्मत करने से संबंधित तकनीकों के लिए अधिक कौशल की आवश्यकता नहीं होती है, इसलिए साइकिल की किसी दुकान में कुछ कार्यरत प्रशिक्षण से यह कार्यकलाप किया जा सकता है और बाद में दिन-प्रतिदिन के अनुभव से ज्ञान को परिष्कृत किया जा सकता है। इन कार्यकलापों की पूर्णत: शुरूआत करने के लिए कार्य-स्थल को स्थापित करने संबंधी औपचारिकताओं को पूरा करने, आवश्यक बुनियादी सुविधाओं की व्यवस्था करने और प्रारंभिक बाजार की पहचान आदि जुटाने में लगभग 5 माह का समय लग जाएगा।

2. बाजार की संभावना :

जनसंख्या में वृद्धि होने से आने-जाने वालों को निजी परिवहन के आसान साधन की व्यवस्था की हमेशा मांग रहती है। वर्तमान में उपलब्ध सभी साधनों में से बाईसाइकिल को सबसे सस्ता और सबसे अधिक सुविधाजनक साधन समझा जाता है। ऑटोमोबाइल की ऊंची कीमतों और ईंधन की कमी, पर्यावरण संबंधी प्रदूषण आदि की समस्या के कारण ग्रामीण तथा शहरी क्षेत्रों के लोग अपनी दैनिक यात्रा के लिए बाईसाइकिल ले रहे हैं। अत: साइकिल मरम्मत की दुकान का भविष्य बहुत उज्वल है।

साइकिलों की मरम्मत / अनुरक्षण और उसी दुकान में उनके अतिरिक्त पुर्जों की उपलब्ता तथा साइकिल की बिक्री / साइकिलों को भाड़े पर देने जैसी साइकिल से संबंधित सेवा प्रदान करने से अधिक से अधिक ग्राहकों को आकर्षित करने में सहायता मिलती है। दुकान के मालिक को

चाहिए कि वह बाजार के रुख के संबंध में दूरदृष्टिता रखे और बाजार के रुख के अनुसार साइकिलों की दरों / रेंज को घटाता-बढ़ाता रहे।

3. तकनीकी विवरण :

(क) दुकान के कार्यकलाप :

इस कार्यकलाप में साइकिलों की मरम्मत और अनुरक्षण, नई साइकिलों और अतिरिक्त पुर्जों की बिक्री करनी होती है। अत: दुकान में कार्य करने वाले कर्मकारों को इस कार्यकलाप के व्यावहारिक कार्यों, यथा साइकिल को जोड़ने और खोलने का कुछ ज्ञान और अनुभव होना आवश्यक है। इन कर्मकारों को ट्यूब के लीक होने / पंचर होने की मरम्मत करने में भी सक्षम होना चाहिए और उन्हें टायर और अन्य मदों की मरम्मत / उन्हें निकालने की विधि का ज्ञान होना चाहिए। दुकान में कार्य करने वाले सभी कार्मिकों को प्रत्येक अतिरिक्त पुर्जे के नाम, ब्रांड, आकार और कीमत आदि की भी जानकारी होनी चाहिए।

दुकान के मालिक को इस स्थिति में होना चाहिए कि वह पुरानी साइकिल को ठीक करने के लिए मरम्मत, अनुरक्षण और पुर्जे बदलने के बारे में ग्राहकों को बेहतर विकल्प दे सके। वह साइकिलों की अलग–अलग ब्रांडों की कीमतों, प्रोत्साहन योजनाओं आदि और अन्य ग्राहकों की विद्यमान पसंद के रुख के बारे में सूचना देकर भी ग्राहकों के साइकिल खरीदने के निर्णय लेने में उनकी सहायता कर सकता है।

(ख) कुल कारोबार (प्रतिवर्ष)

क्रम संख्या	मद	रकम (रुपयों में)
1.	औसतन 300 नई साइकिलों की बिक्री : 2000 रुपये प्रति साइकिल की दर से	6,00,000.00
2.	अतिरिक्त पुर्जों और सहायक साज सामान की बिक्री (वर्गीकृत मदें और मात्रा)	80,000.00
3.	मरम्मत कार्य	70,000.00
	जोड़	7,50,000.00

(ग) आवश्यक मदें (प्रतिमाह)

1.	बिजली	1 किलो वाट
2.	पानी	200 लीटर

4. नई साइकिलों का विवरण :

क्रम संख्या	मद	मात्रा (संख्या)	दर (रुपयों में)	मूल्य (रुपयों में)
1.	नई साइकिल	25	1,700.00	42,500.00
			जोड़	42,500.00

5. परियोजना की लागत :

क्रम संख्या	मद	कुल लागत (रुपयों में)
1.	भवन / दुकान	किराए पर
2.	नई साइकिलों की लागत	42,500.00
3.	विविध स्थायी परिसंपत्तियां (हाथ के औजार, जुड़नार आदि)	10,000.00

4.	फर्नीचर और जुड़नार	10,000.00
5.	आरंभिक और प्रचालन पूर्व व्यय	5000.00
6.	आकस्मिक व्यय, जिसमें लागत वृद्धि भी शामिल है।	5,000.00
7.	कार्यचालन पूंजी	22,500.00
	जोड़	95,000.00

6. वित्त-व्यवस्था के साधन :

क्रम संख्या	ब्योरे	कुल लागत (रुपयों में)	प्रतिशतता
1.	प्रमोटर का अंशदान	-	-
2.	एमएमएल-एससीए	11,000.00	11.58
3.	एनएसटीएफडीसी-मियादी ऋण	84,000.00	88.42
	जोड़	95,000.00	100.00

टिप्पणी : राज्य चैनेलाइजिंग एजेंसियां अपने निगम के मानदंडों के अनुसार लाभार्थी (लाभार्थियों) को सब्सिडी मुहैया कराने की व्यवस्था करेंगी। इसके अलावा एससीए भी अन्य केंद्रीय प्रायोजित योजनाओं से प्रोत्साहन / सब्सिडी उपलब्ध कराने के लिए प्रयास करेंगे।

7. आवश्यक मदें :

क्रम संख्या	ब्योरे	रकम (रुपयों में)
1.	बिजली (1 किलो वाट X 8 घंटे X 25 दिन X 12 माह 4 रुपये प्रति केडब्लूएच)	9,600.00
2.	पानी (200 लीटर X 12 माह : 1 रुपये प्रति लीटर)	2,400.00
	जोड़	12,000.00

8. कच्ची सामग्री की आवश्यकता (जिसमें उपभोज्य सामग्री प्रतिमाह भी शामिल है)

क्रम संख्या	मद	मात्रा	दर (रुपये)	मूल्य (रुपये)
1.	साइकिल के अतिरिक्त पुर्जे	एलएस	एलएस	8,000.00
2.	उपभोज्य सामग्री (मिट्टी का तेल, स्नेहक तेल, गिरीज, रबर का घोल, पुराने कपड़े, पुरानी रुई, रेगमाल आदि)	एलएस	एलएस	2,000.00
			जोड़	10,000.00

9. जन-शक्ति की आवश्यकता :

क्रम संख्या	श्रेणी	संख्या	वेतन प्रति व्यक्ति प्रतिमाह (रुपये)	जोड़ (रुपये प्रतिमाह)
1.	प्रबंधक (मालिक स्वयं)	1	4,000.00	4,000.00
2.	कुशल कर्मकार	1	3,000.00	3,000.00
3.	अर्ध- कुशल कर्मकार	1	2,000.00	2,000.00
			जोड़	9,000.00

10. कार्यचालन पूंजी की आवश्यकता (पूर्ण क्षमता के उपयोग पर) :

क्रम	मद	अवधि (माह)	रकम (रुपयों में)

संख्या			
1.	सामान और अतिरिक्त पुर्जे (जिनमें उपभोज्य सामग्री भी शामिल है)	1/2	1,000.00
2.	तैयार माल (बिक्री के लिए अतिरिक्त पुर्जे)	1/2	4,500.00
3.	प्राप्य रकम/ देनदार	1	6,500.00
4.	अन्य चालू परि संपत्तियां	-	10,500.00
		जोड़	22,500.00

11. परियोजना का अर्थशास्त्र (वार्षिक):

क्रम संख्या	मद	रकम (रुपयों में)
क.	बिक्री से प्राप्त आय-	
(i)	औसतन 300 नई साइकिलों की बिक्री : 200 रुपये प्रति साइकिल की दर से	6,00,000.00
(ii)	अतिरिक्त पुर्जों और सहायक सामान की बिक्री (वर्गीकृत मदें)	80,000.00
(iii)	साइकिल में हवा भरने आदि की मरम्मत और अनुरक्षण	70,000.00
	जोड़	7,50,000.00
ख.	प्रचालन की लागत	
(i)	साइकिलों की खरीद (नई साइकिलें, अतिरिक्त पुर्जे आदि)	5,10,000.00
(ii)	सामान और अतिरिक्त पुर्जे (जिनमें उपभोज्य सामग्री भी शामिल है)	12,000.00
(iii)	आवश्यक मदें (बिजली और पानी)	12,000.00
(iv)	वेतन और मजदूरी	1,08,000.00
(v)	किराया : 2000 रुपये प्रतिमाह की दर से	24,000.00
(vi)	परिवहन /भाड़ा	10,000.00
(vii)	सवारी और यात्रा व्यय	6,000.00
(viii)	व्यवस्था संबंधी उपरिव्यय (टेलीफोन, डाक टिकट, लेखन-सामग्री)	3,000.00
(ix)	बिक्री संबंधी व्यय	3,000.00
(x)	मरम्मत और अनुरक्षण	3,000.00
(xi)	ब्याज	5,700.00
	जोड़	6,96,700.00
ग.	नकद लाभ (क-ख)	53,300.00

घ.	मूल्यह्रास : स्थायी परिसंपत्तियों पर 15 प्रतिशत की दर से	9,400.00
ङ.	कर पूर्व लाभ (ग-घ)	43,900.00
च.	कर (आयकर)	-
छ.	कर पश्चात लाभ	43,900.00

12. संभाव्यता संकेतक :

क्रम संख्या	ब्योरे	रकम (रुपयों में)
1.	वापसी प्रतिवर्ष (अवधि – 5 वर्ष)	19,000.00
2.	निवेश पर प्राप्ति	46.21 प्रतिशत
3.	ऋण की चुकौती संबंधी अनुपात	2.38 प्रतिशत

13. लाभार्थियों के लिए ब्याज, ऋण-स्थगन और वापसी अवधि

(क) ब्याज : एनएसटीएफडीसी के मियादी ऋण पर 6 प्रतिशत प्रतिवर्ष

(ख) ऋण-स्थगन-अवधि : एससीए द्वारा निधियां जारी किए जाने की तारीख से 6 माह

(ग) वापसी अवधि : 5 वर्ष, जिसमें ऋण-स्थगन अवधि शामिल नहीं है।

14. सामान्य अभ्युक्तियां :

- संयंत्र और मशीनरी की लागत का हिसाब ऐसे स्तरीय / प्रतिष्ठित आपूर्तिकर्ताओं द्वारा विनिर्मित मदों के आधार पर लगाया गया है, जिनका सेवा संबंधी अच्छा नेटवर्क हो। बेहतर होगा कि आपूर्तिकर्ता स्थानीय क्षेत्रों के हों।
- यथेष्ट कार्यचालन पूंजी चक्र का हिसाब आवश्यकता के अनुसार लगाया गया है।
- परियोजना की लागत अलग-अलग राज्यों और क्षेत्रों में अलग-अलग हो सकती है।
- ऐसा माना जाता है कि इन उत्पादों / सेवाओं की अच्छी मांग है और प्रमोटरों को संगत क्षेत्रों का अनुभव है।

4.फर्नीचर की दुकान

1. प्रस्तावना :

इस परियोजना के अधीन फर्नीचर की बिक्री के लिए दुकान खोलना है। स्थानीय लोगों की रुचि और खरीद करने की शक्ति के आधार पर यह यूनिट बिक्री यूनिट से बेचे जाने वाले फर्नीचर के प्रकार और गुणवत्ता का चयन करेगा। इस यूनिट को बाजार-स्थल में स्थापित करने का प्रयास किया जाना चाहिए, ताकि यह अधिक से अधिक लोगों को आकर्षित कर सके।

प्रस्तावित यूनिट में मध्य वर्गीय लोगों के लिए साधारण गुणवत्ता वाला फर्नीचर किफायती कीमत पर बेचेगा जाएगा। यूनिट के शो रूम में औसतन प्रत्येक मद को रखा जाएगा और विशिष्टियों, कीमत सूचियों आदि वाला एक व्यापक सूची-पत्र तैयार किया जाएगा, ताकि क्रेता तत्काल निर्णय ले सके। यूनिट को आस-पास के विश्वसनीय फर्नीचर के एसएसआई विनिर्माताओं से आवश्यक रूप से संपर्क रखना होगा। यह यूनिट, शोरूम से ग्राहकों को उत्पादों की आपूर्ति करेगा।

यूनिट को वाणिज्यिक क्षेत्र में दुकान लेनी होगी और दुकान को चलाने के लिए स्थानीय नगरपालिका / निगम से लाइसेंस प्राप्त करना होगा। इस दुकान से फर्नीचर की नियमित बिक्री शुरू होने से पहले बिजली बुनियादी सुविधाओं आदि की व्यवस्था करने में लगभग दो माह लग जाएंगे।

2. बाजार की संभावना :

बिक्री कारोबार विज्ञापन और प्रचार अभियान पर काफी हद तक निर्भर करेगा। नकद छूट देना / प्रोत्साहन योजनाओं संचारित करना, किराया खरीद योजनाओं का प्रस्ताव देना, समाचार-पत्र विक्रेताओं की सहायता से समाचार-पत्रों के माध्यम से घर-घर पर्चे (इश्तहार) वितरित करना, इश्तहारों को सार्वजनिक स्थलों पर चिपकाना, स्थानीय सिनेमाघरों में स्लाइड दिखाना, सेल्स मेन आदि के लिए प्रोत्साहन योजना शुरू करना आदि बिक्री के कुछ प्रस्तावित तकनीक हैं। ग्राहकों द्वारा अपने मुंह से कोई बात कहना, प्रचार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, अत:

दुकान के मालिक को ग्राहकों की संतुष्टि पर बहुत ध्यान देना चाहिए। कार्यालयों, होटलों, रेस्तराओं, अस्पतालों और अन्य स्थानों से बड़ी मात्रा में मांग की अपेक्षा की जाती है, जबकि बिक्री काउंटर पर आने वाले अलग-अलग ग्राहकों से थोड़ी-थोड़ी बिक्री की अपेक्षा की जाती है। चारों तरफ आर्थिक समृद्धि होने के कारण फर्नीचर की मांग बढ़ती जा रही है और इसके अच्छे बाजार की संभावना विद्यमान है।

3. तकनीकी विवरण :

(क) दुकान के कार्यकलाप :

इन कार्यकलापों में उपलब्ध स्थान का यथेष्ट उपयोग, मदों की चमक और उनके प्रदर्शन के लिए शोरूम की व्यवस्था करनी होती है, ताकि ग्राहक का ध्यान आकर्षित किया जा सके। यूनिट ग्राहकों की अपेक्षित आवश्यकता के अनुसार मदों को रखेगा और अपने सूची-पत्र में दर्शाई गई मदों की यथाशीघ्र आपूर्ति करने के लिए आस-पास के एसएसआई फर्नीचर विनिर्माताओं से संपर्क करेगा। यह यूनिट आवश्यकता पड़ने पर फर्नीचर की, उचित दरों पर, ढुलाई करने के लिए स्थानीय ट्रांसपोर्टरों के साथ आवश्यक व्यवस्था करेगा। यह यूनिट सामान्य बाजार के सामान्य कार्य-घंटों के दौरान (10.00 बजे पूर्वाह्न से 7 बजे पूर्वाह्न तक और 2.00 बजे अपराह्न से 2.30 बजे अपराह्न तक आधे घंटे का भोजन अवकाश) अपनी दुकान खुला रहेगा। यह यूनिट विजिटिंग कार्ड तैयार करेगा, जिसमें टेलीफोन नंबर आदि का उल्लेख हो, ताकि ग्राहक किसी भी समय टेलीफोन पर संपर्क कर सके।

(ख) परियोजना / व्यापार का लक्षय (प्रतिवर्ष) :

क्रम संख्या	ब्योरे	रकम (रुपयों में)
1.	वर्गीकृत प्रकार और आकार के फर्नीचर की बिक्री	12,00,000.00

4. परियोजना की लागत :

क्रम संख्या	ब्योरे	रकम (रुपयों में)
1.	भूमि और भवन (दुकान का आकार 70 वर्गमीटर)	किराए पर
2.	फर्नीचर और जुड़नार (जिसमें कार्यालय उपष्कर, बिक्री काउंटर, शो केस, हल्की फिटिंग आदि)	10,000.00
3.	आरंभिक और प्रचालन पूर्व व्यय	10,000.00
4.	आकस्मिक व्यय, जिसमें लागत वृद्धि भी शामिल है।	10,000.00
5.	कार्यचालन पूंजी	70,000.00
	जोड़	1,00,000.00

5. वित्त-व्यवस्था के साधन :

क्रम संख्या	ब्योरे	रकम (रुपयों में)	प्रतिशतता
1.	प्रमोटर का अंशदान	2,000.00	2.00
2.	एमएमएल-एससीए	8,000.00	8.00
3.	एनएसटीएफडीसी-मियादी ऋण	90,000.00	90.00
	जोड़	1,00,000.00	100.00

टिप्पणी : राज्य चैनेलाइजिंग एजेंसियां अपने निगम के मानदंडों के अनुसार लाभार्थी (लाभार्थियों) को सब्सिडी मुहैया कराने की व्यवस्था करेंगी। इसके अलावा एससीए भी अन्य केंद्रीय प्रायोजित योजनाओं से प्रोत्साहन / सब्सिडी उपलब्ध कराने के लिए प्रयास करेंगे।

6. आवश्यक मदें (प्रतिवर्ष) :

क्रम संख्या	ब्योरे	रकम (रुपयों में)
1.	बिजली (2 किलो वाट X 9 घंटे X 25 दिन X 12 माह X 4 प्रति केडब्लूएच)	21,600.00
	जोड़	21,600.00

7. जन-शक्ति की आवश्यकता :

क्रम संख्या	श्रेणी	संख्या	वेतन प्रति व्यक्ति प्रतिमाह (रुपये)	कुल लागत (रुपये प्रति माह)
1.	प्रबंधक एवं लेखाकार (स्वयं)	1	5,000.00	5,000.00
2.	सेल्समेन	1	3,000.00	3,000.00
3.	हेल्पर	2	2,000.00	4,000.00
			जोड़	12,000.00

8. कच्चे माल की आवश्यकता :

फर्नीचर के मुद्रित सूची-पत्र में से विभिन्न मदें और ग्राहकों की अपेक्षा / वास्तविक मांग के अनुसार : औसतन 70,000 रुपये मूल्य का (विनिर्माता से की गई खरीद के अनुसार शो रूम पर लागत)

9. कार्यचालन पूंजी की आवश्यकता :

क्रम संख्या	मद	अवधि (माह)	रकम (रुपयों में)
1.	विक्री के लिए फर्नीचर (वर्गीकृत प्रकार, आकार आदि)	1	70,000.00
	जोड़		70,000.00

10. परियोजना का अर्थशास्त्र (वार्षिक) :

क. बिक्री से प्राप्त आय :

क्रम संख्या	ब्योरे	रकम (रुपयों में)
1.	वर्गीकृत प्रकार और आकार के फर्नीचर की बिक्री (कृपया रिपोर्ट के अंत में संलग्न सूची देखें)	12,00,000.00
	जोड़	12,00,000.00

ख. उत्पादन की लागत :

क्रम संख्या	ब्योरे	रकम (रुपयों में)
(i)	बिक्री योग्य तैयार माल (विभिन्न प्रकार के स्टील के फर्नीचर की मदें) (कृपया रिपोर्ट के अंत में संलग्न सूची देखें)	8,40,000.00
(ii)	आवश्यक मदें	80,600.00
(iii)	वेतन और मजदूरी	1,44,000.00

(iv)	किराया (2,500 रुपये प्रतिमाह X 12 माह)	30,000.00
(v)	परिवहन / भाड़ा	30,000.00
(vi)	सवारी और यात्रा व्यय	6,000.00
(vii)	व्यवस्था संबंधी उपरिव्यय (टेलीफोन, डाक टिकट लेखन - सामग्री आदि)	6,000.00
(viii)	बिक्री व्यय	4,500.00
(ix)	बीमा	6,000.00
(x)	ब्याज	5,880.00
(xi)	विविध व्यय	6,000.00
	जोड़	10,99,980.00
(ग)	नकद लाभ (क-ख)	1,00,020.00
(घ)	मूल्यह्रास : स्थायी परिसंपत्तियों पर 15 प्रतिशत की दर से	1,500.00
(ड.)	कर पूर्व लाभ (ग-घ)	98,520.00
च.	कर	10,000.00
छ.	कर पश्चात लाभ	88,520.00

11. संभाव्यता संकेतक :

क्रम संख्या	ब्योरे	रकम (रुपयों में)
1.	वापसी प्रतिवर्ष (अवधि – 5 वर्ष)	19,600.00
2.	निवेश पर प्राप्ति	88.52 प्रतिशत
3.	ऋण की चुकौती संबंधी अनुपात	3.76 प्रतिशत

12. लाभार्थियों के लिए ब्याज, ऋण-स्थगन और वापसी अवधि :

(क) ब्याज : एनएसटीएफडीसी के मियादी ऋण पर 6 प्रतिशत प्रतिवर्ष

(ख) ऋण-स्थगन अवधि : एससीए द्वारा निधियां जारी किए जाने की तारीख से 6 माह

(ग) वापसी अवधि : 5 वर्ष, जिसमें ऋण-स्थगन अवधि शामिल नहीं है।

13. सामान्य अभ्युक्तियां :

- संयंत्र और मशीनरी की लागत का हिसाब ऐसे स्तरीय / प्रतिष्ठित आपूर्तिकर्ताओं द्वारा विनिर्मित मदों के आधार पर लगाया गया है, जिनका सेवा संबंधी अच्छा नेटवर्क हो। बेहतर होगा कि आपूर्तिकर्ता स्थानीय क्षेत्रों के हों।
- यथेष्ट कार्यचालन पूंजी चक्र का हिसाब आवश्यकता के अनुसार लगाया गया है।
- परियोजना की लागत अलग-अलग राज्यों और क्षेत्रों में अलग-अलग हो सकती है।

- ऐसा माना जाता है कि इन उत्पादों / सेवाओं की अच्छी मांग है और प्रमोटरों को संगत क्षेत्रों का अनुभव है।

14. बिक्री के लिए स्टॉक में रखे गए फर्नीचर की सूची :
(स्टॉक की मात्रा-बेहतर होगा कि प्रत्येक फर्नीचर की एक-एक मद रखी जाए) :

क्रम संख्या	मद	अनंतिम लागत / कीमत (रुपये प्रति मद) (जैसा विनिर्माता द्वारा प्रस्तावित है)
1.	इस्पात की आलमारी (आकार- 1980 X 910 X 485 एमएम)	5,000.00
	(विशेष प्रकार) (आकार- 1980 X 910 X 485 एमएम)	4500.00
	(साधारण प्रकार) (आकार- 1280 X 765 X 430 एमएम)	3,000.00
2.	वार्डरोब्स (आकार-1980 X 910 X 485 एमएम)	5,300.00
	(आकार- 1980 X 965 X 560 एमएम)	5,700.00
	(आकार- 1980 X 1070 X 610 एमएम	6,800.00
3.	औद्योगिक लॉकर (आकार- 910 X 305 X 430 एमएम)	5,500.00
	(आकार- 450 X 450 X 430 एमएम)	5700.00
	(आकार- 450 X 305 X 430 एमएम)	6000.00
4.	बुक केस (आकार- 1675 X 840 X 305 एमएम)	3,200.00
	(आकार- 840 X 840 X 305 एमएम)	2,000.00
5.	रैक (आकार- 2285 X 980 X 550 एमएम)	6,500.00
	(आकार- 2285 X 885 X 550 एमएम)	3,500.00
6.	लिपिक की मेज (आकार- 910 X 610 X 750 एमएम)	2000.00
	(आकार- 1220 X 610 X 750 एमएम)	2,500.00
	(आकार- 1220 X 750 X 750 एमएम	2,800.00

5. किराने की दुकान

1. प्रस्तावना :

किराने की दुकान बहुत सामान्य होती है और प्रत्येक क्षेत्र में इसकी आवश्यकता होती है। इन दुकानों में दालें, आटा, चावल, घी, तेल, साबुन और अपमार्जक (डिटर्जेंट), प्रसाधन–सामग्री और दैनिक प्रयोग की विभिन्न अन्य मदें जैसी सामान की मदें होती हैं। प्रस्तावित परियोजना में क्षेत्र के प्रत्यक्ष प्रयोगकर्ताओं के लिए छोटी फुटकर और जिंसों की फुटकर बिक्री के लिए मध्यवर्ती थोक दरों पर किराने की मदों की बिक्री के लिए दुकान स्थापित करने से संबंधित है। इस दुकान के लिए व्यापारियों / वितरकों से थोक दरों पर मदों की खरीद की करेगा और उन्हें मध्यवर्गीय दरों पर बेचा जाएगा।

2. बाजार की संभावना :

किराने की मदों की आवश्यकता समाज के सभी वर्गों के लोगों को होती है। विपणन / बिक्री की संभावना ऐसे स्थान पर स्थित दुकानों से और बढ़ जाती है, जहां अधिक लोग निवास करते हों और / या ऐसे बाजार स्थलों में, जहां लोग सामान्यत: अपनी दैनिक आवश्यकता की वस्तुएं खरीदने के लिए जाते हैं। एक सामान्य व्यक्ति और छोटा फुटकर व्यापारी ऐसे थोक बाजार से थोक में दैनिक उपयोग की इन मदों की खरीद नहीं कर पाते हैं, जहां यह अपेक्षाकृत सस्ती दरों पर उपलब्ध होते हैं। दूसरी ओर ये मदें प्रत्येक जगह और नजदीक में अपेक्षित मात्राओं में किराने की फुटकर दुकानों के माध्यम से आसानी से उपलब्ध हो जाती हैं।

नगरों और शहरों के संपूर्ण विकास और जनसंख्या में वृद्धि के साथ-साथ देश के ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में सामान्य माल भंडार *(*जनरल मर्चेंडाइज स्टोर*)* के लिए अच्छी संभावना होती है।

3. तकनीकी विवरण :

(क) दुकान के कार्यकलाप :

इस कार्यकलाप में उपलब्ध स्थान का यथेष्ट उपयोग करने के लिए दुकान की व्यवस्था, उसकी पर्याप्त चमक और मदों को ऐसे स्थान पर रखना होता है, जहां पर आवश्यकता

पड़ने पर कर्मकार / सेल्समेन आसानी से पहुंच सके। तौल की मशीन आदि सुविधाजनक स्थान पर रखी जानी चाहिए, ताकि उसका बार-बार उपयोग किया जा सके। दुकान के आगे

दर सूची लटकाई जानी चाहिए, ताकि ग्राहकों द्वारा उसे आसानी से पढ़ा जा सके। दुकान को सामान्य कार्य घंटों के दौरान खुला रखना चाहिए और जिस दिन दुकान बंद रहेगी, उसका उल्लेख ऐसे स्थान पर स्पष्ट रूप से किया जाना चाहिए, जिसे दुकान में आनेवाले लोग आसानी से देख सकें। सेल्समेन और हेल्पर, काउंटर पर लेखाकार / प्रबंधक द्वारा तैयार की जाने वाली पूर्व अदायगी पर्ची

(प्रीपेड स्लिप) के अनुसार ग्राहकों को विधिवत तौली गई सामग्री सुपुर्द करेंगे। पैकेजिंग ठीक से की जानी चाहिए, ताकि क्रेता को वस्तुएं ले जाने में कोई कठिनाई न हो। स्टॉक की नियमित जांच और नकदी की गणना करने से कारोबार के रुख के बारे में स्पष्ट तस्वीर सामने आएगी।

(ख) बिक्री का लक्षय :

बिक्री का लक्षय (प्रतिवर्ष)	रुपये
चावल, दाल, गेहूं, आटा, घी, तेल, साबुन और अपमार्जक (डिटर्जेंट), प्रसाधन- सामग्री तथा अन्य विविध मदें	10,92,000.00

(ग) आवश्यक मदें (प्रतिवर्ष) :

बिजली	1 किलो वाट
पानी	75 लीटर प्रतिमाह

4. उपस्करों का विवरण :

क्रम संख्या	मद	मात्रा (संख्या)	दर (रुपये)	मूल्य (रुपये)
1.	तराजू और वाट – 5 किलो	2 सेट	500.00	1000.00
2.	काउंटर, रैक आदि			4000.00
	जोड़			5000.00

5. परियोजना की लागत :

क्रम संख्या	मद	कुल लागत (रुपयों में)
1.	भवन / दुकान	किराए पर
2.	विविध स्थायी परिसंपत्तियां	10,000.00
3.	आरंभिक और प्रचालन पूर्व व्यय	5,000.00
4.	आकस्मिक व्यय, जिसमें लागत वृद्धि भी शामिल है।	5,000.00
5.	कार्यचालन पूंजी	80,000.00
	जोड़	1,00,000.00

6. वित्त-व्यवस्था के साधन :

क्रम संख्या	ब्योरे	रकम (रुपयों में)	प्रतिशतता
1.	प्रमोटर का अंशदान	-	-
2.	एनएसटीएफडीसी-मियादी ऋण	87,000.00	87.00
3.	एमएमएल-एससीए	13,000.00	13.00
	जोड़	1,00,000.00	100.00

टिप्पणी : राज्य चैनेलाइजिंग एजेंसियां अपने निगम के मानदंडों के अनुसार लाभार्थी (लाभार्थियों) को सब्सिडी मुहैया कराने की व्यवस्था करेंगी। इसके अलावा एससीए भी अन्य केंद्रीय प्रायोजित योजनाओं से प्रोत्साहन / सब्सिडी उपलब्ध कराने के लिए प्रयास करेंगे।

7. उपयोगी मदें :

क्रम संख्या	मद	कुल लागत (रुपयों में)
1.	बिजली (1 किलोवाट)	8,400.00
2.	पानी	1,600.00
	जोड़	10,000.00

8. कच्चे माल की आवश्यकता:

सस्ती यूनिट चलाने के लिए 0.70 लाख रुपये के मूल्य की विभिन्न किराना मदों को हिसाब में लिया गया है।

9. जन-शक्ति की आवश्यकता

क्रम संख्या	श्रेणी	संख्या	वेतन प्रति व्यक्ति प्रतिमाह (रुपये)	कुल लागत (रुपये प्रति माह)
1.	प्रबंधक एवं लेखाकार	1 (स्वयं)	4,000.00	4,000.00
2.	सेल्समेन	1	3,500.00	3,500.00
3.	हेल्पर	1	2,500.00	2,500.00
			जोड़	10,000.00

10. कार्यचालन पूंजी की आवश्यकता :

क्रम संख्या	मद	अवधि (माह)	रकम (रुपयों प्रतिमाह)
1.	पहले बतायी गई वर्गीकृत किराने की मदें	1	70,000.00
2.	प्राप्य रकम / देनदार	1.	5,000.00
3.	अन्य चालू परिसंपत्तियां	1.	5,000.00
		जोड़	80,000.00

11.परियोजना का अर्थशास्त्र (वार्षिक) :

ख. बिक्री से प्राप्त आय :

क्रम संख्या	मदें	रकम (रुपयों में)
क.	बिक्री से प्राप्त आय (खरीदे गए कच्चे माल का 130 प्रतिशत)	10,92,000.00
ख.	प्रचालन की लागत	
(i)	किराने का वर्गीकृत प्रकार और मात्रा	8,400000.00
(ii)	आवश्यक मदें	10,000.00
(iii)	वेतन और मजदूरी	1,20000.00
(iv)	किराया	24,000.00
(v)	परिवहन/ भाड़ा	18,000.00
(vi)	सवारी और यात्रा	4,000.00
(vii)	बिक्री व्यय	5,000.00
(viii)	ब्याज	6,000.00
	जोड़	10,27,000.00
ग.	नकद लाभ (क-ख)	65,000.00
घ.	मूल्यह्रास	1,500.00
ड.	कर पूर्व लाभ	65,500.00
च.	कर	-
छ.	कर पश्चात लाभ	65,500.00

12. संभाव्यता संकेतक :

क्रम संख्या	ब्योरे	रकम (रुपयों में)
1.	वापसी प्रतिवर्ष (अवधि – 5 वर्ष)	20,000.00
2.	निवेश पर प्राप्ति	63.50 प्रतिशत
3.	ऋण की चुकौती संबंधी अनुपात	2.73 प्रतिशत

टिप्पणी :

- दुकान का किराया अलग-अलग स्थानों पर अलग-अलग और किराए पर ली गई दुकान के आकार के अनुसार होगा।
- लाभ को लेखन-सामग्री की मदों / पीसीओ बूथ के लिए अलग दुकान बनाकर बढ़ाया जा सकता है।
- माल की बिक्री पर सकल लाभ का अनुमान लगभग 30 प्रतिशत लगाया गया है।

13. लाभार्थियों के लिए ब्याज, ऋण-स्थगन और वापसी अवधि

(क) ब्याज : एनएसटीएफडीसी के मियादी ऋण पर 6 प्रतिशत प्रतिवर्ष

(ख) ऋण-स्थगन अवधि : एससीए द्वारा निधियां जारी किए जाने की तारीख से 6 माह

(ग) वापसी अवधि : 5 वर्ष, जिसमें ऋण-स्थगन अवधि शामिल नहीं है।

13. सामान्य अभ्युक्तियां

- यथेष्ट कार्यचालन पूंजी चक्र का हिसाब आवश्यकता के अनुसार लगाया गया है। कच्चे माल की खरीद स्थानीय क्षेत्रों या नजदीकी राज्यों से की जाएगी।
- परियोजना की लागत अलग-अलग राज्यों और क्षेत्रों में अलग-अलग हो सकती है।
- ऐसा माना जाता है कि इन उत्पादों / सेवाओं की अच्छी मांग है और प्रमोटरों को संगत क्षेत्रों का अनुभव है।

6. कंक्रीट मिश्रक को किराए पर देना

1. प्रस्तावना :

इस कारोबार योजना में भवन निर्माण उपस्करों अर्थात् कंक्रीट मिश्रकों को भाड़े के आधार पर देने का प्रस्ताव है, जो ग्रामीण तथा शहरी क्षेत्रों में मकान और छोटे भवन के निर्माण के लिए एक अनिवार्य आवश्यकता है। इस यूनिट में कंक्रीट मिश्रकों के 2 सेट लगाए जाएंगे, जिन्हें उद्यमी भाड़े पर दे सकता है। यह यूनिट उद्यमी के नेटवर्क के बढ़ने के साथ-साथ धीरे-धीरे बढ़ेगा और उसे मजदूरों की व्यवस्था करने का अतिरिक्त कार्य मिलेगा और कार्य के ठेके लेने का अवसर मिलेगा । यह कारोबार ऐसे व्यक्ति के लिए बहुत उपयुक्त है, जिसके पास यांत्रिक कार्य का कुछ आधारभूत कौशल और नेतृत्व के गुण हों।

2. बाजार की संभावना :

क्योंकि निर्माण और विकास कार्य संबंधी कार्यकलाप इन दिनों संगठित और असंगठित क्षेत्रों में अत्यधिक है, अत: देश के शहरी तथा ग्रामीण क्षेत्रों में इस कारोबार की बहुत मांग है तथा यह दिन-प्रतिदिन लगातार बढ़ती जा रही है। पूरे देश में पर्याप्त देशी स्थानीय बाजार की मांग विद्यमान है। चूंकि भवन निर्माण एक तरजीही कार्यकलाप है, अत: इसकी संभावना लगातार बनी रहेगी।

3. तकनीकी विवरण :

(क) उत्पादन का लक्षय- 1,28,000.00 रुपये के वार्षिक भाड़े पर सीमेंट, कंक्रीट मिश्रक और वाइब्रेटर को भाड़े पर देना।

(ख) आवश्यक मदें :

0.6 किलो वाट घरेलू बिजली का लोड आवश्यक है।

4. संयंत्र और मशीनरी का विवरण :

क्रम संख्या	मद	मात्रा (संख्या)	दर (रुपये)	मूल्य (रुपये)
1.	हाथ से भरे जाने वाले कंक्रीट मिश्रक, जिसकी क्षमता 1.5 बोरी हो।	1	45,000.00	45,000.00
2.	कंक्रीट मिश्रक होपर प्रकार का, जिसमें एक बोरी की क्षमता हो	1	65,000.00	65,000.00
3.	वाइब्रेटर- पेट्रोल और शॉफ्ट 50 एमएम	1	12,000.00	12,000.00
4.	अन्य अतिरिक्त पुर्जे	एलएस		5,000.00
5.	फर्नीचर	एलएस		3000.00
			जोड़	1,30,000.00

5. परियोजना की कुल लागत :

क्रम संख्या	मद	कुल लागत (रुपयों में)
1.	शेड / भवन	किराए पर
2.	संयंत्र और मशीनरी ((संस्थापन-कार्य सहित))	1,30,000.00
3.	कार्यचालन पूंजी	7,000.00
4.	कार्यान्वयन की अवधि आदि के दौरान आकस्मिक व्यय, लागत वृद्धि और ब्याज	13,000.00
	जोड़	1,50,000.00

6. वित्त-व्यवस्था के साधन :

क्रम संख्या	ब्योरे	रकम (रुपयों में)	प्रतिशतता
1.	प्रमोटर का अंशदान	3,000.00	2.00
2.	एनएसटीएफडीसी-मियादी ऋण	1,28,000.00	85.33
3.	एमएमएल-एससीए	19,000.00	12.67
	जोड़	1,50,000.00	100.00

टिप्पणी : राज्य चैनेलाइजिंग एजेंसियां अपने निगम के मानदंडों के अनुसार लाभार्थी (लाभार्थियों) को सब्सिडी मुहैया कराने की व्यवस्था करेंगी। इसके अलावा एससीए भी अन्य केंद्रीय प्रायोजित योजनाओं से प्रोत्साहन / सब्सिडी उपलब्ध कराने के लिए प्रयास करेंगे।

7. आवश्यक मदें (प्रतिवर्ष) :

क्रम संख्या	मद	कुल लागत (रुपयों में)
1.	बिजली (0.6 किलोवाट X 8 घंट X 250 दिन X 4 रुपये)	4,800.00
	जोड़	4,800.00

8. जन-शक्ति की आवश्यकता (प्रतिमाह):

क्रम संख्या	श्रेणी	संख्या	वेतन प्रति व्यक्ति प्रतिमाह (रुपये)	वार्षिक (रुपये)
1.	प्रबंधक / स्वामी (स्वयं)	1	2,500.00	30,000.00
2.	कुशल कर्मकार	2	2,000.00	48,000.00
	जोड़			78,000.00

9. कच्चे माल की आवश्यकता :

क्रम संख्या	मद	मात्रा	दर (रुपये)	मूल्य (रुपये)
1.	अतिरिक्त पुर्जे : 600 रुपये प्रतिमाह की दर से	एलएस	एल एस	7,200.00
			जोड़	7,200.00

10.परियोजना का अर्थशास्त्र :

(क) बिक्री से प्राप्त आय :

क्रम संख्या	मद	मात्रा	दर (रुपये)	मूल्य (रुपये)
1.	कंक्रीट मिश्रक का भाड़ा	1	300 दिन के लिए 250 रुपये प्रतिदिन की दर से	75,000.00
2.	कंक्रीट मिश्रक होपर फीडिंग प्रति मिश्रक का किराया	1	300 दिन के लिए 350 रुपये प्रतिदिन की दर से	1,05,000.00
3.	वाइब्रेटर और शॉफ्ट प्रति वाइब्रेटर का भाड़ा	1	300 दिन के लिए 50 रुपये प्रतिदिन की दर से	15,000.00
	जोड़			1,95,000.00

(ख) उत्पादन की लागत :

क्रम संख्या	मदें	रकम (रुपयों में)
(i)	कच्च माल	शून्य
(ii)	सामान और अतिरिक्त पुर्जे	7,200.00
(iii)	आवश्यक मदें	4,800.00
(iv)	भाड़ा	18,000.00
(v)	वेतन और मजदूरी	78,000.00
(vi)	टेलीफोन, डाक टिकट, लेखन-सामग्री	6,000.00
(vii)	बिक्री व्यय	शून्य

(viii)	बीमा	2,000.00
(ix)	मरम्मत और अनुरक्षण	4,000.00
(x)	ब्याज	8,820.00
(xi)	परिवहन / भाड़ा	2,780.00
	जोड़	1,31,600.00
ग.	नकद लाभ (क-ख)	63,400.00
घ.	मूल्यह्रास : स्थायी परिसंपत्तियों के 15 प्रतिशत की दर से	19,500.00
ड.	कर पूर्व लाभ (ग-घ)	43,900.00
च.	कर	शून्य
छ.	कर पश्चात लाभ	43,900.00

11. संभाव्यता संकेतक :

क्रम संख्या	ब्योरे	रकम (रुपयों में)
1.	वापसी प्रतिवर्ष (अवधि – 5 वर्ष)	29,400.00
2.	निवेश पर प्राप्ति	29.27 प्रतिशत
3.	ऋण की चुकौती संबंधी अनुपात	1.89

12. लाभार्थियों के लिए ब्याज, ऋण-स्थगन और वापसी अवधि

(क) ब्याज : एनएसटीएफडीसी के मियादी ऋण पर 6 प्रतिशत प्रतिवर्ष

(ख) ऋण-स्थगन अवधि : एससीए द्वारा निधियां जारी किए जाने की तारीख से 6 माह

(ग) वापसी अवधि : 5 वर्ष, जिसमें ऋण-स्थगन अवधि शामिल नहीं है।

13. सामान्य अभ्युक्तियां

- संयंत्र और मशीनरी की लागत का हिसाब ऐसे स्तरीय / प्रतिष्ठित आपूर्तिकर्ताओं द्वारा विनिर्मित मदों के आधार पर लगाया गया है, जिनका सेवासंबंधी अच्छा नेटवर्क हो। बेहतर होगा कि आपूर्तिकर्ता स्थानीय क्षेत्रों और नजदीकी राज्यों के हों।
- यथेष्ट कार्यचालन पूंजी चक्र का हिसाब आवश्यकता के अनुसार लगाया गया है।
- परियोजना की लागत अलग-अलग राज्यों और क्षेत्रों में अलग-अलग हो सकती है।
- ऐसा माना जाता है कि इन उत्पादों / सेवाओं की अच्छी मांग है और प्रमोटरों को संगत क्षेत्रों का अनुभव है।

7. तैयार वस्त्र (रेडीमेड गारमेंट्स)

1. प्रस्तावना :

इस परियोजना का पार्श्व-चित्र (प्रोफाइल) शर्ट, पेंट (ट्रॉजर), टॉप, लेडीज सूट (सलवार-कमीज और नाइटी) जैसे तैयार वस्त्रों के विनिर्माण पर आधारित है। नगरों के शहरीकरण के कारण तैयार वस्त्रों की मांग दिन-प्रतिदिन बढ़ती जा रही है। इन वस्त्रों को तैयार करना बहुत आसान है और इन्हें शहरी और ग्रामीण क्षेत्र दोनों में आसानी से बेचा जा सकता है।

2. बाजार की संभावना :

तैयार वस्त्रों का बाजार भारत और विदेश में बढ़ता जा रहा है तथा इसकी, विशेषत: महिलाओं और बच्चों के वस्त्रों के लिए अच्छी संभावनाएं हैं। वस्त्रों का विपणन उस स्थिति में कोई समस्या नहीं होगी, यदि प्रयोक्ताओं को लागत के लाभ की जानकारी दी जाए। पूरे देश में वस्त्रों के विभिन्न प्रकार के उत्पादों के लिए पर्याप्त स्थानीय बाजार है।

3. तकनीकी विवरण :

(क) विनिर्माण प्रक्रिया :

बुने हुए परिधान खुले बाजार में अलग-अलग रंगों और डिजाइनों में उपलब्ध होते हैं। इन कपड़ों को काटने से पहले परिधानों की विषमता और दोषों की जांच करने के बाद तब वस्त्रों के डिजाइन और आकार के अनुसार उनके अलग-अलग भागों के आकार को रंगीन चाक से निशान लगाया जाता है और उन्हें इन निशानों के अनुसार कैंची का प्रयोग करते हुए हाथ से काटा जाता है। वस्त्रों के अलग–अलग भागों की सिलाई मशीन और ओवरलॉक मशीन से की जाती है। इन वस्त्रों पर लेबल लगाया जाता है, प्रेस की जाती है और इसके बाद इन्हें पॉलिथिन के पैकेटों में पैक किया जाता है और उसके बाद आगे भेजने के लिए गत्ते के डिब्बों में रखा जाता है।

(ख) उत्पादन का लक्षय : 4,800.00 रुपये

(ग) आवश्यक मदें (बिजली प्रतिमाह): 2 किलो वाट

4. संयंत्र और मशीनरी का विवरण :

क्रम संख्या	मद	मात्रा (संख्या)	दर (रुपये)	मूल्य (रुपये)
1.	पैरों से चलाई जाने वाली सिलाई मशीन	3	3,000.00	9000.00
2.	0.5 एचपी की मोटर और मेज पर जोड़े गए स्टेंड सहित ओवरलॉक सिलाई मशीन	1	5,000.00	5,000.00

	जोड़	14,000.00

5. परियोजना की लागत :

क्रम संख्या	मद	कुल लागत (रुपयों में)
1.	भवन (200 वर्ग फुट किराए पर)	किराए पर
2.	संयंत्र और मशीनरी (संस्थापन-कार्य सहित)	14,000.00
3.	विविध स्थायी परिसंपत्तियां (डमी, कैंची, प्रेस, माप का पैमाना आदि)	10,000.00
4.	फर्नीचर और जुड़नार (कार्यालय उपस्करों सहित)	10,000.00
5.	आरंभिक और प्रचालन पूर्व व्यय	4,000.00
6.	आकस्मिक-व्यय (लागत वृद्धि सहित)	2,000.00
7.	कार्य चालन पूंजी	7,000.00
	जोड़	1,00,000.00

6. वित्त-व्यस्था के साधन :

क्रम संख्या	मद	कुल लागत (रुपयों में)	प्रतिशतता
1.	प्रमोटर का अंशदान	-	-
2.	एनएसटीएफडीसी-मियादी ऋण	87,000.00	87.00
3.	एमएमएल-एससीए	13,000.00	13.00
	जोड़	1,00,000.00	100.00

टिप्पणी : राज्य चैनेलाइजिंग एजेंसियां अपने निगम के मानदंडों के अनुसार लाभार्थी (लाभार्थियों) को सब्सिडी मुहैया कराने की व्यवस्था करेंगी। इसके अलावा एससीए भी अन्य केंद्रीय प्रायोजित योजनाओं से प्रोत्साहन / सब्सिडी उपलब्ध कराने के लिए प्रयास करेंगे।

7. आवश्यक मदें (प्रतिवर्ष) :

क्रम संख्या	मद	कुल लागत (रुपयों में)
1.	बिजली	12,000.00
2.	पानी	3,600.00
	जोड़	15,600.00

8. जन-शक्ति की आवश्यकता (प्रतिमाह) :

क्रम संख्या	श्रेणी	संख्या	वेतन प्रति व्यक्ति (रुपये)	जोड़ (रुपयों में)
1.	प्रबंधकीय कार्मिक	स्वयं	4,000.00	4,000.00

2.	पर्यवेक्षक कटर	1	3,500.00	3,500.00
3.	कुशल कर्मकार	2	3,000.00	6,000.00
4.	अकुशल कर्मकार	1	2,500.00	2,500.00
			जोड़	16,000.00

9. कच्चे माल की आवश्यकता :

क्रम संख्या	मद	मात्रा (मीटर)	दर (रुपये)	मूल्य (रुपये)
1.	विभिन्न रंगों और शेडों के सूती / संश्लिष्ट सादे और छपे हुए वस्त्र	500	40 रुपये प्रति मीटर	20,000.00
2.	विभिन्न रंगों और शेडों के सूती छपे हुए वस्त्र	500	30 रुपये प्रति मीटर	15,000.00
3.	विभिन्न रंगों और शेडों के टेरीकॉट के वस्त्र	50	60 रुपये प्रति मीटर	3,000.00
4.	सिलाई के धागे, सूती धागे, बटन, हुक, लेस, पैकिंग सामग्री आदि जैसी विभिन्न मदें	एलएस		12,000.00
			जोड़	50,000.00

10. कार्यचालन पूंजी की आवश्यकता :

क्रम संख्या	मद	अवधि (माह)	रकम (रुपयों प्रतिमाह)
1.	कच्चा माल	1 /2	25,000.00
2.	सामान और अतिरिक्त पुर्जे	1 /4	5,00.00
3.	तैयार किया जा रहा माल	1 /2	12,000.00
4.	तैयार माल	1 /2	15,000.00
5.	प्राप्य- रकम / देनदार	1	5,500.00
6.	अन्य चालू परिसंपत्तियां	1	2,000.00
		जोड़	60,000.00

11.परियोजना का अर्थशास्त्र (वार्षिक) :

क. बिक्री से प्राप्त आय :

क्रम संख्या	मद	मात्रा	दर (रुपये)	मूल्य (रुपये)
(i)	शर्ट / टॉप्स	1000	150	1,50,000
(ii)	ट्रॉजर्स	900	300	2,70,000
(iii)	लेडीज सूट	1,900	200	3,80,000
(iv)	नाइटी	1,000	100	1,00,000
		4,800	जोड़	9,00,000

(ख) उत्पादन की लागत (प्रतिवर्ष)

क्रम संख्या	मदें	रकम (रुपयों में)
(i)	कच्चा माल	6,00,000.00
(ii)	सामान और अतिरिक्त पुर्जे	6,000.00
(iii)	आवश्यक मदें	15,600.00
(iv)	वेतन और मजदूरी	1,86,00.00
(v)	किराया	24,000.00
(vi)	परिवहन और भाड़ा	6,000.00
(vii)	बिक्री व्यय (जिसमें विज्ञापन, वितरण लागत, कमीशन और छूट भी शामिल है)	4,000.00
(viii)	मरम्मत और अनुरक्षण	2,000.00
(ix)	ब्याज	6,000.00
	जोड़	8,49,600.00
ग.	नकद लाभ (क-ख)	50,400.00
घ.	मूल्यह्रास : स्थायी परिसंपत्तियों की लागत के 15 प्रतिशत की दर से	5,100.00
ड.	कर पूर्व लाभ (ग-घ)	45,300.00
च.	कर	शून्य
छ.	कर पश्चात लाभ	45,300.00

11. संभाव्यता संकेतक :

क्रम संख्या	ब्योरे	रकम (रुपयों में)
1.	वापसी प्रतिवर्ष (अवधि – 5 वर्ष)	20,000.00
2.	निवेश पर प्राप्ति	45.30 प्रतिशत
3.	ऋण की चुकौती संबंधी अनुपात	2.17 प्रतिशत

12. लाभार्थियों के लिए ब्याज, ऋण-स्थगन और वापसी अवधि

(क) ब्याज : एनएसटीएफडीसी के मियादी ऋण पर 6 प्रतिशत प्रतिवर्ष

(ख) ऋण-स्थगन अवधि : एससीए द्वारा निधियां जारी किए जाने की तारीख से 6 माह

(ग) वापसी अवधि : 5 वर्ष, जिसमें ऋण-स्थगन अवधि शामिल नहीं है।

13. सामान्य अभ्युक्तियां

- संयंत्र और मशीनरी की लागत का हिसाब ऐसे स्तरीय / प्रतिष्ठित आपूर्तिकर्ताओं द्वारा विनिर्मित मदों के आधार पर लगाया गया है, जिनका सेवासंबंधी अच्छा नेटवर्क हो। बेहतर होगा कि आपूर्तिकर्ता स्थानीय क्षेत्रों और नजदीकी राज्यों के हों।
- यथेष्ट कार्यचालन पूंजी चक्र का हिसाब आवश्यकता के अनुसार लगाया गया है।
- परियोजना की लागत अलग-अलग राज्यों और क्षेत्रों में अलग-अलग हो सकती है।
- ऐसा माना जाता है कि इन उत्पादों / सेवाओं की अच्छी मांग है और प्रमोटरों को संगत क्षेत्रों का अनुभव है।

8. सड़क के किनारे ढाबा

1. प्रस्तावना :

यह परियोजना राजमार्गों पर ढाबा से संबंधित है। संचार और परिवहन के अधिक से अधिक होने के कारण राजमार्गों पर यात्रियों का आना-जाना बढ़ रहा है और फूड स्टॉल, रेस्तरां, होटलों और ढाबों की मांग बढ़ती जा रही है। यात्रियों – ग्राहकों की सुविधा के लिए रात में ठहरने की साधारण सुविधाओं की भी आवश्यकता होती है।

2. बाजार की संभावना

राजमार्गों पर पहले ही कई ढाबे होते हैं और इनकी लोकप्रियता का प्रमाण उनके ग्राहकों की बड़ी संख्या है, जिनमें ट्रक ड्राइवर और मोटर गाड़ी वाले भी शामिल हैं, जो इन ढाबों में जमा होते हैं। लेकिन ऐसे राजमार्गों पर कई ऐसे स्थल होते हैं, जहां कई किलोमीटरों तक खाने-पीने का कोई स्थल नहीं होता है, इसके अलावा नये-नये राजमार्ग बनने के कारण उनके किनारे ढाबा जैसे स्थलों की आवश्यकता है।

3. तकनीकी विवरण :

(क) कारोबार के कार्यकलाप :

खाद्य सामग्री के विभिन्न प्रकार, जिनमें स्थानीय पकवानों के साथ-साथ ग्राहकों द्वारा पसंद किए जाने वाले पकवान भी तैयार किए जाते हैं, जो नाश्ते से रात्रि भोजन तक दिन भर परोसे जाते हैं। रात्रि में विश्राम करने के लिए अथवा यात्रा की थकान मिटाने हेतु भोजन से पहले आराम करने लिए चारपाई आदि की सुविधा भी प्रदान की जाती है।

(ख) उत्पादन का लक्षय (प्रतिदिन)

भोजन (शाकाहारी)	25
भोजन (मांसाहारी)	15

चाय	75
नाश्ता / मिक्सचर / बिसलेरी	25
आमलेट और स्लाइस	20

(ग). आवश्यक मदें :

बिजली	2 किलो वाट
पानी	पर्याप्त आपूर्ति

4. उपस्करों का विवरण :

क्रम संख्या	मद	मात्रा	दर (रुपये)	मूल्य (रुपये)
1.	तंदूर	1	800.00	800.00
2.	रसोईघर के बर्तन	एलएस	एलएस	3,000.00
3.	क्राकरी और कटलरी	एलएस	एलएस	5,000.00
4.	गद्दे	4	1500	6000.00
5.	गैस लाइट (आपातकालीन)	2	300	600.00
6.	कंबल	4	300	1200.00
7.	तौलिए, बेडशीट, तकिए, तकियों के कवर आदि	4	1000	4000.00
			जोड़	20,600.00

5. परियोजना की लागत :

क्रम संख्या	मद	कुल लागत (रुपयों में)
1.	भवन	किराए पर
2.	संयंत्र और मशीनरी (संस्थापन-कार्य सहित)	20,600.00
3.	विविध स्थायी परिसंपत्तियां (डमी, कैंची, प्रेस, माप का पैमाना आदि)	15,000.00
4.	फर्नीचर और जुड़नार (कार्यालय उपस्करों सहित)	5,400.00
5.	आरंभिक और प्रचालन पूर्व व्यय	9,000.00
6.	आकस्मिक-व्यय (लागत वृद्धि सहित)	20,000.00
7.	कार्य चालन पूंजी	70,000.00

6. वित्त-व्यवस्था के साधन :

क्रम	मद	कुल लागत	प्रतिशतता

संख्या		(रुपयों में)	
1.	प्रमोटर का अंशदान	-	-
2.	एनएसटीएफडीसी-मियादी ऋण	60,000.00	85.71
3.	एमएमएल-एससीए	10,000.00	14.29
	जोड़	70,000.00	100.00

टिप्पणी : राज्य चैनेलाइजिंग एजेंसियां अपने निगम के मानदंडों के अनुसार लाभार्थी (लाभार्थियों) को सब्सिडी मुहैया कराने की व्यवस्था करेंगी। इसके अलावा एससीए भी अन्य केंद्रीय प्रायोजित योजनाओं से प्रोत्साहन / सब्सिडी उपलब्ध कराने के लिए प्रयास करेंगे।

7. आवश्यक मदें (प्रतिवर्ष) :

क्रम संख्या	मद	कुल लागत (रुपयों में)
1.	बिजली	24,000.00
2.	पानी	2,000.00
3.	ईंधन (गैस / कोयला)	14,400.00
	जोड़	40,400.00

8. जन-शक्ति की आवश्यकता

क्रम संख्या	श्रेणी	संख्या	वेतन प्रति व्यक्ति (रुपये)	जोड़ (रुपयों में)
1.	पर्यवेक्षक	स्वयं	3,000.00	3,000.00
2.	कुशल कर्मकार (कुक / सहायक कुक)	2	2,500.00	5000.00
3.	अकुशल कर्मकार	2	2,000.00	4,000.00
			जोड़	12,000.00
			वार्षिक	1,44,000.00

9.कच्चे माल की आवश्यकता(जिसमें उपभोज्य सामग्री प्रतिमाह भी शामिल है)

क्रम संख्या	मद	मात्रा (दर)	दर (रुपये)	मूल्य (रुपये)
1.	किराने की मदें (मसाले, तेल, चावल, आटा, अंडे, मक्खन, चाय, दूध, सॉफ्ट / कोल्डड्रिंक्स आदि)	एलएस	एलएस	8,000.00
2.	दालें, पनीर आदि	एलएस	एलएस	7,000.00
3.	सब्जियां (मौसमी)			3,000.00
4.	मछली- मांस आदि	एलएस		2,000.00
			जोड़	20,000.00

10. कार्यचालन पूंजी की आवश्यकता :

क्रम संख्या	मद	अवधि	रकम (रुपयों में)
1.	कच्चा माल	2 सप्ताह	10,000.00
2.	प्राप्य रकम / देनदार	4 दिन	8,000.00
3.	अन्य चालू परिसंपत्तियां	-	2,000.00
		जोड़	20,000.00

11.परियोजना का अर्थशास्त्र (वार्षिक) :

क. बिक्री से प्राप्त आय (वार्षिक) :

क्रम संख्या	मद	दर (रुपये)	संख्या / दिन	जोड़ (रुपयों में)
1.	आहार (शाकाहारी)	25 रुपये प्रति आहार	24	600.00
2.	भोजन (मांसाहारी)	35 रुपये प्रति आहार	15	525.00
3.	चाय	2 रुपये प्रति कप	50	100.00
4.	नाश्ता	10 रुपये प्रति प्लेट	20	200.00
5	आमलेट और स्लाइस	10 रुपये प्रति प्लेट	20	200.00
			जोड़	1,625.00
	वार्षिक बिक्री 1625 X 300 दिन =4,87,500 रुपये			

(ख) उत्पादन की लागत :

क्रम संख्या	ब्योरे	रकम (रुपयों में)
(i)	कच्चा माल : 20,000 रुपये X 12 (पैकिंग सामग्री सहित)	2,40,000.00
(ii)	आवश्यक मदें (बिजली, ईंधन, पानी आदि)	40,400.00
(iii)	वेतन और मजदूरी	1,44,000.00
(iv)	परिवहन / भाड़ा / सवारी	10,000.00
(v)	बिक्री व्यय (जिसमें विज्ञापन, वितरण लागत, कमीशन और छूट भी शामिल है)	4,000.00
(vi)	मरम्मत और अनुरक्षण	6,000.00
(vii)	ब्याज	4,200.00
	जोड़	4,48,600.00
ग.	नकद लाभ (क-ख)	38,900.00
घ.	मूल्यह्रास : अन्य स्थायी परिसंपत्तियों की लागत के 15 प्रतिशत की दर से	5,340.00
ड.	कर पूर्व लाभ (ग-घ)	33,560.00
च.	कर	शून्य
छ.	कर पश्चात लाभ	33,560.00

12. संभाव्यता संकेतक :

क्रम संख्या	ब्योरे	रकम (रुपयों में)
1.	वापसी प्रतिवर्ष (अवधि – 5 वर्ष)	14,000.00
2.	निवेश पर प्राप्ति	47.94 प्रतिशत
3.	ऋण की चुकौती संबंधी अनुपात	2.37 प्रतिशत

टिप्पणी :

- परियोजना की सफलता उसकी अवस्थित पर निर्भर है। इस बात पर विशेष ध्यान दिया जाना चाहिए कि यह ढाबा राजमार्ग पर उपयुक्त और सुविधाजनक स्थान पर हो और उसमें पार्किंग की पर्याप्त जगह हो।
- रात में ठहरने के लिए चारपाई आदि मुहैया करने / एसटीडी फोन की सेवा प्रदान करने से अतिरिक्त आय पैदा की जा सकती है।
- बाहर से लोगों को भाड़े पर लेने की बजाए परिवार के सदस्यों को काम पर लगाने से परियोजना के अर्थशास्त्र में और (लगभग दो गुना) सुधार किया जा सकता है।

13. लाभार्थियों के लिए ब्याज, ऋण-स्थगन और वापसी अवधि

(क) ब्याज : एनएसटीएफडीसी के मियादी ऋण पर 6 प्रतिशत प्रतिवर्ष

(ख) ऋण-स्थगन अवधि : एससीए द्वारा निधियां जारी किए जाने की तारीख से 6 माह

(ग) वापसी अवधि : 5 वर्ष, जिसमें ऋण-स्थगन अवधि शामिल नहीं है।

14. सामान्य अभ्युक्तियां

- उपस्कर और फर्नीचर की लागत का हिसाब ऐसे स्तरीय / प्रतिष्ठित आपूर्तिकर्ताओं द्वारा विनिर्मित मदों के आधार पर लगाया गया है, जिनका सेवासंबंधी अच्छा नेटवर्क हो। बेहतर होगा कि आपूर्तिकर्ता स्थानीय क्षेत्रों और नजदीकी राज्यों के हों।
- यथेष्ट कार्यचालन पूंजी चक्र का हिसाब आवश्यकता के अनुसार लगाया गया है।
- परियोजना की लागत अलग-अलग राज्यों और क्षेत्रों में अलग-अलग हो सकती है।
- ऐसा माना जाता है कि इन उत्पादों / सेवाओं की अच्छी मांग है और प्रमोटरों को संगत क्षेत्रों का अनुभव है।

9. दुपहिए की सर्विसिंग और मरम्मत

1. प्रस्तावना :

भारत विश्व में दुपहियों का बहुत बड़ा विनिर्माता है। हीरो होंडा, टीवीएस, सुजुकी, बजाज, मैजिस्टिक ऑटो आदि स्कूटरों, मोपेडों और मोटर साइकिलों जैसी मदों का विनिर्माण करते हैं। यह आज के युवाओं की पहली पसंद है। इसके अलावा यह सस्ती दरों पर परिवहन का सुविधाजनक साधन भी है। मशीन कभी भी और कहीं भी खराब हो सकती है। इसलिए दुपहिया / वाहनों की मरम्मत आवश्यक होती है और यह एक बड़ा कारोबार है, जिसकी किसी भी स्थान पर आवश्यकता होती है।

2. बाजार की संभावना :

स्कूटरों, मोपेडों और मोटर साइकिलों की सर्विसिंग और मरम्मत के कार्य की बहुत संभावना है। विकसित देशों में दुपहियों / वाहनों की मरम्मत को पसंद नहीं किया जाता है। उनका मुख्य प्रयास इनकी मरम्मत करने के बजाए नये वाहन खरीदने का होता है। लेकिन भारत में सीमित आय होने के कारण लोग हमेशा दुपहिए / वाहनों की मरम्मत करवाते हैं। इससे दुपहियों की मरम्मत और सर्विस यूनिटों के बाजार की बड़ी संभावना है।

3. तकनीकी विवरण :

(क) प्रक्रिया :

यह परियोजना रिपोर्ट दुपहियों की मरम्मत और सर्विसिंग से संबंधित है। इंजन, पहियों, क्लच, ब्रेक, इग्निशन कॉइल आदि जैसे विभिन्न पुर्जों की मरम्मत में अलग-अलग प्रक्रियाएं होंगी। सर्विसिंग एक ऐसी प्रक्रिया है, जिसमें मिट्टी के तेल और पानी के फब्बारों से सफाई करने के बाद वाहन के बीयरिंग्स और अन्य रोडिंग पुर्जों पर ग्रीज का लेप करके दुपहिए को ठीक रखा जाता है। इसके पश्चात कार्बूरेटर, ट्यूनिंग और ब्रेक के समायोजन की सफाई की व्यवस्था की जानी चाहिए। दोषपूर्ण ऑटो पुर्जों के बदले नये पुर्जे लगाकर आवश्यक मरम्मत भी की जाएगी।

(ख) मरम्मत और सर्विसिंग का लक्षय:

- सर्विसिंग के लिए 1200 दुपहिए
- मरम्मत के लिए 1200 दुपहिए
- दुपहिए के अतिरिक्त पुर्जों की बिक्री

(ग) आवश्यक मदें

बिजली : 10 किलो वाट का एकल चरण

4. परियोजना की लागत :

क्रम संख्या	मद	कुल लागत (रुपयों में)
1.	भवन (400 वर्ग फुट)	किराए पर
2.	विविध स्थायी परिसंपत्तियां	20,000.00
3.	फर्नीचर और जुड़नार (कार्यालय उपस्करों सहित)	25,000.00
4.	आरंभिक और प्रचालन पूर्व व्यय	4,900.00
5.	आकस्मिक- व्यय (लागत वृद्धि सहित)	8,100.00
6.	कार्य चालन पूंजी	42,000.00
	जोड़-	1,00,000.00

5. वित्त-व्यस्था के साधन

क्रम	मद	कुल लागत	प्रतिशतता

संख्या		(रुपयों में)	
1.	प्रमोटर का अंशदान	-	-
2.	एनएसटीएफडीसी-मियादी ऋण	87,000.00	87.00
3.	एमएमएल-एससीए	13,000.00	13.00
	जोड़	1,00,000.00	100.00

टिप्पणी : राज्य चैनेलाइजिंग एजेंसियां अपने निगम के मानदंडों के अनुसार लाभार्थी (लाभार्थियों) को सब्सिडी मुहैया कराने की व्यवस्था करेंगी। इसके अलावा एससीए भी अन्य केंद्रीय प्रायोजित योजनाओं से प्रोत्साहन / सब्सिडी उपलब्ध कराने के लिए प्रयास करेंगे।

6. आवश्यक मदें (प्रतिवर्ष)

क्रम संख्या	ब्योरे	कुल लागत (रुपयों में)
1.	बिजली (2 किलो वाट X 8 घंटे X 300 दिन X 4 रुपये)	19,200.00
2.	पानी (100 रुपये प्रतिमाह X 12 माह)	1,200.00
	जोड़	20,400.00

7. जन-शक्ति की आवश्यकता (प्रतिमाह)

क्रम संख्या	श्रेणी	संख्या	वेतन प्रति व्यक्ति (रुपये)	जोड़ (रुपयों में)
1.	प्रबंधक	1	4,000.00	4,000.00
2.	पर्यवेक्षक	1	3,500.00	3,500.00
3.	कुशल प्रचालक	1	3,000.00	3,000.00
	अकुशल कर्मकार	1	2,500.00	2,500.00
			जोड़	13,000.00

8. कच्चे माल की आवश्यकता

क्रम संख्या	मद	मूल्य (रुपयों में)
1.	ऑटोमोबाइल कार्यशाला में प्रयोग किए जाने वाले अतिरिक्त पुर्जे यथा कार्बोरेटर, क्लच वायर, क्रेंक साफ्ट, पिस्टन, पिस्टन रिंग्स, ब्रेक लाइनिंग्स और साइलेंसर आदि।	40,000.00
2.	पेट्रोल, मोबाइल ऑयल, गियर ऑयल और मिट्टी का तेल आदि जैसे स्नेहक (लुब्रीकेंट)	2,000.00
	जोड़	42,000.00

9. कार्यचालन पूंजी की आवश्यकता

क्रम संख्या	मद	अवधि माह (रकम रुपयों में)	रकम (रुपयों प्रतिमाह)
1.	कच्चा माल यथा ऑटोमोबाइल कार्यशाला में प्रयोग में लाए जाने वाले अतिरिक्त पुर्जे	1 / 2	20,000.00
2.	सामान और अतिरिक्त पुर्जे (पेट्रोल, मोबाइल ऑयल, गियर ऑयल और मिट्टी का तेल आदि)	1 / 2	1,000.00
3.	तैयार किया जा रहा माल	-	-
4.	तैयार माल	-	-
5.	प्राप्य रकम / देनदार	3 दिन	9,000.00
6.	अन्य चालू परिसंपत्तियां	-	12,000.00
		जोड़	42,000.00

10.परियोजना का अर्थशास्त्र (वार्षिक)

क. बिक्री से प्राप्त आय :

क्रम संख्या	ब्योरे	मूल्य (रुपयों में)
1.	1200 दुपहियों की सर्विसिंग : 300 रुपये प्रति वाहन की दर से	3,60,000.00
2.	1200 दुपहियों की मरम्मत : 100 रुपये प्रति वाहन की दर से	1,20,000.00
3.	अतिरिक्त पुर्जों की बिक्री	3,76,000.00
	जोड़	8,56,000.00

(ख) उत्पादन की लागत :

क्रम संख्या	ब्योरे	कुल जोड़ (रुपयों में)
(i)	अतिरिक्त पुर्जे जैसे कच्चा माल (पैकिंग सामग्री सहित)	5,04,000.00
(ii)	ऑयल जैसे सामान, अतिरिक्त पुर्जे (उपभोज्य सामग्री	24,000.00

	सहित)	
(iii)	आवश्यक मदें (बिजली, पानी आदि)	20,400.00
(iv)	वेतन और मजदूरी	1,56,000.00
(v)	किराया : 4000 रुपये प्रतिमाह X 12 माह	48,000.00
(vi)	परिवहन / भाड़ा / सवारी	10,000.00
(vii)	बिक्री व्यय (जिसमें विज्ञापन, वितरण की लागत, कमीशन और छूट भी शामिल है)	6,000.00
(viii)	मरम्मत और अनुरक्षण	6,000.00
(ix)	ब्याज	6,000.00
(x)	विविध व्यय	8,900.00
	जोड़	7,89,300.00
ग.	उत्पादन की कुल लागत	66,700.00
घ.	नकद लाभ (क-ग)	66,700.00
ङ.	मूल्यह्रास : स्थायी परिसंपत्तियों की लागत के 15 प्रतिशत की दर से	6,750.00
च.	कर पूर्व लाभ (ग-घ)	59,950.00
छ.	कर	-
ज.	कर पश्चात लाभ	59,950.00

11. संभाव्यता संकेतक :

क्रम संख्या	ब्योरे	रकम (रुपयों में)
1.	वापसी प्रतिवर्ष (अवधि – 5 वर्ष)	20,000.00
2.	निवेश पर प्राप्ति	59.95 प्रतिशत
3.	ऋण की चुकौती संबंधी अनुपात	2.79 प्रतिशत

12. लाभार्थियों के लिए ब्याज, ऋण-स्थगन और वापसी अवधि

(क) ब्याज : एनएसटीएफडीसी के मियादी ऋण पर 6 प्रतिशत प्रतिवर्ष

(ख) ऋण-स्थगन अवधि : एससीए द्वारा निधियां जारी किए जाने की तारीख से 6 माह

(ग) वापसी अवधि : लाभार्थियों के लिए 5 वर्ष, जिसमें ऋण-स्थगन अवधि शामिल नहीं है।

13. सामान्य अभ्युक्तियां :

- संयंत्र और मशीनरी की लागत का हिसाब ऐसे स्तरीय / प्रतिष्ठित आपूर्तिकर्ताओं द्वारा विनिर्मित मदों के आधार पर लगाया गया है, जिनका सेवा संबंधी अच्छा नेटवर्क हो। बेहतर होगा कि आपूर्तिकर्ता स्थानीय क्षेत्रों और नजदीकी राज्यों के हों।
- यथेष्ट कार्यचालन पूंजी चक्र का हिसाब आवश्यकता के अनुसार लगाया गया है।

- परियोजना की लागत अलग-अलग राज्यों और क्षेत्रों में अलग-अलग हो सकती है।
- ऐसा माना जाता है कि इन उत्पादों / सेवाओं की अच्छी मांग है और प्रमोटरों को संगत क्षेत्रों का अनुभव है।

10. ट्रैक्स क्रूज़र

1. प्रस्तावना :

यह परियोजना जीप क्रूज़र टीडी – 2650 एफ (11 ईजी) मॉडल का प्रयोग करने वाली टैक्सी के लिए है।

2. बाजार की संभावना :

जीप टैक्सी चलाना ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों तथा महानगरों में एक बड़ा कारोबार है। ऐसा भी समय होता है, जब इन बड़े केंद्रों में टैक्सी उपलब्ध नहीं होती है। छोटे शहरों और गांवों में स्थिति अभी भी बहुत खराब है। ग्रामीण क्षेत्रों में एक गांव से दूसरे गांव जाने के लिए टैक्सी प्राप्त करना काफी मुश्किल दिखाई देता है। यदि कोई टैक्सी दिखाई भी देती है, तो उसमें लोग उसकी क्षमता से अत्यधिक संख्या मे बैठे रहते हैं। भले ही यह नगर हो या गांव, एक स्थान से दूसरे स्थान तक के लिए टैक्सी चलाने के अत्यधिक अवसर हैं।

3. तकनीकी विवरण :

जीप टैक्सी विभिन्न प्रकारों में उपलब्ध है। इनकी कीमतें अलग–अलग राज्यों में अलग-अलग हैं।

(क) विशिष्टियां :

इंजन का प्रकार	:	4 सिलेंडर, 4 स्ट्रोक
ईंधन	:	डीजल
क्षमता	:	2596 सीसी
गियरों की संख्या	:	5 आगे एक पीछे
चालन (ड्राइव)	:	पीछे की ओर (रियर)
सस्पेंशन	:	सॉलिड टार्सन वार और हाइड्रोलिक टेलिस्कोपिक डबल एक्टिंग शॉक एब्जॉर्बस
दरवाजे	:	5

बैठने की क्षमता : 13 + चालक
ईंधन क्षमता : 63 लीटर

(ख) वाहन का विवरण :

क्रम संख्या	मद	मात्रा	दर (रुपये)	मूल्य (रुपये)
1.	ट्रैक्स क्रूज़र (जिसमें एसटी, पंजीकरण प्रभार,)			

4.परियोजना की लागत :

क्रम संख्या	ब्योरे	कुल लागत (रुपयों में)
1.	वाहन की लागत	5,06,000.00
2.	आरंभिक और प्रचालन पूर्व व्यय	1,000.00
3.	आकस्मिक- व्यय (लागत वृद्धि सहित)	1,000.00
4.	कार्यचालन पूंजी पर मार्जिन	3,000.00
	जोड़	5,11,000.00

5. वित्त-व्यवस्था के साधन :

क्रम संख्या	ब्योरे	कुल लागत (रुपयों में)	प्रतिशतता
1.	प्रमोटर का अंशदान	25,000.00	4.89
2.	एनएसटीएफडीसी-मियादी ऋण	4,35,000.00	85.13
3.	एमएमएल-एससीए	51,000.00	9.98
	जोड़	5,11,000.00	100.00

टिप्पणी : राज्य चैनेलाइजिंग एजेंसियां अपने निगम के मानदंडों के अनुसार लाभार्थी (लाभार्थियों) को सब्सिडी मुहैया कराने की व्यवस्था करेंगी। इसके अलावा एससीए भी अन्य केंद्रीय प्रायोजित योजनाओं से प्रोत्साहन / सब्सिडी उपलब्ध कराने के लिए प्रयास करेंगे।

6 .वेतन और मजदूरी

क्रम संख्या	श्रेणी	संख्या	वेतन प्रति व्यक्ति माह (रुपये)	कुल लागत (रुपयों में)
1.	चालक / स्वयं	1	4,000.00	4,000.00
2.	हेल्पर	1	2,0 00.00	2,000.00
			जोड़	6,000.00

7. ईंधन (प्रतिवर्ष) :

क्रम संख्या	ब्योरे	कुल लागत (रुपयों में)
1.	17 लीटर प्रतिदिन (300 दिन X 36 रुपये प्रतिलीटर)	1,83,600.00
	जोड़	1,83,600.00

8. कार्यचालन पूंजी की आवश्यकता :

क्रम संख्या	मद	अवधि	रकम (रुपयों में)
1.	अतिरिक्त पुर्जे	1 माह	1,000.00
2.	प्राप्य रकम / देनदार	5 दिन	8,000.00
3.	अन्य चालू परिसंपत्तियां	-	1,000.00
	जोड़		10,000.00

9.परियोजना का अर्थशास्त्र (वार्षिक) :

क्रम संख्या	मद	रकम (रुपयों में)
क.	आय-अर्जन : 200 कि लोमीटर प्रतिदिन X 9 रुपये प्रति किलोमीटर / 300 दिन	5,40,000.00
ख.	उत्पादन की लागत	
(i)	ईंधन	1,83,600.00
(ii)	वेतन और मजदूरी	72,000.00
(iii)	बीमा	15,000.00
(iv)	मरम्मत और अनुरक्षण आदि	15,000.00
(v)	ब्याज	29,200.00
	जोड़	3,14,800.00
ग.	नकद लाभ (क-ख)	2,25,200.00
घ.	मूल्यह्रास : स्थायी परिसंपत्तियों की लागत के 15 प्रतिशत की दर से	76,000.00
ड.	कर पूर्व लाभ (ग-घ)	1,49,200.00
च.	कर	10,000.00
छ.	कर पश्चात लाभ	1,39,200.00

10. संभाव्यता संकेतक :

क्रम संख्या	ब्योरे	रकम (रुपयों में)
1.	वापसी प्रतिवर्ष (अवधि – 5 वर्ष)	97,200.00
2.	निवेश पर प्राप्ति	27.24 प्रतिशत
3.	ऋण की चुकौती संबंधी अनुपात	1.93 प्रतिशत

टिप्पणी :

- जहां-कहीं उपलब्ध हो, राज्य सरकार द्वारा प्रदान की गई टैक्सी के रूप में जीप के प्रयोग पर कर लाभ उठाया जाना चाहिए।
- कई वर्ष बाद लाभकारिता में सुधार होगा और ब्याज प्रभार कम होंगे (ऋण की वापसी के बाद) और प्रति किलोमीटर दरें बढेंगी ।
- वाहन को मालिक द्वारा चलाना होगा और मालिक को छोटी-मोटी मरम्मत करने की जानकारी होनी चाहिए।

11. लाभार्थियों के लिए ब्याज, ऋण-स्थगन और वापसी अवधि

(क) ब्याज : एनएसटीएफडीसी के मियादी ऋण पर 6 प्रतिशत प्रतिवर्ष

(ख) ऋण-स्थगन अवधि : एससीए द्वारा निधियां जारी किए जाने की तारीख से 6 माह

(ग) वापसी अवधि : लाभार्थियों के लिए 5 वर्ष, जिसमें ऋण-स्थगन अवधि शामिल नहीं है।

12. सामान्य अभ्युक्तियां :

- जीप की लागत का हिसाब ऐसे स्तरीय / प्रतिष्ठित आपूर्तिकर्ताओं द्वारा विनिर्मित मदों के आधार पर लगाया गया है, जिनका सेवा संबंधी अच्छा नेटवर्क हो। बेहतर होगा कि आपूर्तिकर्ता स्थानीय क्षेत्रों के हों।
- यथेष्ट कार्यचालन पूंजी चक्र का हिसाब आवश्यकता के अनुसार लगाया गया है।
- परियोजना की लागत अलग-अलग राज्यों और क्षेत्रों में अलग-अलग हो सकती है।
- ऐसा माना जाता है कि इन उत्पादों / सेवाओं की अच्छी मांग है और प्रमोटरों को संगत क्षेत्रों का अनुभव है।